● सीधी, रीवा एवं भोपाल से एक साथ प्रकाशित ● website-https://vindhyatiger.in ● epaper-https://epaper.vindhyatiger.in ● वर्ष : 36, अंक 149, पृष्ठ : 08, सीधी, सोमवार, 08 जुलाई 2024 - मूल्य : 2.00 रुपया मात्र

दैनिक समाचार पत्र

विन्ध्य टाइगर

हक की बात, बुलंदी के साथ

महाराष्ट्र में सरकार के खिलाफ एमवीए की तैयारी 5

डेब्यू में डक होने वाले अभिषेक का तूफान 6

भारतीय समाज सदैव से रहा है प्रकृति पूजक

क्लीन सिटी के साथ ग्रीन सिटी में इंदौर बनेगा नम्बर-1 : डॉ. यादव

भोपाल। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के संकल्प एक पेड़ माँ के नाम अभियान के तहत वृक्षारोपण कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव तथा केंद्रीय वन एवं पर्यावरण मंत्री श्री भूपेंद्र यादव ने आज इंदौर स्थित बीएसएफ रेंज क्षेत्र में वृहद पौध-रोपण कार्यक्रम में सहभागिता करते हुए अपनी माताजी की स्मृति में पौध-रोपण किया। मुख्यमंत्री डॉ.यादव ने अपनी माताजी स्व. श्रीमती लीलाबाई श्री पूनमचंद जी यादव की स्मृति में बरगद का पौधा लगाया। केन्द्रीय मंत्री श्री यादव ने अपनी माताजी स्व. श्रीमती संतरा यादव, प्रदेश के नगरीय निकाय एवं आवास मंत्री श्री कैलाश विजयवर्गीय ने अपनी माताजी स्व.श्रीमती अयोध्या देवी विजयवर्गीय की स्मृति में आम का वृक्ष लगाया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा आदिकाल से इंदौर और उज्जैन का पर्यावरण के महत्व में विशेष संबंध रहा है। मां क्षिप्रा सहित 7 नदियों के उद्गम का स्थल इन्दौर है। देश एवं दुनिया में इंदौर की विशेष पहचान है। क्लीन सिटी के साथ अब ग्रीन सिटी में भी इंदौर अवश्य नम्बर वन बनेगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव इंदौर में वृहद पौध-रोपण के लिए आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। प्रधानमंत्री श्री मोदी के आह्वान पर देश में एक पेड़ मां के नाम अभियान से पौध-रोपण किया जा रहा है। उन्होंने कहा केंद्रीय वन एवं पर्यावरण मंत्री के प्रयास से मध्यप्रदेश को चीते मिले, जो प्रदेश के लिए गर्व की बात है। उन्होंने कहा भारतीय समाज सदैव से प्रकृति पूजक रहा है। भारत की वैदिक परंपराओं में कहा गया है कि 10 कुओं के समान एक सरोवर, 10 सरोवर के समान एक तालाब, 10 तालाब के समान एक पुत्र और 10 पुत्रों के समान एक वृक्ष होता है। ऐसी हमारी वैदिक मान्यता होकर वृक्ष की महत्ता हमारी परम्परा में है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि इंदौर क्लीन सिटी के साथ ग्रीन सिटी बनेगा, इसी संकल्प के साथ पूरा इंदौर इस अभियान से जुड़ा है। केन्द्रीय वन एवं पर्यावरण मंत्री श्री भूपेन्द्र यादव ने कहा प्रधानमंत्री ने एक पेड़ मां के नाम अभियान का शुभारंभ किया। पूरे देश में 140 करोड़ पौधे लगाने का महा अभियान चल रहा है। उन्होंने कहा इस वर्ष गर्मी का प्रचंड रूप 45 से 50 डिग्री तापमान के रूप में देखने को मिला। केंद्रीय मंत्री श्री यादव ने कहा कि पूरी दुनिया में विकास और परियोजनाओं को पूरा करने के लिए मनुष्य ने कांक्रिट के शहर तो बसा दिए लेकिन धरती की हरियाली को नष्ट कर दिया। मनुष्य कितनी भी तरक्की कर ले लेकिन भोजन, पानी, दवाओं का अंतिम तत्व सहित कई आवश्यक चीज प्रकृति उपहार में देती है लेकिन हम प्रकृति को इसके बदले में क्या लौटाते है। एक मां ने हमें जन्म दिया तथा एक धरती मां हमें जीवन जीने के साधन प्रदान करती है।

देश के लिए मरने की नहीं, जीने की जरूरत : शाह

अहमदाबाद। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को गुजरात के विकास में कडवा पाटीदार समुदाय की भूमिका की सराहना की। उन्होंने कहा कि देश के लिए मरने की नहीं, बल्कि जीने की जरूरत है। वह मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल की मौजूदगी में अहमदाबाद में एक कार्यक्रम में बोल रहे थे, जहां छात्रों के लिए एक छात्रावास का उद्घाटन किया गया।

शाह ने दोपहर में शहर में एक अस्पताल का भी उद्घाटन किया। इसके अधिकारियों ने बताया कि अमीन पीजेकेपी विद्यार्थी भवन का निर्माण कडवा पाटीदार समुदाय द्वारा किया गया है और इसमे सभी सामाजिक समूहों के छात्रों के रहने की सुविधा होगी।

गृह मंत्री ने छात्रों से कहा कि आज देश के लिए मरने की जरूरत नहीं है, बल्कि उसके लिए जीने की जरूरत है। उन्होंने कहा, आप एक अच्छे आईएएस, आईपीएस, सीए, डॉक्टर, अच्छे नागरिक या गृहिणी हो सकते हैं, लेकिन आपको देश के लिए काम करने की जरूरत है।

भाजपा के वरिष्ठ नेता ने कहा कि कडवा पाटीदार समुदाय ने गुजरात के विकास में बहुत योगदान दिया है। उन्होंने कहा, गुजरात और पाटीदार समुदाय का समानांतर विकास हुआ है। अपनी कड़ी मेहनत से कडवा पाटीदार समुदाय ने अपने विकास के साथ-साथ राज्य और देश के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। उन्होंने कहा, उत्तर गुजरात के कडवा पाटीदार समुदाय के कई संस्थानों में पढ़कर आज जनता देश की सेवा कर रही है। इस मौके पर मुख्यमंत्री पटेल ने कहा कि दो दशक पहले मुख्यमंत्री के रूप में प्रधानंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा शुरू किए गए शाला प्रवेशोत्सव और कन्या केलवणी महोत्सव की वजह से राज्य में शिक्षआ क्षेत्र में काफी विकास हुआ है। उन्होंने कहा कि बच्चों को अच्छी और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देना बहुत जरूरी है। शिक्षा विकास की नींव है। देश के भविष्य को संवारने के लिए शिक्षा क्षेत्र को मजबूत करने के लिए सरकार प्रयासरत है।

शह ने अहमदाबाद में नवनिर्मित मल्टी-स्पेशियलिटी एसएलआईएमएस अस्पताल का भी उद्घाटन किया। तीस करोड़ रुपये से ज्यादा की लागत से बना आठ मंजिला अस्पताल में ओपीडी सुविधाओं के साथ रोबोटिक सर्जरी और कार्डियक केयर सेंट जैसी अत्याधुनिक सुविधाएं हैं। उन्होंने कहा, मुझे भरोसा है कि आधुनिक सुविधाओं से लैस यह अस्पताल क्षेत्र की चिकित्सा जरूरतों को पूरा करने में मदद करेगा।

प्रदेश के कॉलेजों में अब छात्रों को यूनिफॉर्म में जाना होगा

भोपाल। प्रदेश के सरकारी कॉलेजों में अब छात्र-छात्राएं जींस-टीशर्ट पहनकर नहीं जा सकेंगे। स्टूडेंट्स को अब सिर्फ यूनीफॉर्म में ही कॉलेज जाना होगा। प्रदेश की मोहन यादव सरकार ने इसी सत्र से सरकारी कॉलेजों में ड्रेस कोड लागू करने का फैसला किया है। इसके लिए उच्च शिक्षा विभाग ने कॉलेज प्रबंधन को यूनिफॉर्म चयन की जिम्मेदारी दी है।

ड्रेस कोड के तहत छात्र-छात्राएं पेंट-शर्ट और छात्राएं सलवार-कुर्ता पहनकर आएंगे। शिक्षा विभाग का कहना है कि कॉलेज में यूनिफॉर्म होने से छात्र-छात्राओं के बीच एकरूपता और समानता की भावना पैदा होगी। वहीं गरीब-अमीर और धर्म जाति का भेद नहीं रहेगा। साथ ही छात्रों के दिमाग में शिक्षा के प्रति ज्यादा रुचि पैदा होगी।

ड्रेस कोड लागू करने के पीछे विभाग की यह भी मंशा है कि अभी सरकारी कॉलेज में आवारा आसामाजिक तत्व भी आ जाते हैं, जिन्हें पहचान पाना मुश्किल हो जाता है, लेकिन ड्रेस कोड लागू होने के बाद बाहरी व्यक्तियों की पहचान आसानी से हो सकेगी। उच्च शिक्षा विभाग ने यूनिफॉर्म चयन की जिम्मेदारी कॉलेज प्रबंधन को ही सौंपी है।

सरकारी कॉलेजों की यूनिफॉर्म एक जैसी न होकर अलग-अलग हो, इसके लिए विभाग ने यूनिफॉर्म का रंग तय करने का फैसला जनभागीदारी समिति और कॉलेज प्रबंधन पर छोड़ दिया है। दोनों मिलकर यूनिफॉर्म का रंग तय करेंगे।

पार्टी ऑफिस में नहीं दफनाया जाएगा बीएसपी नेता का शव

चेन्नई। तमिलनाडु के चेन्नई में मारे गए बहुजन समाज पार्टी प्रदेश अध्यक्ष के. आर्मस्ट्रॉन्ग के शव को पार्टी कार्यालय में दफनाया नहीं जाएगा। मद्रास हाईकोर्ट ने पार्टी कार्यालय में उनका शव दफनाए जाने की मांग वाली याचिका को खारिज कर दिया। पिटीशन मृत नेता की पत्नी के. पोरकोडी ने लगाई थी। कोर्ट ने कहा कि बीएसपी ऑफिस संकरी गली में बना है। वहां ज्यादा जगह नहीं है। ऐसे में अगर वहां ज्यादा लोग जमा होते हैं तो भगदड़ का खतरा हो सकता है।

पुलिस आयुक्त-उपायुक्त के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्यवाही

राज्यपाल की शिकायत के बाद केंद्र सरकार का एक्शन

कोलकाता। केंद्र सरकार ने कोलकाता के पुलिस आयुक्त विनीत गोयल और पुलिस उपायुक्त इंदिरा मुखर्जी के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई की है। दोनों पुलिस अधिकारियों पर पश्चिम बंगाल के राज्यपाल सीवी आनंद बोस के कार्यालय को बदनाम करने का आरोप है। केंद्र सरकार के एक अधिकारी के अनुसार दोनों पुलिस अधिकारियों ने राज्यपाल के कार्यालय के बारे में झूठी अफवाहें फैलाईं। आपको बता दें कि इससे पहले राज्यपाल सीवी आनंद बोस ने केंद्र सरकार को एक रिपोर्ट भेजी थी। रिपोर्ट में कोलकाता पुलिस आयुक्त और उपायुक्त पर गलत तरीके से काम करने का आरोप लगाया गया था।

पश्चिम बंगाल के राज्यपाल ने जून महीने के आखिरी सप्ताह में केंद्रीय गृह मंत्री को अपनी रिपोर्ट भेजी थी। रिपोर्ट में कहा गया, 'कोलकाता के पुलिस अधिकारियों द्वारा लोकसभा चुनाव के बाद हुई हिंसा के पीड़ितों को राजभवन जाने से रोका जा रहा है। राज्यपाल ने पहले ही मुलाकात की अनुमति दे दी थी और इसके बाद भी पीड़ितों को राजभव जाने से रोका गया।' एक अधिकारी का कहना है कि पश्चिम बंगाल के राज्यपाल की रिपोर्ट के आधार पर दोनों पुलिस अधिकारियों के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई शुरू की गई है। उन्होंने बताया कि आदेश की एक प्रति राज्य सरकार को भी भेज दी गई है।

पश्चिम बंगाल के राज्यपाल ने राजभवन में तैनात किए गए अन्य पुलिस अधिकारियों पर भी आरोप लगाए हैं।

पुरी में सूर्यास्त के बाद रुकी रथयात्रा

पुरी। 53 साल बाद इस साल पुरी की रथयात्रा दो दिनों की है। यात्रा का पहला दिन सूर्यास्त के साथ आज (रविवार) पूरा हो गया है। जगन्नाथ, बलभद्र और सुभद्रा के रथ रुक गए हैं। अब रात की पूजा और सोमवार सुबह की पूजा रथों पर ही होगी। कल सुबह नियमित पूजा-पाठ के बाद करीब 9 बजे से रथयात्रा फिर शुरू होगी। जगन्नाथ मंदिर के पंचांगकर्ता डॉ. ज्योति प्रसाद के मुताबिक, कल सुबह भगवान की मंगला आरती 4 बजे होगी। इसके बाद सुबह 7 बजे भगवान को खिचड़ी का भोग-प्रसाद लगाया जाएगा।

भारत ने 100 रन से जीता दूसरा टी-20

हरारे। भारत ने जिम्बाब्वे को दूसरे टी-20 में 100 रन से हरा दिया। भारत ने हरारे स्पोर्ट्स क्लब में रविवार को टॉस जीतकर पहले बैटिंग की। अभिषेक शर्मा के शतक और ऋतुराज गायकवाड के 77 रन के सहारे भारत ने 234 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया। यह जिम्बाब्वे के खिलाफ किसी भी टीम का सबसे बड़ा स्कोर रहा। इससे पहले, 2018 में ऑस्ट्रेलिया ने 229 रन का स्कोर बनाया था। जवाबी पारी में जिम्बाब्वे 134 रन बनाकर ऑलआउट हो गया। यह भारत की जिम्बाब्वे के खिलाफ रन के अंतर से सबसे बड़ी जीत रही। इससे पहले टीम इंडिया ने 2022 टी-20 वर्ल्ड कप में मेलबर्न के मैदान पर जिम्बाब्वे 71 रन से हराया था।

भारतीय गेंदबाजों में आवेश खान और मुकेश कुमार 3-3 विकेट लिए। रवि बिश्नोई को 2 विकेट मिले। अभिषेक शर्मा ने 47 बॉल पर सेंचुरी लगाई, यह जिम्बाब्वे के खिलाफ किसी भारतीय बैटर का पहला शतक है। उन्होंने 7 चौके और 8 छक्के मारे।

दो-तीन महीने में बंद हो जाएंगी महिला वोटरों को लुभाने वाली योजनाएं

मुंबई

शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे ने रविवार को एकनाथ शिंदे सरकार पर महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव से पहले मुख्यमंत्री माझी लड़की बहन योजना के जरिए महिला मतदाताओं को लुभाने का आरोप लगाया। उन्होंने दावा किया कि यह योजना दो-तीन महीने में ही रुक जाएगी। ठाकरे ने छत्रपति संभाजीनगर में पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने किसानों के बिजली के बिल माफ करने की योजना की तर्ज पर उनके कर्ज को माफ करने की मांग दोहराई। उन्होंने भाजपा पर महाराष्ट्र में जातियों के बीच खाई पैदा करने का आरोप लगाया। पूर्व मुख्यमंत्री ने मांग की कि केंद्र अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के हितों को नुकसान पहुंचाए बगैर मराठा और अन्य समुदायों के लिए आरक्षण की सुविधा के लिए संसद में कानून पारित कर 50 फीसदी आरक्षण की सीमा बढ़ाए। उन्होंने कहा कि कई योजनाएं शुरू की जा रही हैं। यह चुनाव से पहले महिला मतदाताओं को लुभाने की चाल है। ये योजनाएं केवल दो-तीन महीने के लिए हैं। उनकी (सत्तारूढ़ गठबंधन) सरकार वापस नहीं आएगी और अगर यह वापस भी आती है तो उसके बाद सभी योजनाओं को बंद कर दिया जाएगा। पिछले हफ्ते विधानसभा में पेश बजट में उप मुख्यमंत्री अजित पवार ने राज्य के चुनाव से पहले रियायतों की एलान किया। विधानसभा चुनाव अक्तूबर-नवंबर में होने की संभावना है।

पवार ने मुख्यमंत्री अन्नपूर्णा योजना (महिलाओं को तीन मुफ्त सिलेंडर देने के मकसद से), मुख्यमंत्री युवा कार्यशिक्षा योजना, मुख्यमंत्री कृषि पंप योजना के साथ-साथ मुख्यमंत्री माझी लडकी बहन योजना (जिसमें 21-60 आयु वर्ग की पात्र महिलाओं को 1500 रुपय का मासिक भत्ता मिलेगा) और महिलाओं को मुफ्त शिक्षा प्रदान करने की योजना की घोषणा की।

ठाकरे ने कहा, योजनाओं का एलान किया जा रहा है, लेकिन जब उनके क्रियान्वयन की बात आती है तो सूखा पड़ जाता है। सरकार इन योजनाओं से अपने पापों को छिपाने की कोशिश कर रही है।

महुआ मोइत्रा के खिलाफ नए क्रिमिनल कानूनों के तहत एफआईआर

दिल्ली। तृणमूल कांग्रेस सांसद महुआ मोइत्रा के खिलाफ दिल्ली पुलिस ने एफआईआर दर्ज की है। महुआ पर आरोप है कि उन्होंने सोशल मीडिया पर राष्ट्रीय महिला आयोग की प्रमुख रेखा शर्मा के खिलाफ अभद्र टिप्पणी की थी।

इस टिप्पणी को लेकर रेखा शर्मा ने शिकायत दर्ज कराई थी। इस शिकायत के आधार पर रविवार 7 जुलाई को दिल्ली पुलिस के स्पेशल सेल ने नए क्रिमिनल कानूनों के सेक्शन 79 (शब्दों, इशारों या हरकतों से महिला की अस्मिता का अपमान करना) के तहत एफआईआर दर्ज की। गुरुवार (4 जुलाई) को रेखा शर्मा हाथरस में हुई भगदड़ में घायल महिलाओं से मिलने पहुंची थीं। इस मुलाकात का एक वीडियो सामने आया था, जिसमें एक व्यक्ति छतरी लेकर रेखा शर्मा के पीछे चल रहा था। इसे लेकर महुआ मोइत्रा ने कहा कि रेखा अपने बॉस का पायजामा पकड़ने में व्यस्त हैं। हालांकि, बाद में महुआ ने पोस्ट डिलीट कर दिया। इस पोस्ट को लेकर एनसीडब्ल्यू ने एक्स पर लिखा- 'टीएमसी सांसद ने जो लिखा, वह किसी महिला के सम्मान का उल्लंघन है। हम इसकी निंदा करते हैं और महुआ मोइत्रा पर सख्त कार्रवाई की मांग करते हैं।

जम्मू-कश्मीर के कुलगाम में 6 आतंकी ढेर, 2 जवान शहीद

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के कुलगाम में रविवार (6 जुलाई) को लगातार दूसरे दिन मुठभेड़ जारी है। मुदरघम और चिन्निगम फ्रिसल में अबतक 6 आतंकी मारे गए हैं। दो जवान शहीद हुए हैं। मुदरघम में एक-दो आतंकियों और चिन्निगम फ्रिसल में एक और आतंकी के छिपे होने की संभावना है। मुदरघम में आज सुबह दो आतंकी मारे गए हैं। यहां शनिवार (6 जुलाई) को एक आतंकी मारा गया था। एक जवान शहीद हो गया था। कुलगाम के चिन्निगम फ्रिसल में कल चार आतंकी मारे गए। एक जवान शहीद हुआ था। जम्मू-कश्मीर के डीजीपी आरआर स्वैन ने बताया कि दोनों जगहों पर मुठभेड़ जारी है। हमें स्थानीय आतंकियों के भी शामिल होने की खबर मिली है।

लोगों का उत्साह और शानदार काम भारत को बनाएगा विकसित राष्ट्र : मोदी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा है कि विभिन्न क्षेत्रों में भारतीयों का शानदार काम और लोगों का उत्साह भारत को विकसित राष्ट्र बनाने की सबसे बड़ी ताकत है। नजैन इंटरनेशनल ट्रेड ऑर्गनाइजेशन को उसके इनक्यूबेशन इनोवेशन फंड के सातवें स्थापना दिवस पर लिखित संदेश में मोदी ने ये बात कही। उन्होंने लिखा कि भारत के लिए दुनिया भर में जिस तरह का आशावाद और भरोसा देखा जा रहा है, वह देश की ताकत का प्रतिबिंब है। प्रधानमंत्री ने कहा, भारत अपार संभावनाओं वाला देश है। विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट काम करने वाले हमारे देशवासियों की भागीदारी और देश को विकसित करने का उनका उत्साह हमारी सबसे बड़ी ताकत है। प्रधानमंत्री ने प्रौद्योगिकी के उपयोग पर ध्यान केंद्रित करते हुए साल 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने का लक्ष्य रखा है। पत्र के अनुसार, प्रधानमंत्री ने जेआईटीओ के माध्यम से शिक्षा, स्वास्थ्य और अन्य क्षेत्रों में किए गए जैन समुदाय के कार्यों और प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा कि विदेशी उत्पादों पर निर्भरता कम करना और स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा देना उनकी उल्लेखनीय उपलब्धियों में से एक है। पीएम मोदी ने कहा, आज का आशावाद और हमारी क्षमताओं में अटूट विश्वास अंतरिक्ष विज्ञान, रक्षा और व्यापार सहित सभी क्षेत्रों तक फैला हुआ है।

जेआईटीओ जैसे संगठनों ने पिछले एक दशक में इन उपलब्धियों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है, जो एक आत्मनिर्भर भारत के दृष्टिकोण में योगदान दे रहा है।

भारतीय सेना की ताकत बढ़ायेगा टैंक जोरावर

नई दिल्ली

भारतीय सेना के पास जल्द ही लाइट वेट (हल्के वजन वाला) टैंक जोरावर होगा। दरअसल, शनिवार को डीआरडीओ ने गुजरात के हजीरा में अपने हल्के युद्धक टैंक जोरावर एलटी की झलक दिखाई। डीआरडीओ ने इस टैंक को लार्सन एंड टूब्रो के साथ मिलकर तैयार किया है। इस टैंक को रिकॉर्ड दो सालों में तैयार किया गया है।

साल 2020 में चीन के साथ गलवान में हुई खूनी भिड़ंत के बाद भारतीय सेना को ऊंचे पहाड़ी इलाकों के लिए लाइट टैंक की जरूरत थी। उस समय चीन ने अपने कब्जे वाले तिब्बत से सटे लद्दाख बॉर्डर पर टी-15 लाइट टैंक तैनात कर दिए थे। इसके बाद भारत को भी ऐसे हल्के टैंक चाहिए थे, लेकिन भारत को टी-72 जैसे भारी टैंक तैनात करने पड़े थे। भारतीय सेना ने करीब 200 टैंकों को हवाई मार्ग से लद्दाख पहुंचाया था।

अभी हाल में पूर्वी लद्दाख के दौलत बेग ओल्डी में सासेर ब्रांगसा इलाके में नदी में टैंक अभ्यास के दौरान रूसी टी-72 टैंक रात में नदी पार कर रहा था। श्योक नदी में अचानक जलस्तर बढ़ गया, जिसके कारण टैंक फंस गया, जिसमें जेसीओ समेत पांच जवान शहीद हो गए थे। ऐसे में सेना को जल्द से जल्द हल्के टैंक की जरूरत थी। जोरावर अपने हल्के वजन और एंफीबियस क्षमताओं के चलते यह टैंक भारी वजन वाले टी-72 और टी-90 टैंकों की तुलना में अधिक आसानी से पहाड़ों की खड़ी चढ़ाई, नदियों और नालों को पार कर सकता है।

जोरावर हल्के वजन वाला टैंक है, जिसे भारतीय सेना को लद्दाख जैसे हाई एल्टीट्यूड इलाकों में बेहतर क्षमता प्रदान करने के लिए डिजाइन किया गया है। इसका वजन सिर्फ 25 टन है, जो टी-90 जैसे भारी टैंकों के वजन का आधा है, जिससे यह मुश्किल पहाड़ी इलाकों में काम कर सकता है, जहां बड़े टैंक नहीं पहुंच सकते। इसका नाम 19वीं सदी के डोगरा जनरल जोरावर सिंह के नाम पर रखा गया है, जिन्होंने लद्दाख और पश्चिमी तिब्बत में सैन्य अभियानों का नेतृत्व किया था। जोरावर को हल्का, चलने में आसान और हवा से परिवहन योग्य बनाया गया है, जबकि इसमें पर्याप्त मारक क्षमता, सुरक्षा, निगरानी और संचार क्षमताएं भी हैं।

जोरावर में 105 मिमी या उससे अधिक कैलिबर की गन लगी है, जिससे एंटी-टैंक गाइडेड मिसाइल दागीं जा सकती हैं। इसमें मॉड्यूलर एक्सप्लोसिव रिएक्टिव आर्मर और एक एक्टिव प्रोटेक्शन सिस्टम लगा है, जो इसे हमलों से सुरक्षित रखता है। बेहतर मोबिलिटी के लिए इसमें कम से कम 30 एचपी/टन का पावर-टू-वेट रखा गया है। इसके अलावा, इसमें ड्रोन लगाए गए हैं, साथ ही बैटल मैनेजमेंट सिस्टम भी लगाया गया है।

भारतीय सेना ने शुरुआत में केवल 59 जोरावर टैंकों का ऑर्डर दिया है। बाद में 295 अतिरिक्त टैंक खरीदे जाएंगे। जोरावर चीन के मौजूदा हल्के पहाड़ी टैंकों, जैसे जेडटीक्यू टाइप-15 का मुकाबला करेगा।

केन बेतवा लिंक परियोजना का बांध ग्राम ढोढन में बनेगा, जल्द होगा शिलान्यास

पन्ना

भारत की पहली नदी जोड़ो परियोजना, केन बेतवा लिंक परियोजना का जल्द शिलान्यास होने वाला है ज्ञात हो कि केन बेतवा लिंक परियोजना में ग्राम दोधन में बांध बनाया जा रहा है। जिसमें लगभग 2853 एमसीएम पानी जमा होगा, ढोढन डैम की ऊंचाई 293 मी एवं लंबाई 2002 मीटर होगी तथा उक्त बांध 3400 करोड़ में बनकर तैयार होगा ढोढन डैम केन बेतवा लिंक परियोजना प्राधिकरण के सहायक अभियंता ललित कुमार ने जानकारी देते हुए बताया कि केन नदी पर बनने वाला विशाल बांध जिसका टेंडर बहुत जल्द होने वाला है और जिसकी लागत लगभग 3400 करोड रुपए बताई जा रही है ढोढन डैम के जल भराव के कारण भरकुआं, ढोढन, खरियानी, कुपी, मैनारी, पलकोंहा, शाहपुरा, सुकवाहा, पाठापुर, नैगुवां, डुंगरिया, कदवारा, घुघरी बसुधा

ग्राम विस्थापित होंगे। ढोढन डैम भारत सरकार जल शक्ति मंत्रालय के द्वारा बनाए जा रहे ढोढन डैम छतरपुर एवं पन्ना जिले की सीमा पर बनाया जा रहा है। यह बंद मिट्टी कंक्रीट एवं रॉकफिल से बनाया जाएगा ढोढन डैम में खुली कैनाल की लंबाई 218 किलोमीटर होगी इस बांध के बन जाने के बाद उत्तर प्रदेश एवं मध्य प्रदेश की लगभग 10 लाख 62000 हेक्टेयर जमीन सिंचित होगी एवं ढोढन डैम लगभग 62 लाख लोगों की पेयजल पूर्ति करेगा इस बांध के निर्माण हो जाने पर छतरपुर टीकमगढ़ पन्ना दमोह विदिशा सागर शिवपुरी दतिया एवं रायसेन जिले लाभान्वित होंगे और उत्तर प्रदेश के जिले महोबा बांदा झांसी एवं ललितपुर तक ढोढन डैम का पानी जाएगा, और इस परियोजना की लागत लगभग 44605 करोड रुपए बताई जा रही है ढोढन डैम बन जाने के बाद 78 मेगावाट बिजली उत्पन्न करेगा। उक्त बांध का शिलान्यास प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जल्द करेंगे ज्ञात हो कि केन बेतवा लिंक परियोजना भारत की सबसे बड़ी और पहली नदी जोड़ो परियोजना है जो पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेई के द्वारा इसकी आधारशिला रखी गई थी। उक्त परियोजना में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की काफी रुचि ले रहे है मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव द्वारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से प्रत्यक्ष मुलाकात की गई एवं परियोजना की शिलान्यास के लिए निमंत्रण दिया गया है।

सूत्र बता रहे हैं कि लगभग सैद्धांतिक अनुमति मिल चुकी है तथा शिलान्यास का समय तय किया जाना है। क्षेत्रीय सांसद विष्णु दत्त शर्मा ने भी बताया था कि जल्द ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी केन बेतवा लिंक परियोजना का शिलान्यास करने पन्ना आ रहे हैं। उक्त परियोजना से पन्ना जिले को क्या होगा नुकसान:-एक तरफ तो इस परियोजना की जहां चारों तरफ तारीफ हो रही है और इस परियोजना के बारे में कहा जा रहा है कि यह परियोजना मील का पत्थर साबित होगी पर इसका दूसरा भी पक्ष है जानकार सूत्र बताते हैं कि परियोजना के बन जाने के बाद पन्ना टाइगर रिजर्व का कोर एरिया का 25 प्रतिशत हिस्सा प्रभावित हो रहा है। जिसमें पन्ना टाइगर रिजर्व में विचरण कर रहे लाखों वन्य प्राणी प्रभावित होंगे और बढ़ते बाघों के कुनबे पर भी असर पड़ेगा, एवं उक्त परियोजना में पन्ना टाइगर रिजर्व के लगभग 21 लाख पेड़ों को काटा जाएगा क्षेत्रफल की दृष्टि से यह परियोजना का 75 प्रतिशत हिस्सा पन्ना जिले का होगा पर इसका लाभ पन्ना जिले को उक्त प्रतिशत के हिसाब से नही मिल पायेगा। शुरूआती दौर मे स्थानीय जन प्रतिनिधियों तथा पर्यावरण एवं अन्य जानकारो ने विरोध भी जताया था। लेकिन सरकार पर इसका कोई असर नही पड़ा है।

भरी बरसात में डाली जा रही पाईप लाईन से आम लोग परेशान

मामले को लेकर कांग्रेस पार्षदो ने कलेक्टर को सौपा ज्ञापन

पन्ना। पन्ना नगर पालिका द्वारा अम्रत टू योजना को लेकर भरी वर्षात मे फिर से नगर मे तीसरी बार सीसी सडके खोदकर पाईप लाईन डाली जा रही है। जिससे आम लोग भारी परेशान हो रहें है। ज्ञात हो कि पूर्व में दो बार नगर में पाईप लाईन डल चुकी है, उसके बावजूद अनेक स्थानो को छोड दिया गया था। क्येकि पूर्व के ठेकेदारो ने 45 किलो मीटर पाईप लाईन डालने की योजना तैयार की थी। लेकिन निर्धारित किलो मीटर में पाईप लाईन न डालकर मनमाने ढंग से काम पूरा दिखाकर राशि निकालकर फर्जीवाडा किया गया। अब फिर से नगर में अधूरी लाईन को पूरा करने की योजना तैयार की गई है। जिसमें करोड़ो रूपये खर्च किये जायेगें। पहली बार भार्गव कम्पनी जबलपुर के द्वारा पाईप लाईन डाली गई थी, तथा दूसरी बार पंकज तिवारी जतारा द्वारा 43 किलो मीटर लाईन डाली गई थी।

अब तीसरी बार नगर की सडको को खोदकर भरी वर्षात मे लाईन डाली जा रही है। जिससे एक तरफ सीसी सडक खुदने से लोगो का चलना मुश्किल हो रहा है तथा घरो मे पानी भर रहा है, एवं पूर्व की सप्लाई लाईन नष्ट हो रही है। आम लोगो का निकलना भी मुश्किल हो रहा है। उक्त मामले को लेकर नगर पालिका के पार्षद दल के नेता रेहान मोहम्मद एवं वैभव थापक ने कलेक्टर को ज्ञापन सौपकर अव्यवस्थित तरीके से डाली जा रही लाईन के संबंध में कार्यवाही करने की मांग की है तथा पूर्व में डाली गई लाईन की भी जांच कराये जाने की मांग की है।

सेवानिवृत्त शल्य विशेषज्ञ डॉक्टर एच.एन. शर्मा ने मरीज की जांघ का किया सफल आपरेशन

पॉच सौ ग्राम वजन का निकाला ट्यूमर

पन्ना। डॉक्टरों को दुनिया में भगवान का दूसरा रूप माना जाता है। यह कहावत सेवा निवृत्त शल्य विशेषज्ञ डॉक्टर एच.एन. शर्मा के द्वारा साबित की गई है। उन्होने तीन वर्ष से परेशान एक मरीज की जांघ का आपरेशन करते हुए पांच सौ ग्राम का ट्यूमर निकालकर नया जीवन दिया है। ज्ञात हो कि डॉक्टर एच, एन शर्मा के द्वारा प्राइवेट प्रैक्टिस करते है तथा नर्सिंग होम का संचालन करते है। उनके नर्सिंग होम मे पन्ना जिले के कुल्हुआ बराछ ग्राम निवासी बृजेश कुमार राय जो कुछ सालों से जांघ में ट्यूमर (माँस की गाँठ) होने से लगातार परेशान थे तथा वह नर्सिंग होम मे भर्ती हुए थें। जिसे डॉक्टर शर्मा ने सूझ बूझ के साथ सफल ऑपरेशन करते हुए ट्यूमर को निकाल दिया है।

कियोस्क संचालक एसबीआई के द्वारा गरीब महिला के साथ की गई धोखाधड़ी, हडपें पन्द्रह हजार रूपये

पुलिस मे शिकायत करने के बाद पैसे किये वापस

पन्ना। जिले मे विभिन्न बैंक शाखाओं द्वारा आम ग्राहको की सुविधाओ के लिए कियोस्क सेंटर संचालित कराये जा रहें है। लेकिन अनेक कियोस्क सेंटर संचालको द्वारा व्याप्क स्तर पर उपभोक्ताओ के साथ धोखाधडी एवं फर्जीवाडा किया जा रहा है। जहां एक ओर सेवाओं के नाम पर मनमानी राशि वसूली जा रही है। वहीं दूसरी ओर सीधे साधे लोगो के साथ राशि निकालने मे भी फर्जीवाडा तथा धोखाधडी की जा रही है। इसी प्रकार का मामला सलेहा थाना अन्तर्गत मुख्यालय का प्रकाश मे आया है। जहां पर स्टेट बैंक के माध्यम से जहिरनाथ

कियोस्क सेंटर संचालित है। उक्त क्यिस्क बैंक के संचालक अनुराग तिवारी द्वारा एक गरीब बृद्ध महिला से पैसा निकालने को लेकर धोखाधडी की गई। पीडित महिला सीताबाई कोल ग्राम मंटोला द्वारा पुलिस थाना सलेहा मे आवेदन देते हुए बताया कि मेरे द्वारा कियोस्क सेंटर से आठ हजार रूपये की राशि निकाली गई थी। उसके बाद मे अपने घर चली गई। दूसरे दिन जब फिर से पैसा निकालने आई तो खाता में राशि ही नही थी। जबकी मेरे खाता मे 23 हजार रूपये बैलेंस के रूप मे मौजूद थें जिसमें मात्र आठ हजार रूपये की राशि ही निकाली गई थी। पीडिता ने मामले की शिकायत बैंक शाखा मे की गई तो बैंक शाखा द्वारा स्टेटमेंट के माध्यम से देखा गया कि एक दिन मे ही 23 हजार की राशि निकाली गई है। जिसकी लिखिल शिकायत महिला द्वारा थाना मे दी गई। सलेहा पुलिस द्वारा संबंधित क्यिस्क संचालक से पूंछ तांछ की गई तो उसने अपना जुर्म कबूल करते हुए संबंधित महिला की पन्द्रह हजार की राशि उसको दे दी। उसके बाद पुलिस ने आरोपी के खिलाफ कोई मामला दर्ज नही किया है। फिलहाल इस प्रकार आये दिन शिकायते सामने आ रही है। इन्ही कियोस्क सेंटरो से वन विभाग तथा ग्रामिण विकास के मनरेगा की राशि निकालकर फर्जीवाडा चल रहा है।

भीषण सड़क हादसा मे दो युवको की दर्दनाक मौत, गांव मे पसरा मातम

पन्ना। जिले के अमानगंज थाना अन्तर्गत ग्राम हनुमतपुरा के दो होनहार युवको की सडक दुर्घटना मे दु:खद मौत हो गई। उक्त घटना से गांव मे मातम का माहोल पसरा हुआ है। जानकारी के अनुसार ग्राम हनुमतपुरा निवासी संदीप पटेल तथा दिनेश पटेल अमानगंज बाजार करने गये हुए थें तथा वापिस मोटर साईकिल से गांव आ रहे थें। रास्ते मे पन्ना अमानगंज रोड द्वारी पेट्रोल पंप के समीप अज्ञात वाहन द्वारा जोरदार टक्कर मारकर वाहन फरार हो गया। दोनो युवक सडक पर तडपते रहें, इसके बाद राहगीरो द्वारा एम्बूलेंस व डायल हन्ड्रेड को सूचना दी गई तथा मोबाईल मे नम्बरो के आधार पर परिजनो को अवगत कराया गया तत्काल उन्हे उपचार के लिए स्वास्थ केन्द्र अमानगंज पंहुचाया गया। ईलाज के दौरान दोनो की मृत्यु हो गई। उक्त घटना से गांव मे मातम का माहोल छाया हुआ है। गौरतलब है कि पन्ना अमानगंज रोड में आये दिन सडक दुर्घटनाए हो रही है।

श्री चित्रगुप्त मंदिर प्रांगण में नौ जुलाई को स्वास्थ्य शिविर का आयेजन

पन्ना। श्री चित्रगुप्त मंदिर समिति द्वारा आगामी 9 जुलाई को आयुष स्वास्थ शिविर का आयोजन किया जा रहा है। जिसका उद्देश्य आम सभी लोगो का चिकित्सा उपचार किया जा सकें तथा उन्हे स्वास्थ लाभ मिल सकें। उक्त संबंध में समिति के उपाध्यक्ष धीरेन्द्र खरे ने बताया कि भगवान श्री चित्रगुप्त जी मंदिर प्रांगण में 9 जुलाई 2024 को दोपहर 12 बजे से शाम 4 बजे तक आयुष स्वास्थ्य शिविर आयोजित किया गया है। उक्त शिविर में डॉ आर. के. वर्मा, डॉ प्रदीप कुमार खरे, डॉ ओम प्रकाश सिंगरोल, डॉ जगदीश कुमार खरे, डॉ ए.के. सोनी, डॉ डी. सी. श्रीवास्तव एवं आयुष कम्पाउन्डर, महिला स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं की पुरी टीम उपस्थित रहेगी।

गृह कलह के चलते खाया जहर

मां की मौत, बेटे का रीवा मेडिकल कालेज मे चल रहा ईलाज

पन्ना। जिले कें धरमपुर थाना अन्तर्गत दानी के पुरवा में ग्रह कलह के चलते मॉ तथा बेटे ने जहरीले पदार्थ का सेवन कर लिया। जिसमें मॉ की मौत अजयगढ स्वास्थ केन्द्र मे ईलाज के दौरान हो गई। वहीं बेटे की हालत खराब है, जिसे ईलाज कराने के लिए रीवा मेडिकल कालेज जिला अस्पताल द्वारा रेफर कर दिया गया है। जानकारी के अनुसार मॉ सुशीला बाई लोधी तथा पुत्र अनूप लोधी घर मे रहते थें लेकिन बेटा नशीला होने के चलते आये दिन विवाद करता था। जिससे मॉ काफी परेशान रहती थी। इसी के चलते दोनो मे विवाद हुआ विवाद के दौरान मॉ ने जहरीले पदार्थ का सेवन कर लिया उसके बाद बेटा अनूप ने भी जहर का सेवन कर लिया। जिससे दोनो की हालत

खराब हो गई तथा दोनो को स्वास्थ केन्द्र अजयगढ लाया गया। जहां पर मॉ की मौत हो गई तथा पुत्र अनूप का ईलाज रीवा मेडिकल कालेज मे चल रहा है। बताया जाता है कि अनूप के पिता विष्णू लोधी शिक्षक थे। जिनकी मृत्यु सेवा के दौरान हो गई थी तथा पुत्र अनूप को अनुकंपा नियुक्ती मिली थी तथा वह स्कूल मे चपरासी के पद पर पदस्थ था। फिलहाल अनूप का ईलाज रीवा मेडिकल कालेज मे चल रहा है।

नगर पालिका परिषद ने सफाई मित्रों का प्रशिक्षण कराया

पन्ना। नगर पालिका परिषद पन्ना द्वारा स्वच्छता सर्वेक्षण 2024 की तैयारियों हेतु विशेष कार्यक्रम आयोजित किये जा रहे हैं। दिनांक 05/07/2024 को नगर पालिका परिषद कार्यालय में सफाई मित्रो का प्रशिक्षण आयोजित किया गया। प्रशिक्षण के दौरान होम कम्पोस्टिंग के संबंध में बताया गया। सफाई मित्रों को होम कम्पोस्टिंग समझाने का उद्देश्य यह था कि वे अपने वार्ड में अन्य लोगों को जाकर यह होम कम्पोस्टिंग विधि समझायें। अन्य कार्यक्रमों की तरह ही अपशिष्ट के प्रकार, स्रोत प्रथक्कीकरण, 3 और सिद्धांत जैसे विषयों पर चर्चा करते हुए होम कम्पोस्टिंग पर पहुंचा। होम कम्पोस्टिंग से लाभ यह है कि इससे गीले कचरे का प्रसंस्करण घर में ही होगा। इससे खाद तैयार कर पौधों को दिया जायेगा। सम्पूर्ण

कार्यक्रम जीरो वेस्ट कार्यक्रम था जिसमें चाय, पानी हेतु स्टील की गिलास एवं मगोड़े नाश्ते हेतु स्टील की कटोरी का प्रयोग किया गया। जिससे कचरा न फैले, कार्यक्रम अध्यक्ष श्रीमती मीना पाण्डेय एवं मुख्य नगर पालिका अधिकारी शशीकपूर गढ़पाले के निर्देशन में संपन्न हुआ। इस दौरान निकाये के उपयंत्री एवं नोडल अधिकारी (स्व.भा.मि.) अजीत सिंह धुर्वे, साहस संस्था से योगेश शुक्ला, रवि बाल्मीक, सलमान खान, आनंद बाल्मीक, मक़सूद, अंजनी भार्गव, देवेंद्र प्रजापति, सुरेंद्र सिंह, अमर सिंह, भरत बाल्मीक, राकेश बाल्मीक, प्रताप सिंह, अशोक वंशकार मौजूद रहे।

छत्रसाल महाविद्यालय में किया गया वृक्षारोपण

पन्ना। नगर के अग्रणी छत्रसाल महाविद्यालय में वृक्षा रोपण किया गया। इस दौरान छत्रसाल महाविद्यालय जनभागीदारी समिति के अध्यक्ष राजेश गौतम ने कहा कि

प्रधानमंत्री द्वारा पूरे देश मे एक वृक्ष मॉ के नाम से वृक्षा रोपण योजना के संबंध में लोगो से वृक्ष लगाने का आवाहन किया है। इसी कड़ी में छत्रसाल महाविद्यालय में भी वृक्षा रोपण किया गया। तथा उन्होने कहा कि सभी लोग वृक्षा रोपण करें। क्योकि वृक्षो से ही हमारा जीवन संभव है। वृक्ष हमें हवा, पानी, भोजन सभी देते है। इस लिए हमारा भी कत्वर्य है कि अधिक से अधिक वृक्ष लगाये। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य एस.एस. परमार, श्रीमती उषा त्रिपाठी, प्रोफेसर सीएम अग्रवाल, पीपी मिश्रा सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

कट्टा अड़ाकर सीधी के दम्पत्ति से लूट का खुलासा

रीवा के 3 बदमाश गिरफ्तार, आभूषण और बाइक समेत 1.76 लाख का सामान बरामद

सतना। रामनगर पुलिस ने सीधी के दम्पत्ति से लूट करने वाले रीवा के तीन बदमाशों को गिरफ्तार कर सलाखों के पीछे पहुंचा दिया है। आरोपियों के कब्जे से कट्टा, चाकू, बाइक और मंगलसूत्र भी जब्त किया गया है। टीआई टीकाराम कुर्मी ने बताया कि बीते 27 जून को प्रदीप साकेत, निवासी बरदैला, थाना रामपुर नैकिन, जिला सीधी, अपनी पत्नी गुडिया साकेत के साथ गोरहाई से वापस जा रहा था। तकरीबन साढ़े 4 बजे जब पति-पत्नी झोंपा के पास पहुंचे, तभी बाइक पर आए तीन बदमाशों ने ओवरटेक कर रास्ता रोक लिया और कट्टा व चाकू दिखाकर महिला के गले से मंगलसूत्र और युवक से 6 सौ रुपए छीनकर भाग गए। इस घटना की शिकायत मिलते ही अपराध दर्ज कर जांच-पड़ताल शुरू की गई। लगभग 10

दिन तक चली खोजबीन में दर्जनों सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगालने के बाद मुखबिर से मिली सूचना पर सुखबीर उर्फ लक्खा पुत्र रामनाथ प्रजापति 23 वर्ष, निवासी निपनिया, थाना सिटी कोतवाली, समीर उर्फ छोटा उर्फ छोटू पुत्र बाबूलाल साकेत 24 वर्ष, निवासी जिउला, थाना समान और श्रीनिवास उर्फ विकास काला उर्फ विकास कुशवाहा पुत्र भारत कुशवाहा 22 वर्ष, निवासी करौंदी, थाना गुढ़, जिला रीवा को पकड़ लिया गया। पूछताछ में आरोपियों ने जुर्म कबूल करते हुए 21 हजार कीमत के लूटे गए मंगलसूत्र के चार लॉकेट, 6 सौ रुपए नकदी, वारदात में प्रयुक्त डेढ़ लाख की बाइक और 55 सौ रुपए के कट्टा व चाकू बरामद करा दिया। आरोपियों को शनिवार दोपहर कोर्ट में पेश कर रिमांड मंजूर कराई गई है।

आकांक्षी विकासखण्ड के 6 मानकों में 15 अगस्त तक संपूर्णता सुनिश्चित करें : सीईओ

अजयगढ़ में संपूर्णता अभियान का शुभारंभ

पन्ना। भारत सरकार के नीति आयोग द्वारा देश भर में पाँच सौ विकासखण्डों को आकांक्षी विकासखण्ड योजना में शामिल किया गया है। इसमें पन्ना जिले का अजयगढ़ विकासखण्ड भी शामिल है। विभिन्न मानकों के आधार पर अन्य ब्लॉक की तुलना में पिछड़े इन आकांक्षी विकासखण्डों में निर्धारित सूचकांकों में अपेक्षित प्रगति के लिए 7 जनवरी 2023 को आकांक्षी विकासखण्ड कार्यक्रम शुरू किया गया है। इन विकासखण्ड में आगामी 30 सितम्बर तक संपूर्णता अभियान चलाकर निर्धारित 6 सूचकांकों में नियत लक्ष्य की शत-प्रतिशत पूर्ति की जाना है। जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी एवं नोडल अधिकारी संघ प्रिय ने यह बात शनिवार को अजयगढ़ में संपूर्णता अभियान के शुभारंभ

अवसर पर कही। जिपं सीईओ ने कहा कि निर्धारित विभागों के 39 संकेतकों में सुधार के लिए आवश्यक कार्यवाही की जाएगी, जिसके तहत आगामी 15 अगस्त तक कम चुनौतीपूर्ण 6 संकेतकों में शत प्रतिशत सेचुरेशन के लिए कार्ययोजना तैयार की गई है। स्वतंत्रता दिवस पर ग्राम पंचायतों में आयोजित ग्रामसभा के दौरान शत प्रतिशत लक्ष्य की उपलब्धि का संकल्प पारित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि आकांक्षी विकासखण्डों की गतिविधियों की नीति आयोग द्वारा नियमित मॉनीटरिंग की जा रही है।

उन्होंने संबंधित विभाग के अधिकारी-कर्मचारियों से गंभीरतापूर्वक आवश्यक कार्यवाही के लिए सामूहिक प्रयास का आह्वान करते हुए कहा कि आकांक्षी विकासखण्ड में शिशुओं तथा गर्भवती महिलाओं की देखभाल, पूरक पोषण आहार के वितरण तथा संपूर्ण टीकाकरण का लक्ष्य शत-प्रतिशत प्राप्त करें। शिविर में महिलाओं एवं शिशुओं के स्वास्थ्य जाँच की उचित व्यवस्था करें। अभियान के दौरान संपूर्ण टीकाकरण का लक्ष्य पूरा करें। बच्चों तथा गर्भवती महिलाओं को सही समय पर टीके लगाना सुनिश्चित करें। इसका विवरण ऑनलाइन अनिवार्य रूप से दर्ज कराएं। महिला स्वसहायता समूहों को सशक्त बनाने के लिए उन्हें चिन्हित गतिविधियों में ऋण और अनुदान देने के साथ बैकवर्ड तथा फारवर्ड लिंकेज का लाभ दें। सभी स्वसहायता समूहों को रिवाल्विंग फण्ड जारी कराएं। जिला प्रबंधक आजीविका मिशन, महिला स्वसहायता समूहों की प्रगति की मॉनीटरिंग कर हर सप्ताह रिपोर्ट प्रस्तुत करें। लगातार प्रयास करने पर ही स्वसहायता समूहों का सशक्तिकरण होगा। इसी तरह जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास गर्भवती महिलाओं का शत-प्रतिशत पंजीयन कराकर पूरक पोषण आहार का वितरण कराएं। शिशुओं के टीकाकरण तथा पोषण आहार वितरण की भी समुचित व्यवस्था करें। इसमें लापरवाही बरतने वाले के विरूद्ध कड़ी कार्यवाही करें।

किसान धान की नर्सरी डालने के पूर्व बीजों का शोधन अवश्य करें: उप संचालक कृषि

सीधी। खरीफ सीजन की प्रमुख फसलों में शामिल धान की नर्सरी डालने के पहले अगर सही तरीके से बीजों का शोधन कर लिया जायें, तो फसल रोपाई के बाद धान की फसल को रोग से बचाया जा सकता है। तत्सम्बन्ध में उप संचालक कृषि सीधी द्वारा बताया गया कि धान की फसल को सबसे ज्यादा जिस रोग से नुकसान पहुंचता है, वह है कंडुआ रोग। अगर यह रोग फसल में लग जाए, तो धान की पूरी फसल को बर्बाद कर देता है, साथ ही अगल-बगल की फसल को भी अपनी चपेट में ले लेता है, इसलिए किसानों को धान की फसल को कंडुआ रोग से बचाने के लिए बीजों का शोधन जरूर करना चाहिए। धान की फसल में लगने वाला कंडुआ रोग फफूंद जनित है, जिससे 60 से 90 फीसदी तक फसल प्रभावित हो जाती है। यह सामान्यत: तापमान अधिक होने एवं हवा में आर्द्रता अधिक होने के चलते तेजी से फैलता है। धान में यूरिया का ज्यादा प्रयोग भी इस रोग को बढ़ाता है। यह रोग प्राथमिक तौर पर बीज से शुरू होता है, इसलिए बीज शोधन अत्यंत जरूरी है। धान बीज शोधन के लिए 25 किलोग्राम बीज के लिए सबसे पहले 4 ग्राम स्ट्रेप्टोसाइक्लीन दवा को 40 से 45 लीटर पानी में घोल लेते हैं, फिर इसमें 16 से 18 घंटे तक धान बीज को भिगो कर निकालने के बाद छान कर छाया में सुखाते हैं, इस के बाद 60 ग्राम कार्वेन्डाजिम धान में मिला कर जूट की बोरियों को भिगो कर ढक देते हैं। 15 से 18 घंटे बाद जब बीज में सफेद अंकुरण दिखाई देने लगे, तो नर्सरी डालने के बाद रोग का खतरा कम हो जाता है। इसके अलावा धान में जैव उर्वरकों एवं नैनो डीएपी का भी उपयोग करके फसल को रोग एवं कीटब्याधित से बचाया जा सकता है। जैविक उर्वरक के रूप में एजोस्प्रिलियम या एजेटोवेक्टर एवं पीएसबी जीवाणुओं की 5 किग्रा को 50 किग्रा. प्रति हेक्टेयर सूखी सड़ी हुई गोवर की खाद में मिलाकर खेत में मिला दे इसके पश्चात् धान के रोपित खेत में (20 दिन रोपाई उपरान्त) 15 किग्रा. प्रति हेक्टेयर नीलहरित काई का भुरकाव 3 से.मी. पानी की तह रखते हुये करें। इसी प्रकार नैनो डीएपी तरल का बीजोपचार हेतु 5 मि.ली. प्रति किग्रा. की दर से करें एवं उपचारित बीजों को 20-30 मिनट तक छांव में सुखाने के उपरान्त ही बोवाई करें। उप संचालक कृषि द्वारा किसान भाइयों से अपील की गई है कि उपरोक्त सुझाव पर अमल करते हुये धान की फसलों को रोगो से बचायें।

मुख्यमंत्री उद्यम क्रांति योजना का लाभ लेने ऑनलाइन करें आवेदन

सीधी। महाप्रबंधक जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र सीधी ने जानकारी देकर बताया है कि उद्योग संचालनालय म.प्र. भोपाल के पत्र दिनांक 19.06.2024 के अनुसार मुख्यमंत्री उद्यम क्रांति योजनांतर्गत वित्तीय वर्ष 2024-25 हेतु सीधी जिले के लिए शासन द्वारा भौतिक लक्ष्य निर्धारित किये गये हैं। जिले के मान्य सभी बैंक शाखाओं को शाखावार मुख्यमंत्री उद्यम क्रांति योजना के लक्ष्य आवंटित कर दिए गए है।

मुख्यमंत्री उद्यम क्रांति योजनांतर्गत स्वयं का व्यवसाय/सेवा/उद्योग स्थापित करने वाले इच्छुक आवेदकों से एमपी ऑनलाइन के श्समस्तश् पोर्टल के माध्यम से ऋण आवेदन आमंत्रित किए जा रहे हैं। योजनांतर्गत 8 वीं कक्षा उत्तीर्ण, 18 वर्ष से 45 वर्ष की आयु वाले व्यक्ति व्यवसाय और सेवा क्षेत्र के लिए 50 हजार से 25 लाख रूपये तक तथा उद्योग (विनिर्माण) के लिए 50 हजार से 50 लाख रूपये तक की परियोजना लागत हेतु ऑनलाइन आवेदन समस्त पोर्टल के माध्यम से आवेदन कर सकते हैं। योजनांतर्गत ब्याज अनुदान एवं सीजीटीएमएसई अनुदान की पात्रता है।

आवेदकों से अपेक्षा है कि योजना के संबंध में विस्तृत जानकारी प्राप्त करने के लिए कार्यालय दिवस व समय में कार्यालय जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र सीधी (श्री गुलाब टावर सिंगरौली रोड, डैनिहा सीधी प्रथमतल) से सम्पर्क कर सकते हैं।

पंजीकृत निर्माण श्रमिकों के लिए दिव्यांग सहायता योजना एवं ई-स्कूटर हेतु अनुदान योजना 2024 लागू

दिव्यांग उपकरण एवं ई-स्कूटर वाहन क्रय करने पर मिलेगा अनुदान

सीधी। श्रम पदाधिकारी ने जानकारी देकर बताया है कि सहायक सचिव मध्यप्रदेश भवन एवं अन्य संन्निर्माण कर्मकार कल्याण मंडल भोपाल के पत्र दिनांक 19.06.2024 द्वारा प्रदेश के पंजीकृत निर्माण श्रमिकों के लिए दो नवीन योजनाऐं लागू की गई हैं।

उन्होंने बताया कि भवन एवं अन्य सन्निर्माण दिव्यांग सहायता योजना 2024 में पंजीकृत हिताधिकारी निर्माण श्रमिक एवं उनके पंजीयन कार्ड में सम्मिलित आश्रित परिवार के सदस्य को मोटर चलित तिपहिया साईकल एवं अन्य सभी दिव्यांग उपकरण क्रय करने पर 100 प्रतिशत राशि (अधिकतम 35 हजार रूपये) मण्डल द्वारा अनुदान के रूप में प्रदाय की जायेगी। इसी प्रकार भवन एवं अन्य सन्निर्माण ई-स्कूटर हेतु अनुदान योजना 2024 में पंजीकृत हिताधिकारी निर्माण श्रमिक ई-स्कूटर वाहन क्रय किए गये वाहन का 50 प्रतिशत राशि (अधिकतम 40 हजार रूपये) मण्डल द्वारा अनुदान के रूप में प्रदाय की जायेगी। उपरोक्त योजनाएं पंजीकृत निर्माण श्रमिकों के लिए लागू की गई है। योजना का राजपत्र में प्रकाशन राज्य शासन द्वारा दिनांक 14 जून 2024 को प्रकाशित राजपत्र में हो चुका है, तथा उक्त योजनाएं पूरे मध्यप्रदेश राज्य में राजपत्र प्रकाशन दिनांक से लागू की जा चुकी है।

उन्होंने पात्र हितग्राहियों से अपील की है कि योजना से संबंधित अधिक जानकारी के लिए अपने-अपने निकाय कार्यालय अथवा जिला श्रम कार्यालय से सम्पर्क कर प्राप्त किया जा सकेगा।

अनुसूचित जनजाति के हितग्राहियों को भगवान बिरसा मुण्डा स्वरोजगार योजना तथा टंट्या मामा आर्थिक कल्याण योजना का मिलेगा लाभ

सीधी। सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य विकास ने जानकारी देकर बताया है कि म.प्र. शासन जनजातीय कार्य विभाग द्वारा म.प्र. आदिवासी वित्त एवं विकास निगम के माध्यम से भगवान बिरसा मुण्डा स्वरोजगार योजना, टंट्या मामा आर्थिक कल्याण योजना के क्रियान्वयन के लिये प्रशासकीय स्वीकृति जारी की गई। उन्होंने बताया कि भगवान बिरसा मुण्डा स्वरोजगार योजना के लिए ऐसे अनु. जनजाति के सदस्य जिनकी उम्र 18 से 45 साल के मध्य हो, परिवार की वार्षिक आय 12 लाख रूपये से अधिक न हो तथा न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता आठवी उत्तीर्ण हो उन्हें इस योजना का लाभ प्राप्त होगा। इसी प्रकार टंट्या मामा अर्थिक कल्याण योजना के लिए ऐसे अनु. जनजाति के सदस्य जो आयकर दाता न हो, जिनकी उम्र 18 से 55 साल के मध्य हो उन्हे सभी प्रकार के स्वरोजगार गतिविधियो हेतु राशि रूपये 10 हजार से 1 लाख तक की परियोजनाओ के लिये बैंको के माध्यम से ऋण स्वीकृत किया जायेगा।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शताब्दी वर्ष के अवसर पर निकला स्वयंसेवकों का पथ संचालन

सिंगरौली। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शताब्दी वर्ष के अवसर पर एनसीएल मैदान बिलौजी में रविवार दोपहर 12 बजे 4663 स्वयंसेवकों का पथ संचलन नगर में निकला। जिसमें कई संगठनों ने जगह जगह फूलवर्षा करके उनका स्वागत किया, जिसके पश्चात शाम 4 बजे से दीपक विस्युते अखिल भारतीय सह बौद्विक प्रमुख राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का बौद्विक प्राप्त हुआ। जिसमें उनके द्वारा समाज में पंच प्रयोग समरसता, नागरिक बोध, स्वदेशी, कुटुंब प्रबोधन, प्रर्यावरण पर विशेष रूप से बेहतर प्रयास करने के लिए समाज से आग्रह किया गया। उन्होने कहा कि यदि हम संघ में आते है तो संघ भी हमारे अंदर आना चाहीए नागरिकों को अपने कर्तव्य का भान होना, अपने परिवार में संघ की बातों को ले जाना, प्रर्यावरण की दृष्टी से सिंगल यूज प्लास्टिक का प्रयोग पूर्णत: बंद करने का आग्रह किया उन्होने कहा कि पूरा विश्व दो समस्यायों से परेशान है पहला है इस्लामिक आतंकवाद और दूसरा सिंगल यूज प्लास्टिक इसके लिए उन्होने पानी के बोतल मे पन्नी को बंद करके उससे काफी हद तक इस समस्या को कम करने का उपाय बताया। इस कार्यक्रम में जिले के कुल 6 खंड देवसर, सरई, चितरंगी, बरगंवा, गोरबी, माड़ा, तथा सिंगरौली नगर के कुल 515 गांवों और 45 बस्ती से स्वयंसेवक पंहुचे थे, इसके अलावा नगर के प्रबुद्धजन और मातृशक्ति, संतजन भी इस कार्यक्रम में उपस्थित रहें।

गंगोत्री रिसार्ट में भगवान भोलेनाथ की हुई प्राण प्रतिष्ठा

पंच दिवसीय भगवान शिव की प्राण प्रतिष्ठा महा महोत्सव में उमड़े हजारों श्रद्धालु

सीधी। शहर के गंगोत्री रिसार्ट में पंच दिवसीय भगवान शिव की प्राण प्रतिष्ठा महा महोत्सव का आज समापन हो गया। महा महोत्सव के दौरान गंगोत्री रिसार्ट में भगवान भोलेनाथ की प्राण प्रतिष्ठा वैदिक मंत्रोच्चार के बीच काशी एवं प्रयाग से आये वैदिक विद्वानों ने करायी। मालूम रहे कि गंगोत्री रिसोर्ट में पंच दिवसीय भगवान शिव की प्राण प्रतिष्ठा महा महोत्सव अभियान का शुभारंभ 3 जुलाई से किया गया था। धार्मिक कार्यक्रम के प्रथम दिन गायत्री मंदिर से भव्य कलश यात्रा निकाली गई, जो विभिन्न मार्गों से होते हुये गंगोत्री रिसार्ट पहुंची। यहां पर पंचांग पूजन देव आह्वान किया गया। भगवान भोलेनाथ का जल अधिवास वैदिक मंत्रोच्चारों के बीच कराया गया। व्यवसायी सतीश गुप्ता द्वारा पंच दिवसीय धार्मिक कार्यक्रम में सपत्नी सहभागिता प्रदर्शित की गई। महा महोत्सव के दौरान अलग-अलग कार्यक्रम आयोजित होते रहे। जिसमें हजारों श्रद्धालुओं ने पूरे उत्साह के साथ भागीदारी की एवं भगवान भोलेनाथ का आशिर्वाद प्राप्त किया। उक्त धार्मिक कार्यक्रम की धूम लगातार आज पांचवे दिन तक बनी रही। आज इसका समापन हुआ। गंगोत्री रिसार्ट में पंच दिवसीय भोलेनाथ के प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम के अंतिम दिवस आज विशाल भण्डारा का आयोजन किया गया। भण्डारा में हजारों की संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लेकर प्रसाद ग्रहण किया। विशाल भण्डारा के आयोजन के लिये व्यापक इंतजाम किये गये थे, जिससे किसी भी श्रद्धालु को भण्डारा का प्रसाद ग्रहण करने में असुविधा न हो। इसके लिये आयोजकों की ओर से काफी संख्या में कार्यकर्ता तैनात किये गये थे। गंगोत्री रिसार्ट में पंच दिवसीय भगवान शिव की प्राण प्रतिष्ठा महा महोत्सव के चौथे दिवस शनिवार को बाबा का नगर भ्रमण एवं देव मिलन का कार्यक्रम आयोजित किया गया। शिवलिंग को लेकर हजारों की संख्या में श्रद्धालुओं ने नगर भ्रमण किया। इस दौरान शहर के सभी प्रसिद्ध शिव मंदिरों में जाकर देव मिलन कराया गया। नगर भ्रमण एवं देव मिलन का कार्यक्रम घंटों चलता रहा। जिसमें श्रद्धालु पूरे धार्मिक भाव के साथ शामिल रहे।

पुलिस अधीक्षक की नई पहल, अब पुलिस निपटाएगी राजस्व के प्रकरण

सिंगरौली। श्रीमती निवेदिता गुप्ता सिंगरौली के निर्देशन में एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शिव कुमार वर्मा के मार्गदर्शन में समस्त राजपत्रित अधिकारी (पुलिस), समस्त थाना-चौकी प्रभारीयो को निर्देशित किया गया है की थाना क्षेत्रो में जमीन संबंधी समस्याओ का समाधान क्षेत्र के तहसीलदार, पटवारी की सहायता से समाधान किया जाये। पुलिस अधीक्षक श्रीमती निवेदिता गुप्ता द्वारा देखा गया है की वर्तमान समय में जिले में जमीन संबधी शिकायते अत्यधिक प्राप्त हो रही है जिससे आपसी विवाद में लड़ाई एवं झगड़े तथा कोई बड़ी जन- हानि न हो जाये जिनको ध्यान में रखते हुये पुलिस अधीक्षक द्वारा विशेष अभियान चलयाया जा कर जमीन संबधी समस्याओ का समाधान किया जा रहा है। इसी क्रम में बीते 6 जुलाई को थाना माड़ा द्वारा ग्राम भंवरखोह में राजस्व व जंगल विभाग की भूमि के स्वामित्व को लेकर हो रहे विवाद का निराकरण राजस्व एवं जंगल विभाग के टीम के साथ निराकरण किया गया।माड़ा थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम मलगो में दो पक्षों के बीच जमीनी विवाद को हल्का पटवारी के साथ मिलकर शिकायत का निराकरण किया गया। चौकी बगदरा थाना गढ़वा द्वारा ग्राम पंचायत बगदरा में आर आई, पटवारी, सरपंच की उपस्तिथि में ग्राम पंचायत बगदरा और ग्राम पंचायत कुलकवार के बीच शासकीय जमीन में आपसी बटवारे का विवाद का निराकरण किया गया। चौकी बगदरा थाना गढ़वा के ग्राम बकिया में आर आई, पटवारी, सरपंच की उपस्तिथि में कोल जाति और यादवो के बीच जमीनी विवाद का निराकरण किया गया।

महिला थाना मे हुआ जन चेतना परामर्श का आयोजन

सिंगरौली। महिला थाना सिंगरौली मे नवाचार अन्तर्गत जन चेतना परामर्श का पुलिस अधीक्षक श्रीमती निवेदिता गुप्ता के कुशल निर्देशन मे अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शिवकुमार वर्मा के मार्गदर्शन मे उपनिरी. प्रियंका शर्मा द्वारा आयोजन किया गया । आयोजन मे 12 आवेदिकाओं के आवेदन पर थाना बुलाया जाकर जन चेतना परामर्श मे सलाहकार एवं काऊंसलर की उपस्थिति मे पति पत्नी की समस्याओं को सुना जाकर निदान हेतु परामर्श दिया गया एवं 6 प्रकरणों मे परामर्श उपरान्त पति पत्नी एवं एक साथ रहते हुए अच्छे जीवन की शुरूआत करने के लिये सहर्ष तैयार होने पर साथ मे भेजा गया 3 प्रकरण मे आवेदक-अनावेदक द्वारा समय की मांग की गई जिन्हे अगली चेतना परामर्श मे समझाईस देने की सलाह दी गई । एवं 3 प्रकरणों मे न्यायालय से कार्यवाही कराने सम्बंधित उचित समझाईस दी गई । उपरोक्तानुसार नवाचार अन्तर्गत किये जा रहे परामर्श का उद्देश्य सुखद वैवाहिक जीवन का संचालन है । उपरोक्त परामर्श मे करीब 40 महिला पुरुष उपस्थित रहे विधिक सलाहकार अधिवक्तागण एवं काऊंसलर मानिकराम पाण्डेय, संतोष दुबे द्वारा उपस्थित महिलाओं एवं पुरुषों को परामर्श एवं विधिक जानकारी दी गई एवं बताया गया कि जन चेतना परामर्श प्रत्येक शनिवार दोपहर 11.00 बजे से महिला थाना मे आयोजित किया जाएगा । इसका फालोअप पीड़िता-शिकायतकर्ता के घर जाकर मौके से सतत् किया जाएगा । उपरोक्त कार्यक्रम को सम्पन्न कराने मे आई.पी. वर्मा, बेलाकली सिंह, रानी सिंह, सतीष बागरी, नातीलाल बागरी, अखिलेश रावत, प्रताप सिंह, आरती कोली, माया मालवीय की भी सहभागिता रही।

विद्युत पेंशनर्श की बैठक आज

सीधी। सीधी जिले के समस्त विद्युत पेंशनरों से अपील है कि कल दिनांक 8 जुलाई दिन सोमवार को माहवार बैठक कैंपिंग हाउस सीधी में नियत की गई है। आपसे अनुरोध है कि ज्यादा से ज्यादा विद्युत पेंशनर बैठक में उपस्थित होने का कष्ट करें ताकि विद्युत पेंशन की समस्याओं का निदान के संबंध में विस्तृत रूप से चर्चा की जा सके एवं दिनांक 5 एवं 6 जुलाई को प्रांतीय कार्यकारिणी की बैठक विद्युत कंपनी के समस्त अधिकारियों से हुई बैठक में जिन समस्याओं का निदान किया गया है उसकी जानकारी भी आपको उपलब्ध कराई जा सके। उक्त जानकारी भीमसेन सिंह प्रांतीय उपाध्यक्ष सीधी द्वारा दी गई।

बलियरी विस्फोट के श्रमवीरों को दी गई श्रद्धांजलि

प्रशासन के द्वारा गनियारी प्लाजा में बनाए गये शहीद स्मारक पर श्रद्धा सुमन अर्पित किए किये गये।श्रमवीरों

सिंगरौली। 5 जुलाई 2009 को बलियरी क्षेत्र में हुए विस्फोट में 22 श्रमवीरों ने जान गवां दी थी, जिले में स्थित खदानों में विस्फोटक सामग्री का परिवहन करने वाले एक ट्रक में हुए विस्फोट के बाद विस्फोटक सामग्री बनाने वाले कारखाने भी चपेट में आ गये थे। जिनमें कार्य करने वाले 22 श्रमवीरों की जान चली गई थी । उन्हीं श्रम शहीदों की याद में आज जिला की वार्षिक श्रद्धांजलि समारोह में कलेक्टर चन्द्रशेखर शुक्ला , पुलिस अधीक्षक श्रीमती निवेदिता गुप्ता, जिला पंचायत सीईओ, नगर निगम अध्यक्ष देवेश पाठक, निरीक्षक विद्या वारिधि तिवारी थाना प्रभारी यातायात, निरीक्षक अशोक सिंह थाना प्रभारी कोतवाली एवं जिले के अन्य लोगों ने शहीद स्मारक पर श्रद्धा सुमन अर्पित किए किये गये एवं श्रद्धांजलि दी गई।

कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) जिला-सीधी (म0प्र0)
Email-modgmsid@mp.gov.in

क्रमांक / 993 /खनिज /2024 सीधी, दिनांक 01/07/2024

// द्वितीय सूचना //

" म0प्र0 गौण खनिज नियम 1996 के नियम, 18(1-क) "

यह सूचित किया जाता है कि, आवेदक आवेदक सिद्धिदात्री मिनरल्स प्रा0लि0, पता शास्त्री नगर तहसील गोपद बनास, जिला-सीधी (म0प्र0) द्वारा उत्खनिपट्टा प्राप्त करने के हेतु निम्न क्षेत्र पर ऑनलाईन आवेदन प्रस्तुत किया गया है। इस क्षेत्र पर आवेदन प्रस्तुत करने हेतु प्रथम सूचना दिनांक 15.02.2021 को प्रकाशित की गई थी। इस क्षेत्र पर पुनः दिनांक 05.07.2024 से 19.07.2024 तक इस क्षेत्र पर यथास्थिति उत्खनिपट्टा आवेदन ऑनलाईन आमंत्रित किये जाते है। आवेदन ई-खनिज पोर्टल https://ekhanijmp.gov.in पर प्रस्तुत किये जायेंगे।

आवेदन का संक्षिप्त विवरण

जिला	तहसील	ग्राम	ख.क्र.	रकबा	भूमि का प्रकार	खनिज का नाम	रिमार्क
सीधी	चुरहट	बघेड़ा	422	3.900	शासकीय	पत्थर	–

1. उपरोक्त प्रस्तुत ऑनलाईन आवेदन पत्र में आवेदित क्षेत्र के संबंध में अन्य इच्छुक आवेदकों से विज्ञप्ति प्रकाशित होने की तारीख से आवेदन प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि तक (कार्यालयीन समय सायं 05:30 बजे तक) ऑनलाईन आवेदन पत्र आमंत्रित किये जाते है।
2. यदि प्रकाशित विज्ञप्ति के उपरांत आवेदन प्राप्त होने की अंतिम तिथि तक 03 अथवा उससे अधिक अन्य आवेदन पत्र प्राप्त होते हैं, तो प्रथम आवेदन पत्र एवं प्राप्त सभी आवेदन पत्रों को म0प्र0 गौण खनिज नियम 1996 के नियम 21 के तहत अधिमान्यता तय करने के आशय से उसी दिन प्राप्त किया गया समझा जायेगा।
3. यदि प्रकाशित विज्ञप्ति में उल्लेखित आवेदन प्राप्त करने की अंतिम तिथि तक 03 से कम आवेदन प्राप्त होते है तो उपरोक्त अवधि में प्राप्त आवेदन पत्र तथा पूर्व प्रकाशित विज्ञप्ति की अवधि के दौरान प्राप्त सभी आवदन पत्रों को म0प्र0 गौण खनिज नियम 1996 के नियम 21 के तहत अधिमान्यता तय करने के आशय से उसी दिन प्राप्त किया गया समझा जायेगा।
4. यदि प्रथम एवं द्वितीय प्रकाशित विज्ञप्ति के उपरांत भी निर्धारित समयावधि में अन्य कोई आवेदन पत्र प्राप्त नही होता है तो प्रथम आवेदक के पक्ष में नियमानुसार खनि रियायत स्वीकृति पर विचार किया जा सकेगा।
5. निर्धारित समयावधि के उपरांत प्राप्त आवेदन पत्रों को विचार में नही लिया जायेगा।

खनिज अधिकारी
जिला सीधी (म.प्र.)

जी-13072/24

नाम बड़े दर्शन छोटेः इंद्रपुरी कॉलोनी की तस्वीर बयां कर रही तकदीर

सड़कों की जाल बिछाने के नाम पर करोड़ों रुपए बहा रहा नगर निगम

सिंगरौली। नाम बड़े दर्शन छोटे की कहावत सिंगरौली नगर निगम क्षेत्र के इंद्रपुरी कॉलोनी कि यह तस्वीर बयां कर रही है। एक तरफ नगर निगम सिंगरौली सड़कों की जाल बिछाने के नाम पर प्रति वर्ष करोड़ों रुपए पानी की तरह बहा रहा है इसके बावजूद शहर की सुंदरता पर ग्रहण लग रहा है। थोड़ी सी बारिश में ही इंद्रपुरी कॉलोनी की सड़क कीचड़ में तब्दील हो जाती है ऐसे में रहवासियों के सिर दर्द बना हुआ है। यह कोई इंद्रपुरी कॉलोनी की बात नहीं है नगर निगम क्षेत्र में कई ऐसी सड़के हैं जो समय के पूर्व ही खस्ता हाल हो चुकी है इसके बावजूद नगर निगम सिंगरौली के जिम्मेदार अधिकारी जांच के नाम पर सिर्फ कोरमपूर्ति करते हुए अपने आप को सुरक्षित बचा लेते हैं। आलम यह है कि नगर निगम सिंगरौली के इंद्रपुरी कॉलोनी सड़क की बदहाल स्थिति देखकर हर कोई हैरान है वजह यह है कि नगर निगम सिंगरौली के द्वारा शहर की सुंदरता को बनाए रखने के लिए लगातार पीसीसी आईसीसी सड़क और नाली बनाने का दावा किया जाता है। ताकि शहर की सुंदरता और आम जनमानस को सुदृढ़ व्यवस्था मिल सके। लेकिन जिस तरीके से इंद्रपुरी कॉलोनी की सड़क अपनी दुर्दशा को लेकर आंसू बहा रही है ऐसे में कहीं न कहीं नगर निगम सिंगरौली के कार्य प्रणाली पर सवाल खड़ा हो रहा है। आखिर नगर निगम सिंगरौली सड़कों का जाल कहां बिछा रहा है। या फिर कोरमपूर्ति की जा रही है। नगर निगम सिंगरौली के कई वार्डों में देखने को मिला है जहां 4-6 महीने में ही सड़क अपनी गुणवत्ता पर सवाल उठा देती है। इसके बावजूद ऐसी सड़कों की जांच जिम्मेदार अधिकारियों के द्वारा नहीं की जाती है संविदाकार अपने मनमानी तरीके से गुणवत्ता विहीन सड़क बनाकर बिल पास करवा लेते हैं। बिल पास हो जाने के बाद उक्त सड़क को भूल जाते हैं। नगर निगम के जिम्मेदार अधिकारियों की वजह से शहर की सुंदरता पर ग्रहण लग रहा है।

मुहर्रम का त्यौहार शांति, सद्भाव के साथ मनाएं: एसडीएम

सिंगरौली। मुहर्रम पर्व के अवसर पर विधि व्यवस्था एवं शांति व्यवस्था बनाए रखने के उद्देश्य से दिन शनिवार शाम को जिले के पुलिस थाना जियावन परिसर में आगामी त्यौहार मुहर्रम को लेकर देवसर अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) अखिलेश सिंह व अनुविभागीय अधिकारी पुलिस राहुल कुमार सैयाम के अध्यक्षता में शांति समिति की बैठक की गई। गौरतलब है की देवसर अनुविभागीय अधिकारी श्री सिंह ने कहा कि आगामी मुहर्रम त्यौहार के दौरान सौहार्द,शांति, आपसी सहयोग व भाईचारा के साथ पर्व मनाए।

इस दौरान एसडीएम श्री सिंह ने बताया कि विधि व्यवस्था एवं शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए सभी आवश्यक तैयारी पूरी कर ली गई है। सभी संवेदनशील स्थानों पर दंडाधिकारी एवं पुलिस बल की प्रतिनियुक्ति की जा रही है। तजिया जुलूस के लिए शत प्रतिशत अनुमति लेना अनिवार्य है। बिना अनुमति के किसी भी प्रकार का जुलूस नहीं निकाला जाएगा। अनुमति में अंकित समय का अनुपालन करना अनिवार्य होगा। जुलूस के दौरान बाइक का प्रयोग वर्जित रहेगा। किसी भी प्रकार के अवैध हथियार यहां तक कि एयर गन लेकर प्रदर्शन करने वालों के खिलाफ भी कठोर कार्रवाई की जाएगी। डीजे के उपयोग पर पूर्ण प्रतिबंध रहेगा। जनपद पंचायत, उपखंड कार्यालय, सहित अन्य शासकीय कार्यालयों परिसरों पर ताजिया रखना प्रतिबंधित रहेगा। एसडीओपी राहुल कुमार ने कहा कि सभी पुलिसबल चिन्हित जगहों में वर्दी में तैनात रहेंगे,सोशल मीडिया पर भी पुलिस की कड़ी निगरानी रखी जाएगी।एसडीओपी ने कहा कि आपसी सामाजिक सौहार्द कायम रखने की जरूरत है। सोशल मीडिया एवं अन्य शरारती तत्वों पर कड़ी नजर रखी जाएगी। किसी भी प्रकार की घटना होने पर अविलंब प्रशासन को सूचित करें। उन्होंने पर्व के दौरान शांति, भाईचारा व विधि-व्यवस्था को बनाए रखने के लिए बैठक में उपस्थित दोनों समुदाय के लोगों से सहयोग की अपील की।

संपादकीय

मणिपुर का दर्द

मणिपुर पिछले एक वर्ष से ज्यादा समय से अशांति और हिंसा के दौर से गुजर रहा है। सरकार की ओर से तमाम कवायदों के बावजूद आज भी हालात में कोई बड़ा बदलाव आता नहीं दिख रहा है। जाहिर है, मुख्य रूप से मैतेई और कुकी समुदायों के बीच चल रहे हिंसक टकराव की आग में आम लोग झुलस रहे हैं और इस पर काबू पाने में सरकार नाकाम रही है। दरअसल, लोकतंत्र और शासन के बुनियादी सिद्धांतों के तहत कम से कम सरकार को इस बात का ध्यान रखना चाहिए कि वह इस संघर्ष के दौरान किसी खास तबके के पक्ष में या किसी के खिलाफ न दिखे। मगर मणिपुर में सरकार पर ऐसे आरोप कई बार लगाए गए कि वह मैतेई समुदाय के लिए नरम रुख और कुकी समुदाय के प्रति उपेक्षा का भाव रखती है। इस क्रम में सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को सरकार के प्रति सख्त नाराजगी जाहिर करते हुए उसे इस बात के लिए कठघरे में खड़ा किया कि एक व्यक्ति को सिर्फ इसलिए अस्पताल नहीं ले जाया गया क्योंकि वह अल्पसंख्यक कुकी समुदाय से था। गौरतलब है कि मणिपुर में अब भी कुकी और मैतेई समुदाय के बीच टकराव जारी है। मगर कम से कम सरकार की जिम्मेदारी होती है कि वह अपने क्षेत्राधिकार में हर नागरिक के प्रति समान बर्ताव करे, बिना किसी भेदभाव के सबके लिए सुरक्षित और सहज जीवन सुनिश्चित करे। जरूरत इस बात की है कि राज्य सरकार किसी समुदाय के प्रति पूर्वाग्रहों के बिना शांति-व्यवस्था कायम करे। किसी बीमार या जरूरतमंद व्यक्ति की मदद से बचने के लिए अगर कानून-व्यवस्था बिगड़ने की आशंका को कारण बताया जाता है, तो सवाल है कि इसे बहाल करने और रखने की जिम्मेदारी किसकी है? हालत यह है कि राज्य में दो समुदायों के बीच हिंसा के एक वर्ष से ज्यादा बीत चुके हैं, दो सौ से अधिक लोग मारे जा चुके हैं और आज भी सरकार शांति कायम कर पाने में नाकाम है। एक ओर, केंद्र सरकार संसद में यह आश्वासन दे रही है कि मणिपुर में शांति की आशा और भरोसा करना संभव हो रहा है, वहीं सुप्रीम कोर्ट को यह टिप्पणी करनी पड़ रही है कि उसे मणिपुर सरकार पर भरोसा नहीं है। किसी भी लोकतांत्रिक कही जाने वाली सरकार के लिए यह आदर्श स्थिति नहीं है।

क्या नए कानूनों से केस जल्दी निपटेंगे

(सुधांशु रंजन)

अपराध न्याय व्यवस्था में बीती एक जुलाई से व्यापक परिवर्तन आए हैं। औपनिवेशिक काल के तीन महत्वपूर्ण कानून नए देसी कानूनों द्वारा बदले गए हैं। भारतीय दण्ड संहिता (आईपीसी) की जगह भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस), अपराध प्रक्रिया संहिता (सीआरपीसी) की जगह भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस)और इंडियन एविडेंस एक्ट के स्थान पर भारतीय साक्ष्य अधिनियम (बीएसए) बनाए गए हैं। अब सारी प्राथमिकियां बीएनएस के तहत दर्ज की जाएंगी और नए कानूनों के तहत उनका ट्रायल होगा।

21 नए अपराध

आईपीसी की 511 धाराओं के बरक्स बीएनएस में 358 धाराएं हैं। 21 नए अपराधों को इसमें शामिल किया गया है। 41 अपराधों में कारावास की अवधि, जबकि 82 में जुर्माने की रकम बढ़ाई गई है। इसके अलावा 25 अपराधों में न्यूनतम दण्ड और छह अपराधों में दण्ड की जगह सामुदायिक सेवा का प्रावधान किया गया है। हालांकि यह स्पष्ट नहीं है कि सामुदायिक सेवा कैसी होगी। जहां तक सीआरपीसी की बात है तो उसमें 484 धाराएं थीं, जबकि बीएनएसएस में 531 धाराएं हैं। इसमें 9 नई धाराएं और 39 उपधाराएं जोड़ी गई हैं। 177 धाराओं में बदलाव किए गए हैं और 14 पुरानी धाराओं को खत्म किया गया है। इंडियन एविडेंस एक्ट की 166 धाराओं की जगह बीएसए में 170 धाराएं हैं।

महिला मामलों को प्राथमिकता

नई व्यवस्था में प्राथमिकी ऑनलाइन दर्ज कराई जा सकती है। प्राथमिकी की प्रति पीड़ित को मुफ्त मुहैया कराई जाएगी। गिरफ्तारी का विस्तृत विवरण थाने और जिला मुख्यालय में ठीक से प्रदर्शित किया जाएगा। इन कानूनों में महिलाओं और बच्चों के विरुद्ध किए गए अपराधों के अन्वेषण को प्राथमिकता दी जाएगी ताकि दो महीने के अंदर इसे पूरा किया जा सके। पीड़ितों को 90 दिनों के अंदर मामले में हुई प्रगति जानने का हक होगा।

तेजी से निपटान

नए कानूनों का पॉजिटिव पक्ष है निष्पादन की गति को तेज करना। इसके लिए टेक्नॉलजी पर काफी जोर है। डिजिटल साक्ष्य का प्रावधान है और फॉरेंसिक अन्वेषण को अनिवार्य कर दिया गया है। भारतीय न्याय व्यवस्था की सबसे बड़ी खामी यही मानी जाती है कि यहां मामले कई दशक चलते हैं। इसलिए स्थगन को भी दो तक सीमित किया गया है।

स्थगन कम करने के प्रयास

ध्यान रहे, स्थगन सीमित करने के प्रयास पहले भी हुए हैं। हुसैनारा खातून मामले (1978) में उच्चतम न्यायालय ने व्यवस्था दी कि संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत प्रदत्त जीवन और व्यक्तिगत आजादी के मौलिक अधिकार में तेज गति से ट्रायल होना भी शामिल है। बाद में कदरा पहाड़िया बनाम बिहार (1981) में अदालत ने यह भी कहा कि यदि किसी का तेज गति से ट्रायल नहीं होता है तो उसे अपने अधिकार को लागू कराने के लिए शीर्ष अदालत आने का अधिकार होगा। इसे अन्य कई मामलों में अदालत ने दोहराया परंतु महाराष्ट्र बनाम चम्पालाल पुंजाजी शाह (1981) में इस व्यवस्था को कमजोर कर दिया। उसने निर्णय दिया कि यद्यपि तेजी से ट्रायल अनुच्छेद 21 के द्वारा दिए गए फेयर ट्रायल का एक परोक्ष पहलू है, लेकिन इसका उल्टा सही नहीं है कि देर से होने वाला ट्रायल अन्यायपूर्ण है।

संशोधन निरस्त हुए

संसद ने 1999 में सीपीसी में कई अहम संशोधन किए। इनमें एक यह था कि अदालत सुनवाई के दौरान तीन से अधिक स्थगन नहीं दे सकती है। लेकिन, सुप्रीम कोर्ट ने सेलम बार असोसिएशन (2005) में इन संशोधनों को एक तरह से निरस्त कर दिया। उसने निर्णय दिया कि समय-सीमा अदालत की अंदरूनी शक्तियों को कम नहीं कर सकती है, जो न्याय करने के लिए जरूरी है। ऐसे में देखना होगा कि दो संशोधन की सीमा बांधने वाले मौजूदा प्रावधानों पर अदालत का रुख कैसा होता है।

एफआईआर से पहले जांच

नए कानूनों के कुछ प्रावधानों को लेकर विरोध भी है। कहा जा रहा है कि इनमें पुलिस को व्यापक अधिकार मिल गए हैं। बीएनएसएस की धारा 173 (3) के तहत जिन अपराधों में सजा तीन साल से ज्यादा और सात साल से कम है, उनमें पुलिस अधिकारी को 14 दिनों की छूट दी गई है एफआईआर दर्ज करने से पहले प्रारंभिक जांच करने के लिए। यह शीर्ष अदालत द्वारा ललिता कुमारी बनाम उत्तर प्रदेश (2013) में दी गई व्यवस्था के विपरीत है कि शिकायत मिलने पर एफआईआर दर्ज करना अनिवार्य होगा। बाद के भी अनेक फैसलों में न्यायालय ने इसे दोहराया।

पुलिस को ज्यादा ताकत

बीएनएस की धारा 113 में आतंकवादी गतिविधियों को भी शामिल किया गया है, जिसके लिए अवैध गतिविधियां निरोधक कानून (यूएपीए) पहले से है। इससे पुलिस को बहुत ताकत मिल जाएगी। भारत में पुलिस सुधार की दिशा में कोई प्रगति नहीं हुई है। ध्यान रहे, कानून में बदलाव होने पर अदालत के हाथ भी बंध जाते हैं। मसलन, जब तक गांजा आबकारी अधिनियम के अंतर्गत आता था, न्यायालय आधा किलो गांजा बरामद होने पर भी जमानत दे देती थी। लेकिन बाद में उसे एनडीपीएस एक्ट के अंदर कर दिया गया। परिणाम यह हुआ कि 20 ग्राम गांजा बरामद होने पर भी अदालत जमानत नहीं देती है।

प्रशिक्षण और सुधार

अभी कई वर्षों तक पुलिस और अदालत को पुराने और नए, दोनों कानूनों के तहत काम करना होगा। इसलिए व्यापक स्तर पर प्रशिक्षण की आवश्यकता है। साथ ही पुलिस सुधार पर भी काम करने की जरूरत है। (लेखक वरिष्ठ टीवी पत्रकार और कानूनी मामलों के जानकार हैं)

क्या आपसी भिड़ंत से आगे भी बढ़ेगी संसद

(राज कुमार सिंह)

राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव को लेकर हुई चर्चा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के भाषण और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के उत्तर से साफ है कि चुनाव के एक महीने बाद भी दोनों पक्ष चुनावी मानसिकता से नहीं उबर पाए हैं। अन्य वक्ता भी इस सोच से मुक्त नहीं दिखे। पिछली दो लोकसभाओं में सत्ता पक्ष का जबरदस्त बहुमत था। 2014 में 16वीं लोकसभा में भाजपा ने तीन दशक लंबे अंतराल के बाद अकेले दम बहुमत हासिल कर सबको चौंका दिया था। वहीं, 17वीं लोकसभा में उसकी सीटें बढ़कर 303 हो गईं। फिर भी उसने एनडीए सरकार बनाकर दूरदर्शिता का परिचय दिया। लेकिन, दोनों ही लोकसभाओं में नेता प्रतिपक्ष की अनुपस्थिति से सत्तापक्ष और विपक्ष के रिश्तों में खटास का अंदाजा लगाया जा सकता है।

डेप्युटी स्पीकर पर तकरार

लंबे अरसे से लोकसभा में डेप्युटी स्पीकर पद विपक्ष को देने की भी परंपरा रही। 16वीं लोकसभा में भाजपा ने यह पद अपने मित्र दल एआईएडीएमके को दिया तो 17वीं लोकसभा में यह संवैधानिक पद खाली ही रह गया। इस बार भाजपा ने ओम बिड़ला को ही स्पीकर बनाना पसंद किया है। डेप्युटी स्पीकर पद पर अभी तक खामोशी है। विपक्ष ने साफ कहा है कि अगर उसे परंपरा के अनुरूप डेप्युटी स्पीकर पद नहीं मिला तो वह अयोध्या से जीते अवधेश प्रसाद को उम्मीदवार बनाएगा।

चुनावी तैयारी

चुनाव परिणामों से हार-जीत का फैसला हो जाने के बाद भी सत्तापक्ष और विपक्ष परस्पर शक्ति परीक्षण का कोई मौका चूकते नहीं दिख रहे। नई लोकसभा का पहला सत्र इसका प्रमाण रहा। पहले तो नीट में हुए कथित घोटाले पर चर्चा को लेकर लोकसभा में हंगामा हुआ। बाद में राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा शुरू हुई तो देश-समाज के ज्वलंत मुद्दों पर गंभीर विमर्श के बजाय एक-दूसरे पर राजनीतिक निशाने साधे गए। ऐसा लगा कि दोनों पक्ष चुनाव प्रचार की मानसिकता से बाहर नहीं निकल पाए हैं या फिर इसी साल अक्तूबर में होने वाले हरियाणा, महाराष्ट्र और झारखंड तथा अगले साल फरवरी में होने वाले दिल्ली और बिहार विधानसभा चुनावों की तैयारी में जुट गए हैं।

जनादेश की अवहेलना

लोकसभा में धन्यवाद प्रस्ताव पर लगभग 18 घंटे की चर्चा देश-समाज के सरोकारों से परे दोनों पक्षों के राजनीतिक निहितार्थों पर केंद्रित रही, जो संसदीय लोकतंत्र के लिए शुभ नहीं। चार जून को आए लोकसभा चुनाव परिणाम किसी भी पक्ष की अपेक्षाओं के अनुरूप नहीं रहे। ज्यादातर राजनीतिक प्रेक्षकों का आकलन रहा कि जनता ने सत्तापक्ष को नियंत्रण में लाते हुए और विपक्ष को ताकत देते हुए परस्पर समन्वय से संसद और सरकार चलाने का जनादेश दिया है। लेकिन, संसद में आचरण-व्यवहार से नहीं लगता कि दोनों में से कोई भी पक्ष ऐसा करने के मूड में है।

मुद्दों पर चर्चा

नई लोकसभा के पहले ही सत्र में सत्तापक्ष और विपक्ष ने एक-दूसरे के प्रति उपेक्षापूर्ण और असम्मानजनक व्यवहार दिखाया है। इससे आशंकाएं गहराने लगी हैं कि संसद कहीं और पांच साल दलों और नेताओं की कटुता और राजनीतिक महत्वाकांक्षाओं की बंधक तो नहीं बनी रहेगी? राष्ट्रपति का अभिभाषण केंद्र सरकार तैयार करती है। स्वाभाविक ही उसमें सरकार की उपलब्धियों और आगामी योजनाओं का गुणगान होता है, पर दलों और उनके सांसदों से अपेक्षा की जा सकती है कि वे उस पर चर्चा करते हुए भी देश-समाज के समक्ष मौजूद ज्वलंत मुद्दों से मुंह न चुराएं।

तल्ख भाषा क्यों

दो लोकसभाओं के बाद इस बार राहुल गांधी के रूप में सदन को नेता प्रतिपक्ष मिला। धन्यवाद प्रस्ताव पर एक जुलाई को उनके डेढ़ घंटे से भी लंबे भाषण की चर्चा भी बहुत है। राहुल की राजनीतिक समझ, भाषण शैली और आत्मविश्वास में सुधार दिखता है। उन्होंने साल भर से भी ज्यादा समय से जातीय हिंसा की आग में जल रहे मणिपुर से लेकर 24 लाख छात्रों के भविष्य से जुड़े नीट समेत जनहित के कई मुद्दे भी उठाए। लेकिन, क्या उसके लिए पीएम मोदी और भाजपा पर तल्ख भाषा और चुनाव प्रचार की शैली में हमले करना जरूरी था? हिंदू होने, न होने का प्रमाणपत्र बांटने के लिए तो संसद नहीं है।

कटाक्ष किसलिए

पीएम मोदी और उनके पांच मंत्रियों ने जिस तरह राहुल के भाषण के बीच हस्तक्षेप किया, वह भी अवांछित था। अपनी बारी आने पर हर सवाल का विस्तार से जवाब दिया जा सकता था। सदन के नेता के रूप में पीएम मोदी ने दो जुलाई को चर्चा का लगभग ढाई घंटे लंबा उत्तर दिया। लेकिन, सवालों के जवाब देने के बजाय 'बालक बुद्धि' से जुड़े किस्से-कहानियों के जरिये, नाम लिए बिना ही नेता प्रतिपक्ष पर कटाक्ष करना उनके अजेंडे में सबसे ऊपर रहा।

गरिमा की चिंता नहीं

बेशक प्रधानमंत्री के भाषण के दौरान विपक्ष की लगातार नारेबाजी संसदीय मर्यादा के प्रतिकूल है, लेकिन नई लोकसभा के पहले सत्र में मर्यादा-गरिमा की परवाह करता कौन दिखा? प्रधानमंत्री ने ही अपने भाषण के दौरान सदन को हाथरस की भगदड़ में अनेक लोगों की मौत की दुखद सूचना दी, पर लोकसभा ने उस पर संवेदना व्यक्त करने के बजाय विपक्ष के व्यवहार की निंदा का प्रस्ताव पारित करना ज्यादा जरूरी समझा। सात दिन चला लोकसभा का पहला सत्र संसदीय लोकतंत्र के लिए चिंताजनक संकेत है।

वर्ग पहेली 5424

1	2	3		4		5	
6			■		■	■	■
■	7		8	■	9		10
11	■	12			■	14	
15	16	■	17		18	■	
19				■	20	21	
■		■		■	22		■
23			■	24	■	■	■

संकेतः बाएं से दाएं

1. 1979 के दिन इस तत्कालीन राष्ट्रपति ने लोकसभा भंग की थी (8)
6. राज्याभिषेक, सिंहासनारूढ़ हो जाने के समय युवराज के मस्तक पर लगाया लाने वाला टीका (3)
7. स्वीकार करना, मानना (3)
9. अस्वजन, अपरिचित, अनजान, पराया (3)
12. गीत गाने या बोलने का ढंग, शब्दों को उच्चारण करने का खासा ढंग (3)
14. यह मध्यप्रदेश के प्रांत का नगर एवं संभाग है जो प्रदेश प्रांत के विंध्य पठार के एक हिस्से का निर्माण करता है (2)
15. फायदा, मुनाफा, प्राप्ति (2)
17. दौड़ने वाला, धावक (3)
19. दादा का पिता, प्रतितामह (4)
20. विरुद्ध, प्रतिकूल, उलटा (3)
22. तीन घंटे का समय, एक पहर (2)
23. जिसके पार अपार संपत्ति हो, धनपति, मालामाल, धनाढ्य (3)
24. पृथ्वी, जमीन, सीता की एक सहेली का नाम (1)

ऊपर से नीचे

1. लोक व्यवहार हेतु नियत किया गया आचार, बर्ताव का ढंग (2)
2. प्रबल अभिलाषा, तीव्र उत्कंठा (3)
3. मान्य और सर्वप्रिय, पसंद किया हुआ (4)
4. सजीव रहना, जिंदा रहना, जीवित होना (2)
5. रुपए के मूल्य के छोटे-छोटे सिक्के (4)
8. जो सीधा न जाकर बल खाता हुआ गया हो (5)
10. अनजान, अपरिचित, अज्ञात (4)
11. तानयुक्त स्वरों में आरंभिक धुन प्रदर्शन (3)
13. प्राणतत्व, जीवन, जानकारी, पहचान (2)
16. ऋण मोचन, क्षतिपूर्ति, भुगतान, आवक पत्र (4)
18. पहरेदार या रक्षक को यह भी कहा जाता है (3)
21. उर्दू का एक अक्षर, अलक, जुल्फ, फौज का दस्ता, दूर, दूरी पर, समूह (2)

वर्ग पहेली 5423 का हल

रो	मा	नि	या	■	कु	श	ल
ज	न	■	द	ह	श	त	■
ना	ना	ना	■	ल	व	■	था
म	■	पा	स	■	ती	त	र
वा	बु	क	■	व्यो	■	वा	■
■	डा	■	ना	म	ज	द	गी
■	पे	प	र	■	म	ला	■
ड	स्ट	र	■	मी	ना	■	■

अति मलिन बस्तियों तक भी पहुंचे योजनाओं का लाभ

(अनुराग बेहर, सीईओ, अजीम प्रेमजी फाउंडेशन)

वह खुला सीवर करीब 10 किलोमीटर तक सीधे बहता है। लगभग आठ मीटर गहरे व 50 मीटर चौड़े उस घाटीनुमा गलियारे के किनारे कुछ यूं ढलावदार हैं कि इसकी चौड़ाई का 20 मीटर बीच का हिस्सा ही समतल है। इस गलियारे के ऊपर 10 किलोमीटर लंबा एलिवेटेड हाईवे गुजरता है। सीवर के दक्षिणी किनारे के साथ एक व्यस्त रेलवे लाइन है, जबकि उत्तरी किनारे पर एक सड़क। अति-व्यस्त छह लेन वाला हाईवे इस गलियारे के ठीक ऊपर है, इसलिए वह इसे पूरी तरह से ढक देता है।

सीवर में काला कीचड़ तेजी से बहता है। 20 लाख से भी ज्यादा आबादी वाले शहर से निकलने वाला यह सबसे खराब कचरा है। बेहद बदबूदार। मगर इस नाले की ढलान पर 2,000 से ज्यादा परिवार रहते हैं। उनकी झुग्गियां प्लास्टिक पन्नियों, टीन और सड़ी हुई लकड़ियों से बनी हैं। सीवर के साथ कुछ-कुछ अंतराल पर बांस-बल्लियों में फटी हुई साड़ियां लिपटी देखी जा सकती हैं, जिनकी मदद से दो-दो वर्गफुट के शौचालय बनाए गए हैं। इस गलियारे से बाहर, यहां तक कि आस-पास के लोग भी मानते हैं कि इन झुग्गियों में जेबकतरे, शराबी, ड्रग-तस्कर और छोटे-मोटे अपराधी रहते हैं। मगर यदि आप ऊंचे किनारों से न देखकर इस गलियारे में नीचे उतरने का साहस बटोरें, तो आप वास्तव में गरीबी से पीड़ित भारतीयों से मिलेंगे, जो जैसे-तैसे जिंदा रहने की कोशिशों में जुटे हैं।

सवाल है, ये परिवार आखिर यहां क्यों रहते हैं? क्योंकि, इनको यहां से कोई नहीं भगाता। न पुलिस, न भू-माफिया और न ही वे लोग, जो शहर को 'स्वच्छ' रखने के हिमायती हैं। सीवर ही इनका घर है। शहरों में कहीं भी, चाहे वह फ्लाई-ओवर के नीचे की जगह हो, फुटपाथ हो या फिर रेलवे लाइनों के किनारे, इनको कोई न कोई परेशान करता रहता है, क्योंकि शहरों में जमीन सोना है। मगर वे यहां इसलिए भी रहते हैं, क्योंकि अपने गांव में वे भूख से लड़ने के लिए एक वक्त का खाना तक नहीं जुटा सकते। बहरहाल, यहां के हाईवे से हमारी पवित्र नदी का भव्य विस्तार भी दिखता है। इसका पानी सीवर जैसा नहीं है, लेकिन श्रद्धालु जब इसमें नहाते हैं, तो वे संभवतः बीमारियों की अदला-बदली कर रहे होते हैं, क्योंकि नदी का पानी तो साफ है, लेकिन उसका किनारा नहीं। एक अन्य चमचमाती हाईवे से हम कीचड़ में सने इन किनारों पर प्लास्टिक, टीन और लकड़ी से बनी झुग्गियां देख सकते हैं। गरीबी ने इन लोगों को अपने गांवों से बाहर कर दिया है, लेकिन कोई इनको इन गंदे किनारों से मुक्ति नहीं दिला पा रहा! हां, जब भी यहां कोई मेला लगता है, तो ये खुद इसे खाली कर देते हैं। आसपास के निर्माण-कार्यों में इन्हें कुछ दिहाड़ी मिल जाती है, अन्यथा इस नदी में डुबकी लगाने के लिए आने वाले हजारों भक्तों से मिलने वाली भीख का सुरक्षा-जाल तो इनके पास है ही। इन झुग्गियों के बच्चे किसी स्कूल में नहीं जाते। उन्हें अमूमन दाखिला नहीं मिलता। इनके पास कोई राशन कार्ड नहीं है और देश की स्वास्थ्य योजनाओं का लाभ भी इनको नहीं ही मिलता। पीने के पानी के लिए तो इनको रोज-रोज संघर्ष करना पड़ता है। इन झुग्गियों के लोगों का मंदिरों में प्रवेश वर्जित है।

आज का राशिफल

मेष

आज आर्थिक लाभ के योग बन रहे हैं और आपके सम्मान में वृद्धि होगी। भौतिक विकास का योग अच्छा है और आपको करियर में सफलता मिलने के योग हैं। कारोबार में कोई खास डील फाइनल हो सकती है। शुभ योग के निर्माण से आज आपको व्यवसाय में अच्छा मुनाफा होगा। समाज में शुभ व्यय से आपकी कीर्ति बढ़ेगी और लाभ होगा।

मिथुन

आज दिन काफी रचनात्मक है। किसी क्रिएटिव काम को पूरा करने में आपको खुशी होगी और आपकी तरक्की होगी। जो काम आपको सबसे प्रिय है आज वहीं करने को मिलेगा। आपको रिलैक्स करने में मदद मिलेगी। नई योजनाएं भी दिमाग में आयेंगी।

सिंह

आज का दिन सफलता से भरा होगा और आज आप काफी व्यस्त रहेंगे। धर्म और आध्यात्म के मामले में पढ़ाई लिखाई के लिए थोड़ा समय निकाल लेना ही अच्छा होगा। कार्यक्षेत्र में वरिष्ठ अधिकारी आपके कार्यों में रुकावट डालने की कोशिश करेंगे। आपको इनको इग्नोर करना है।

वृषभ

आज लाभ का दिन है और आज आपका मन नई योजनाओं में लगेगा। कहीं यात्रा पर जाने से मन को प्रसन्नता होगी और योजनाएं पूर्ण होंगी। कानूनी विवाद में सफलता प्राप्त होगी। स्थान परिवर्तन के योग हैं और उसमें आपको लाभ और तरक्की होगी। आपके पराक्रम की वृद्धि होगी।

कर्क

आज का दिन काफी सृजनात्मक है, जो भी काम लगन के साथ करेंगे आज उस का फल उसी समय मिल सकता है। अधूरे काम निपट जाएंगे और कारोबार में सफलता प्राप्त होगी। ऑफिस में अपने विचारों के मुताबिक माहौल बन जाएगा और आपके साथी भी आपका सहयोग करेंगे।

कन्या

आज का दिन हर काम को सावधानी से करने का है। आपसी वार्ता और व्यवहार में संयम व सावधानी बरतें। आस पास के लोगों से टकराव की नौबत न आए इस बात का ध्यान रखें। किसी शुभ मंगल कार्य की चर्चा हो सकती है। भाग्य पर भरोसा रखें और आत्म विश्वास के साथ कार्य करें।

तुला

आज दिन लाभकारक है। कार्य व्यवहार से जुड़े सभी विवाद आज सुलझ सकते हैं। नए प्रॉजेक्ट पर भी कुछ काम शुरू हो सकता है। जमीन जायदाद के मामले में पारिवारिक और आस-पास के लोग कुछ परेशानी पैदा करने की कोशिश करेंगे। आपके घर में सुख समृद्धि के योग हैं।

धनु

आज बिजनस के मामले में थोड़ा सा जोखिम उठाएं तो आपको बड़ा लाभ होगा। रोजमर्रा के काम से परे कुछ नये कामों में हाथ आजमाएं। किसी अपने के लिए कुछ पैसों का इंतजाम करना पड़ सकता है। नया मौका आपके आस-पास है, उसे पहचानना आपके हाथ में है।

कुंभ

आज लाभ होगा। जो भी कार्य अपने हाथ में लेंगे उसमें आपको सफलता प्राप्त होगी। खानपान में लापरवाही न बरतें। व्यापार के मामले में दिन सुखद व्यतीत होगा। जल्दबाजी में कोई भूल हो सकती है, इसलिए हर काम सोच समझ कर करें। परिवार के मामले में कोई ऐसा फैसला न करें कि आपको लेने के देने पड़ जाएं।

वृश्चिक

आज आर्थिक मामलों में आज का दिन बहुत लाभ होगा। आज का दिन काफी मजबूत है। दिन भर लाभ के अवसर प्राप्त होंगे। कार्यशील रहें और अपने काम पर फोकस करें। परिवार में सुख शान्ति और स्थिरता का आनन्द उठाएं। नौकरी या व्यापार में कुछ नवीनता ला सकें तो आगे चलकर लाभ होगा।

मकर

आज का दिन सामान्य है। साझे में किया व्यापार आपको काफी लाभ देगा। घरेलू कामों को निबटाने का आज सुनहरा मौका है। आपको अपने संतान के करियर के मामले में कोई बड़ा फैसला लेना पड़ सकता है। ईमानदारी और निर्धारित नियमों का ध्यान रखें। हाथ में एक साथ कई काम लेने से आपकी परेशानी बढ़ सकती है।

मीन

आज का दिन लाभकारक रहेगा। व्यापार में जोखिम उठाने का परिणाम आज हितकर होगा। परेशानियों को धैर्य और अपने मृदु व्यवहार से सही करें तो आपको लाभ होगा। अपनी बुद्धि का प्रयोग कर आप वह सब कुछ पा सकते हैं, जिसकी आपको अभी तक कमी रही है। किसी संकटग्रस्त व्यक्ति की सहायता कर सकें तो शुभ रहेगा।

संक्षिप्त समाचार

तेज रफ्तार की बीएमडब्ल्यू कार ने फिर मारी बाइक में टक्कर, मछली पकड़ने निकली महिला की मौत

मुंबई , एजेंसी। महाराष्ट्र में तेज रफ्तार की कार ने एक और जान ले ली है। देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में रविवार की सुबह वर्ली में एक तेज रफ्तार की बीएमडब्ल्यू कार ने एक बाइक को टक्कर मार दी। इस हादसे में बाइक पर सवार कपल को जबरदस्त चोट लगी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि महिला की मौत हो गई। घटना सुबह 5 :30 बजे के करीब है। कहा जा रहा है कि वर्ली के कोलीवाड़ा इलाके में रहना वाली यह जोड़ी मछली पकड़ने के लिए ससून डॉक गया था। वे पकड़ी हुई मछली लेकर घर लौट रहे थे, तो उनके दोपहिया वाहन को पीछे से एक तेज रफ्तार बीएमडब्ल्यू ने टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि उनकी बाइक पलट गई और पति-पत्नी दोनों कार के बोनट पर गिर गए। खुद को बचाने की कोशिश में पति बोनट से कूदने में कामयाब रहा। हालांकि, उसकी पत्नी इतनी भाग्यशाली नहीं थी। इसके बाद मची अफरा-तफरी में चार पहिया वाहन का चालक घायल महिला को छोड़कर मौके से भाग गया। घायल महिला को तुरंत अस्पताल ले जाया गया, जहां उसे मृत घोषित कर दिया गया। पुलिस ने बताया कि पति का फिलहाल इलाज चल रहा है। साथ ही हिट-एंड-रन मामले की जांच शुरू कर दी गई है।

राजस्थान में अब मिलेगी सस्ती बजरी, भजनलाल सरकार का खास प्लान

जयपुर, एजेंसी। राजस्थान में लोगों को अब सस्ती दरों पर बजरी मिलेगी। चर्चा है कि राजस्थान में लोगों को वर्तमान बजरी की दर से 400 रुपए कम में बजरी मिलेगी। इसको लेकर अब राज्य सरकार बजरी खनन के लिए 48 नए पट्टे नीलाम करने की तैयारी कर रही हैं। इसके साथ ही राज्य सरकार बजरी की नई दरें भी लागू करेगी।आमजन को सुलभ और सस्ती बजरी मिले, इसके लिए भजनलाल सरकार कवायद करने जा रही है। इसके चलते बजरी खनन के लिए 48 नए पट्टों को नीलाम किया जाएगा। इसके बाद आमजन को सस्ती दर पर बजरी मिल सकेगी। वर्तमान में बजरी 450 से 750 रुपए प्रति टन के हिसाब से मिल रही है। वही जयपुर की बात करें, तो खुली बजरी 1200 से 1500 रुपए तक प्रति टन के हिसाब से मिलती है। इस स्थिति में नए पट्टों की नीलामी होने के बाद बजरी की दरों में काफी कमी आएगी। अनुमान लगाया जा रहा है कि इसके बाद आमजन को वर्तमान दरों से 400 रुपए सस्ती बजरी मिल सकेगी। सूत्रों के अनुसार लोगों को सस्ती दर पर बजरी मिले इसके लिए सरकार 48 नए पट्टों का नीलाम करने जा रही हैं। इस दौरान 100 हेक्टेयर तक बजरी के पट्टों की नीलामी होगी। बताया जा रहा है कि यह नीलामी 23 जुलाई से शुरू होगी। इसके साथ ही सरकार बजरी की नई दरे भी तय करेगी। वर्तमान में 50 से 55 रुपए प्रति टन रॉयल्टी दर वसूली जा रही है। संभावना जताई जा रही है कि नई दरों के हिसाब से रॉयल्टी से चार गुना ही बजरी की दरे तय होगी। यदि ऐसा हुआ, तो लोगों को प्रति टन 400 रुपए सस्ती बजरी मिल सकेगी। उल्लेखनीय है कि सुप्रीम कोर्ट ने 16 नवंबर 2017 को बजरी खनन पर राजस्थान में रोक लगा दी थी। इसके बाद 31 मार्च 2018 को बजरी खनन के सभी एलओआई को निर्धारित अवधि पूर्ण होने पर खत्म कर दिया।

वन रक्षक भर्ती पेपर लीक मामले में बड़ी कार्रवाई, 11 आरोपी गिरफ्तार

जयपुर, एजेंसी। राजस्थान के 2022 वन रक्षक भर्ती परीक्षा पेपर लीक मामले में पुलिस के विशेष अभियान समूह (एसओजी) की बड़ी कार्रवाई सामने आई है। एसओजी ने वन रक्षक भर्ती परीक्षा पेपर लीक मामले में कथित संलिप्तता के आरोप में राजस्थान में ग्यारह लोगों को गिरफ्तार किया है। राजस्थान पुलिस की ओर से शनिवार को जारी बयान में उक्त जानकारी दी गई है। राजस्थान पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि 28 जून को पुलिस ने बांसवाड़ा में दो आरोपियों प्रवीण मालवीय और उनकी पत्नी सविता डोडियार को गिरफ्तार किया था। उनसे पूछताछ की गई तो सनसनसीखेज जानकारियां सामने आईं। आरोपियों ने पूछताछ के दौरान खुलासा किया कि साकन सिंह खड़िया नामक व्यक्ति ने उनसे ऐसे लोगों को खोजने के लिए कहा था जो लीक प्रश्नपत्र के लिए 8 लाख रुपये दे सकें। आधिकारिक बयान के अनुसार, मालवीय और डोडियार ने आठ उम्मीदवारों की व्यवस्था की जो पेपर के लिए भुगतान करने को तैयार थे। एसओजी ने मामले में 11 लोगों को गिरफ्तार किया है। आगे की पूछताछ जारी है। हाल ही में एसओजी ने विभिन्न भर्ती परीक्षाओं के पेपर लीक मामले में कथित तौर पर शामिल एक महिला समेत तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया था। एसओजी ने एक महीने तक चले ऑपरेशन के बाद मंगलवार को तीन आरोपियों ओमप्रकाश ढाका, शम्मी बिश्नोई और सुनील बेनीवाल को गिरफ्तार किया गया है। एसओजी ने ओमप्रकाश ढाका पर 75 हजार रुपये, शम्मी बिश्नोई पर 70 हजार रुपये और सुनील बेनीवाल पर 25 हजार रुपये का इनाम घोषित किया था।

दिल्ली में अब घरेलू बिजली कनेक्शन के लिए भी फायर एनओसी होगी जरूरी, क्यों और किन्हें होगी जरूरत

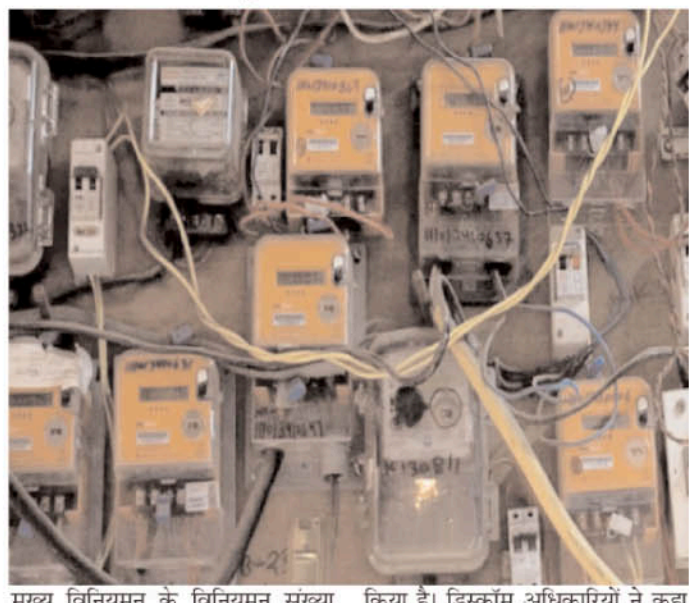

नईदिल्ली, एजेंसी। राजधानी दिल्ली में अब रिहायशी इमारतों में बिजली कनेक्शन लेने के लिए भी दमकल विभाग से फायर एनओसी लेना अनिवार्य होगा। हालांकि, अभी यह व्यवस्था 15 मीटर से अधिक ऊंचाई वाली इमारतों पर ही लागू होगी। दरअसल, इस बार दिल्ली में गर्मियों के महीनों में आग लगने की घटनाओं में वृद्धि के मद्देनजर बिजली नियामक डीईआरसी ने यह प्रस्ताव दिया है।

दिल्ली विद्युत विनियामक आयोग (डीईआरसी) ने बिजली वितरण कंपियों (डिस्कॉम) को नगर निकाय एजेंसियों द्वारा ध्वस्त की जाने वाली इमारतों की बिजली आपूर्ति काटने के लिए अधिकृत करने का भी प्रस्ताव रखा है। दिल्ली में केजरीवाल सरकार की यह 2 खास योजनाएं एक बार फिर होंगी शुरू डीईआरसी ने दिल्ली विद्युत विनियामक आयोग (आपूर्ति संहिता और प्रदर्शन मानक) नियमन, 2017 में संशोधन के लिए नोटिस जारी किया है। नियम 10(8) में यह प्रावधान है कि यदि आवासीय इकाई की ऊंचाई स्टिल्ट पार्किंग के बिना 15 मीटर से अधिक है या स्टिल्ट पार्किंग के साथ 17.5 मीटर से अधिक ऊंची है, तो बिजली कनेक्शन तब तक प्रदान नहीं किया जाएगा जब तक कि सक्षम प्राधिकारी से अग्नि सुरक्षा अनापत्ति प्रमाण पत्र प्राप्त नहीं कर लिया जाता है और इसे डिस्कॉम द्वारा मांगे जाने पर प्रस्तुत करना होगा। नोटिस में कहा गया है कि मुख्य विनियमन के विनियमन संख्या 10(7) के अनुसार, यदि न्यायालय, या डीडीए या एमसीडी या सक्षम वैधानिक प्राधिकरण द्वारा परिसर को ध्वस्त करने का निर्देश या आदेश पारित किया जाता है, तो डिस्कॉम बिजली की आपूर्ति काट सकता है। डीईआरसी ने आम जनता सहित सभी हितधारकों से सुझाव और आपत्तियां मांगते हुए दिल्ली विद्युत नियामक आयोग (आपूर्ति संहिता और प्रदर्शन मानक) (छठा संशोधन) विनियम, 2024 का मसौदा प्रकाशित किया है। डिस्कॉम अधिकारियों ने कहा कि डीईआरसी विनियमों का हिस्सा बनने के बाद ऐसे भवनों के लिए अग्नि सुरक्षा प्रमाण पत्र का मानदंड अधिक सख्ती से लागू हो जाएगा। इस साल मई-जून में भीषण गर्मी के कारण आग से संबंधित कॉलों में अप्रत्याशित वृद्धि हुई और जान-माल का भी नुकसान हुआ। दिल्ली अग्निशमन सेवा (डीएफएस) को 28-29 मई को आग से संबंधित 183 कॉल प्राप्त हुईं। 1 जनवरी से 26 मई तक विभाग को आग से संबंधित 8,912 कॉल प्राप्त हुईं।

अब कैसे इन गैंगस्टर्स के काले कारनामों में भी भूमिका निभा रहीं लेडी डॉन

नईदिल्ली, एजेंसी। दिल्ली-एनसीआर के गैंगस्टर्स और गैंगवार के बीच एक नया ट्रेंड तेजी से बढ़ रहा है, जो बेहद चौंकाने वाला है। जी हां, कुख्यात गैंगस्टर्स की टीम में अब महिलाएं भी शामिल हो रही हैं। मामला चाहे गैंगस्टर के विरोधी गुट के गुर्गों को निपटाने के लिए रेकी करने का हो या फिर हनीट्रैप के जरिये जाल में फंसाने का। ये काम गैंगस्टर्स की गर्लफ्रेंड शातिराना तरीके से अंजाम दे रही हैं।

गैंगस्टर हिमांशु भाऊ की गर्लफ्रेंड है अनु : गैंगस्टर हिमांशु भाऊ की गर्लफ्रेंड लेडी डॉन अनु का नाम पहली बार राजौरी गार्डन में स्थित बर्गर किंग आउटलेट में हुए गैंगवार के दौरान सामने आया। दरअसल, गोलियों का शिकार हुए अमन के साथ जो लड़की बर्गर किंग आउटलेट के अंदर दिखी थी, वह लेडी डॉन अनु थी। यह हिमांशु भाऊ की गर्लफ्रेंड है। इसने हिमांशु के कहने पर विरोधी गुट के मारे गए अमन को हनीट्रैप में फंसाया और उसे बर्गर किंग के आउटलेट में लेकर पहुंची थी, जहां उसे निपटा दिया गया था। एनसीआर के कुख्यात गैंगस्टर कपिल मान की गर्लफ्रेंड रोहिणी निवासी काजल खत्री है। इसका नाम पहली बार इसी साल 19 जनवरी को नोएडा में हुई एयरलाइंस कर्मी सूरज मान की हत्या के मामले में सामने आया था।

दिल्ली में मॉनसून की धमाकेदार एंट्री के बाद भी अच्छी बारिश की कमी

नईदिल्ली, एजेंसी। दिल्ली में मॉनसून का आगाज भले ही जोरदार रहा हो और एक ही दिन में बारिश के कई रिकॉर्ड टूट गए हों, लेकिन अब अच्छी बारिश की कमी बनी हुई है। जुलाई के पहले सप्ताह में अब तक सामान्य से 61 फीसदी कम बादल बरसे।राजधानी में 28 जून को मॉनसून का आगमन हुआ था और मानक वेधशाला सफदरजंग में 24 घंटे के भीतर 228 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई थी, लेकिन इसके बाद से ही दिल्लीवाले अच्छी बारिश के लिए तरस रहे हैं। कुछ हिस्सों में हल्की बारिश तो होती रही है, लेकिन इससे उमस बढ़ गई है। मौसम विभाग के मुताबिक, जुलाई के पहले छह दिन में सामान्य तौर पर 27 मिलीमीटर बारिश होनी चाहिए, जो अब तक सिर्फ 10.4 मिलीमीटर हुई है। यानी यह आंकड़ा सामान्य से 61 फीसदी कम है। मौसम विभाग का अनुमान है कि अगले चार-पांच दिन भी हल्की बूंदाबांदी ही होने के आसार हैं। दिल्ली के ज्यादातर हिस्सों में शनिवार सुबह हल्के बादल छाए रहे। सुबह के समय सफदरजंग, पालम, लोधी रोड आदि इलाकों में बूंदाबांदी हुई। दोपहर बाद आसमान साफ हो गया और धूप निकल आई। इससे लोगों को उमस भरी गर्मी का सामना करना पड़ा। दिल्ली की मानक वेधशाला सफदरजंग में अधिकतम तापमान 34.1 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य से दो डिग्री कम है। न्यूनतम तापमान सामान्य से एक कम 27.1 डिग्री रहा। हल्की बारिश और तेज हवा के चलते दिल्ली में साफ हवा का स्तर बना हुआ है। शनिवार को दिल्ली का औसत वायु गुणवत्ता सूचकांक 65 के अंक पर रहा। इस स्तर की हवा को संतोषजनक श्रेणी में रखा जाता है। यह लगातार तीसरा दिन है जब वायु गुणवत्ता सूचकांक का स्तर 100 से नीचे बना हुआ है।

बालिका संप्रेषण गृह से तीन नाबालिग लड़कियां फरार, गार्ड को ? पहले बनाया बंधक फिर स्कूली लेकर भागी

रायपुर , एजेंसी। छत्तीसगढ़ के राजनांदगांव जिले स्थित बालिका संप्रेषण गृह से तीन नाबालिग लड़कियां फरार हो गई है। तीनों किशोरियों में कई अपराधिक मामला दर्ज है। नाबालिग लड़कियों ने बालिका संप्रेषण गृह से वहां मौजूद कर्मचारियों को चमका देकर फरार हो गई है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, किशोरियों ने गार्ड और होम मेड को बंधक बनाकर स्कूटी लेकर फरार हो गई हैं। मामले में पुलिस जांच में जुट गई है। मामले में बसंतपुर थाना क्षेत्र के निलगिरी पार्क स्थित बालिका संप्रेषण गृह में निरूध्द तीन बालिकाएं जिनके ऊपर आपराधिक मामले दर्ज हैं। पुलिस के मुताबिक, संप्रेषण गृह से तीन नाबालिग बालिका भागी हैं। तीनों बालिका पर आपराधिक मामले दर्ज हैं, इसमें से दो बालिकाओं पर धारा 302 का मामला दर्ज है। साथ ही एक अन्य बालिका पर 294,323 और अन्य धाराओं के तहत अपराध पंजीबद्ध है। संप्रेषण गृह से फरार नाबालिगों की सूचना पुलिस को दी गई है। अब मामले में पुलिस आगे की कार्रवाई कर रही है। तीनों की पता तलाश जारी है। पुलिस को जैसे ही इसकी सूचना मिली पुलिस क्षेत्र में बालिकाओं की तलाश कर रही है। मामले में राजनांदगांव सीएसपी पुष्पेंद्र नायक ने बताया कि रात्रि हमें सूचना मिली की बालिका संप्रेषण गृह में निरूध्द तीन अपचारी बालिकाएं वहां के गार्ड को और हाउस मेड को बंधक बनाकर स्कूटी लेकर फरार हो गई है।

भाजपा को उसी के दांव से करेंगे चित? महाराष्ट्र में सरकार के खिलाफ एमवीए की क्या तैयारी

मुंबई, एजेंसी। महाराष्ट्र में विधानसभा चुनाव तो अभी दूर हैं, लेकिन महिला वोटरों को रिझाने की कोशिशें शुरू हो चुकी हैं। जहां हाल ही में भाजपा नेतृत्व वाली महायुति गठबंधन सरकार ने महिलाओं को 1500 रुपए हर महीने देने का वादा किया है। वहीं, अब महाविकास अघाड़ी ने इसको काउंटर करने की तैयारी कर ली है। सूत्रों के मुताबिक अगर एमवीए सत्ता में आती है तो वह महिलाओं को हर महीने इससे अधिक पैसे देगी। गौरतलब है कि हालिया लोकसभा चुनाव में खराब प्रदर्शन के बाद महायुति गठबंधन सरकार ने महिलाओं को कैश पेमेंट की घोषणा की थी। माना जा रहा है कि लोकसभा चुनाव कैंपेन के दौरान महिला वोटर कांग्रेस की 'महालक्ष्मी' योजना से प्रभावित हुईं। इसलिए महायुति गठबंधन को महिलाओं का वोट उतना नहीं मिला। अब इन वोटर्स को फिर से अपने पक्ष में लाने के लिए महायुति गठबंधन योजनाएं बनाने में जुट गया है। असल में कांग्रेस को महाराष्ट्र में इस तरह का सबक मिल चुका है। यहां पर चुनाव से पहले कांग्रेस नेता कमलनाथ ने सत्ता में आने पर महिलाओं को 1500 रुपए हर महीने देने का ऐलान किया। इसके तत्काल बाद मध्य प्रदेश के तत्कालीन मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने महिलाओं को मिलने वाली 1000 की रकम को बढ़ाकर 1250 कर दिया। इतना ही नहीं, उन्होंने यह भी ऐलान कर दिया कि अगर भाजपा फिर से चुनाव जीतती है तो इस रकम को बढ़ाकर 1500 कर दिया जाएगा। बाद में भाजपा ने चुनाव जीत भी लिया और कांग्रेस को एक बड़ा सबक मिल गया।

अब महाराष्ट्र में सरकार द्वारा कैश पेमेंट योजना के ऐलान को कांग्रेस गलत दांव बता रही है। टाइम्स ऑफ इंडिया के मुताबिक कांग्रेस नेताओं का कहना है कि चुनाव करीब है और महायुति ने महिलाओं को मिलने वाली रकम फिक्स कर दी है। अब हम इसका फायदा उठाएंगे और आने वाले चुनाव में महिलाओं के लिए इससे ज्यादा रकम की घोषणा करेंगे। इसके अलावा कांग्रेस नेता ने यह भी कहा कि लोकसभा चुनाव से जनता के मूड के बारे में बड़ा संकेत मिला है। इससे जाहिर होता है कि लोगों का झुकाव कांग्रेस की तरफ बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि भाजपा को बिल्कुल भी फायदा नहीं मिलने वाला है।

गौरतलब है कि हाल-फिलहाल हुए चुनावों में महिलाओं के लिए कैश पेमेंट संबंधी योजनाएं काफी कारगर रही हैं। मध्य प्रदेश में भाजपा ने 'लाडली बहना' योजना के जरिए एक बड़ा उदाहरण पेश किया है। इसके बाद कांग्रेस ने भी इस ट्रेंड को फॉलो किया है। कांग्रेस ने हिमाचल प्रदेश, कर्नाटक और तेलंगाना के चुनावों में इस योजना के दम पर महिला वोटरों को अपने पक्ष में करने में सफलता पाई है। अब महाराष्ट्र में भी वह इसको दोहराने की योजना बना रही है।

हरियाणा में जाट वोट बैंक पर सबकी नजर! सतीश पूनिया लगा पाएंगे सेंध?

जयपुर , एजेंसी। राजस्थान भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष सतीश पूनिया को बीजेपी आलाकमान ने हरियाणा का प्रभारी बनाया है। इसके सियासी मायने निकाले जा रहे है। क्या सतीश पूनिया कांग्रेस के जाट बैंक में सेंध लगा पाएंगे? सतीश पूनिया का राजस्थान में कद बढ़ा है? सियासी जानकारों का कहना है कि इन दोनों सवालों के जवाब आगामी दिनों में मिल सकते है। हरियाणा में तीन महीने बाद विधानसभा चुनाव होने है। लोकसभा चुनाव में कांग्रेस ने वापसी करते हुए बीजेपी के वोट बैंक में जबर्दस्त सेंध लगाई थी। सियासी जानकारों का कहना है कि बीजेपी के हरियाणा में सत्ता विरोधी लहर का सामना करना पड़ रहा है। ऐसे में सतीश पूनिया की असली चुनौती हरियाणा में बीजेपी वापसी की है। सियासी जानकारों का कहना है कि हरियाणा में भी चुनाव में जातिगत आंकड़ा काफी मायने रखता है। आंकड़ों पर नजर डालें तो हरियाणा में जाट वोट बैंक का दबदबा रहता है। प्रदेश में जाट वोट प्रतिशत करीब 22.2 फीसदी, अनुसूचित जाति करीब 21 फीसदी, पंजाबी करीब 8 फीसदी, ब्राह्मण करीब 7.5 फीसदी, अहीर करीब 5.14 फीसदी, वैश्य करीब 5 फीसदी, जाट सिख करीब 4 फीसदी, मेव और मुस्लिम करीब 3.8 फीसदी, राजपूत करीब 3.4 फीसदी, गुर्जर करीब 3.35 फीसदी, बिश्नोई करीब 0.7 फीसदी और अन्य करीब 15.91 फीसदी है। लोकसभा चुनाव में कांग्रेस ने जाट बाहुल्य इलाकों में शानदार प्रदर्शन किया था। 10 में से 5 सीटें जीतकर बीजेपी को करारी शिकस्त दी थी। बीजेपी ने हरियाणा में विधानसभा चुनाव से पहले बड़ी जिम्मेदारी सौंपी हैं। पूनिया राजस्थान में बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष रह चुके हैं। पूनिया को संगठन का मजबूत नेता माना जाता है। पूनिया के पास लोकसभा चुनाव में भी पार्टी की जिम्मेदारी थी। इस बार माना जा रहा था कि हरियाणा में बीजेपी 2 से 3 सीट पर सिमट जाएगी लेकिन पूनिया ने पार्टी को 5 सीट जितवाने में अहम भूमिका अदा की है। पूनिया जाट बिरादरी से आते हैं ऐसे में उनका राज्य में फायदा मिल सकता है। विधानसभा चुनाव में हारने के बाद पूनिया को पार्टी ने हरियाणा का सह प्रभारी बनाया था, लेकिन करीब 6 महीने बाद ही पूनिया का प्रमोशन कर कर प्रभारी बना दिया गया है। इससे सतीश पूनिया की दिल्ली दरबार में गहरी पैठ के रूप में देखा जा रहा है। हरियाणा की राजनीति में कास्ट पॉलिटिक्स को लेकर राजनीतिक विश्लेषक कहते हैं हरियाणा सरकार के परिवार पहचान पत्र के आंकड़ों के मुताबिक प्रदेश में जाट वोट बैंक और जाट सिख वोट बैंक करीब 26 फीसदी और एससी 21 फीसदी है. बड़ा वोट बैंक होने के चलते हरियाणा में चाहे जो भी पार्टी हो, सबका फोकस जाट वोटों पर ही रहता है। सूबे में इस वोट बैंक पर कांग्रेस की मजबूत पकड़ है।

छत्तीसगढ़ में 6 नक्सलियों का आत्मसमर्पण, इनमें से 3 पर घोषित था कुल 11 लाख का इनामी

दंतेवाड़ा , एजेंसी। छत्तीसगढ़ के नक्सल प्रभावित सुकमा व दंतेवाड़ा जिले में शनिवार को कुल छह नक्सलियों ने सुरक्षाबलों के सामने आत्मसमर्पण किया। इस दौरान सुकमा में दो इनामी माओवादियों समेत पांच नक्सलियों ने हथियार डाले, तो वहीं दंतेवाड़ा में भी एक इनामी नक्सली ने सरेंडर किया।

इस बारे में जानकारी देते हुए पुलिस अधिकारियों ने बताया कि सुकमा जिले में 5 नक्सलियों- करटम सुक्का (41), सोयम बदरा (40), दिरदो केशा (28), मुचाकी मासा (55) और मड़कम हड़मा (38) ने सुरक्षाबलों के सामने आत्मसमर्पण किया। उन्होंने बताया कि नक्सली करटम सुक्का के सिर पर दो लाख रुपए तथा सोयम बदरा के सिर पर एक लाख रुपए का इनाम घोषित था। अधिकारियों ने बताया कि इन नक्सलियों ने छत्तीसगढ़ सरकार की पुनर्वास नीति और नियद नेल्लानार (आपका अच्छा गांव) योजना से प्रभावित होकर तथा बाहरी नक्सलियों से परेशान होकर आत्मसमर्पण करने का फैसला किया। अधिकारियों ने बताया कि आत्मसमर्पित नक्सलियों को छत्तीसगढ़ सरकार की पुनर्वास नीति के तहत सहायता राशि और अन्य सुविधाएं प्रदान की जाएंगी। उधर दंतेवाड़ा में आठ लाख के इनामी माओवादी ने सुरक्षा बल के अधिकारियों के समक्ष हथियार डाले। आत्मसमर्पण करने वाला माओवादी ईरपानार और कडियामेटा क्षेत्र में हुई बड़ी घटनाओं में शामिल था। आत्मसमर्पित माओवादी नक्सली चैतू डोडी पामेड एरिया कमेटी में पार्टी सदस्य के रूप में और दंडकारण्य सब जोनल कमेटी में कम्युनिकेशन टीम सदस्य के रूप में कार्य कर चुका है।

छत्तीसगढ़ शासन की नक्सल उन्मूलन एवं नक्सल पुनर्वास नीति के तहत विश्वास करते हुए विकास और सुरक्षा की भावना से प्रभावित होकर नक्सलियों की खोखली विचारधारा को छोड़कर समाज की मुख्यधारा में शामिल होने के लिए इस इनामी नक्सली ने सरेंडर किया। बता दें कि दंतेवाड़ा पुलिस की ओर से लोन वर्राटू (घर वापस आइये) अभियान चलाया जा रहा है। जिससे प्रभावित होकर माओवादी हिंसा का रास्ता छोड़ रहे हैं।

16 एसएचओ समेत 500 पुलिसकर्मी और अर्द्धसैनिक बल तैनात; दिल्ली में नाला सफाई को लगी जंग जैसी सुरक्षा

नईदिल्ली, एजेंसी। राजधानी दिल्ली में एक नाले की सफाई के दौरान पहली बार जंग जैसे सुरक्षा इंतजाम देखने को मिले। सैकड़ों की तादाद में यहां पुलिस कर्मियों के साथ अर्द्धसैनिक बलों को तैनात देखकर स्थानीय लोग भी हैरत में पड़ गए थे। जानकारी के अनुसार, दिल्ली नगर निगम के दस्ते ने शनिवार को आदर्श नगर इलाके में भारी सुरक्षा बल के बीच नाले की सफाई की। नाले के आसपास अतिक्रमण और मकान आदि बने हुए थे, इसलिए विरोध की आशंका के मद्देनजर कड़े सुरक्षा इंतजाम करने पड़े। हालांकि, एमसीडी कर्मियों ने शांतिपूर्ण तरीके से अपना काम पूरा किया। भडोला गांव की तंग गलियों में नाले से सटाकर लोगों ने मकान बना रखे हैं। बारिश को देखते हुए एमसीडी ने इस नाले से गाद निकालने का निर्णय लिया था। नाले की सफाई के दौरान लोगों के विरोध का खतरा था, इसलिए एमसीडी ने सुरक्षा के लिए दिल्ली पुलिस से सहयोग मांगा था। वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि उत्तर-पश्चिम जिला, रोहिणी और आउटर नॉर्थ जिले से 16 एसएचओ, 20 इंस्पेक्टर और 40 एसआई समेत 500 पुलिसकर्मियों को तैनात किया गया था। इसके अलावा एक कंपनी अर्धसैनिक बल की टुकड़ी भी लगाई गई थी। कर्मचारी जेसीबी लेकर सुबह करीब 8 बजे मौके पर पहुंच गए थे और शाम तक सफाई का काम चला।

जौहरीपुर के नाले में मिला लावारिस शव : वहीं, दिल्ली के गोकलपुरी इलाके में जौहरीपुर नाले से शनिवार को एक 30-35 वर्षीय व्यक्ति का शव मिला है। शव की पहचान नहीं हो सकी है। पुलिस का कहना है कि शव चार से पांच दिन पुराना लग रहा है। पुलिस और क्राइम व एफएसएल की टीमों ने मौके से जरूरी सुराग जुटाए हैं। इसके साथ ही संदिग्ध परिस्थितियों में मौत का मामला दर्ज कर जांच की जा रही है। उत्तर पूर्वी जिला पुलिस उपायुक्त डॉ. जॉय टिर्की ने बताया कि शनिवार सुबह गोकलपुरी थाने में जौहरीपुर पुलिया के पास नाले में लावारिस शव मिलने की सूचना मिली थी।

डेब्यू में डक होने वाले अभिषेक शर्मा का तूफान

46 गेंदों पर ठोकी करियर की पहली सेंचुरी

हरारे(एजेंसी। अभिषेक शर्मा ने जिम्बाब्वे के खिलाफ टी20 सीरीज के पहले मैच में अपना इंटरनेशनल डेब्यू किया था। उनकी पारी 4 गेंदों पर खत्म हो गई थी। अभिषेक खाता भी नहीं खोल पाए थे। लेकिन एक दिन बाद ही अभिषेक ने टी20 इंटरनेशनल क्रिकेट में शतक ठोक दिया है। अपने दूसरे ही इंटरनेशनल मैच में अभिषेक ने 46 गेंदों पर शतक ठोक दिया। फिफ्टी से शतक तक पहुंचने में उन्होंने सिर्फ 13 गेंदों का सामना किया।

हैट्रिक छक्के से अभिषेक का शतक - अभिषेक शर्मा ने लगातार तीन गेंदों पर तीन शतक लगाकर शतक पूरा किया। यह दिखाता है कि वह रिकॉर्ड के लिए नहीं खेलते हैं। 43 गेंदों पर वह 82 रन बनाकर खेल रहे थे। इसके बाद वेलिंगटन मसाकाद्जा को लगातार तीन छक्के मारे। हालांकि शतक बनाने के बाद अगली ही गेंद पर आउट भी हो गए। 47 गेंदों की अपनी 100 रनों की पारी में अभिषेक शर्मा ने 7 चौके और 8 छक्के मारे।

जीवनदान मिलने के बाद हुए खतरनाक - अभिषेक शर्मा ने इस मैच में सेट होने के लिए समय लिया। उन्हें जिम्बाब्वे के फील्डर्स ने जीवनदान भी दिया। उन्हें जीवनदान मिला तो 23 गेंद पर 27 रन बनाकर खेल रहे थे। इसके बाद पंजाब के इस बल्लेबाज ने पीछे मुड़कर नहीं देखा। 33 गेंदों पर उन्होंने अपनी पहली फिफ्टी लगाई। अगले 13 गेंदों पर शतक लगा दिया। टी20 क्रिकेट में यह उनकी चौथी सेंचुरी है।

टीम की शुरुआत थी खराब - जिम्बाब्वे के खिलाफ टी20 सीरीज के पहले मैच में भारत की बैटिंग पूरी तरह फेल रही थी। 116 रनों के लक्ष्य के सामने भारतीय टीम 102 पर ऑलआउट हो गई। एक ही बाद ही सीरीज का दूसरा मुकाबला खेला जा रहा है। इस मैच में भी भारत की शुरुआत खराब रही। कप्तान शुभमन गिल दूसरे ही ओवर में आउट हो गए। इसके बाद अभिषेक शर्मा और रुतुराज गायकवाड़ ने संभलकर बैटिंग की। 6 ओवर के बाद भारत का स्कोर 36 रन ही था।

दिग्गज रेसलर जॉन सीना ने WWE से संन्यास की घोषणा की

न्यूयॉर्क,एजेंसी। वर्ल्ड रेसलिंग एंटरटेनमेंट के दिग्गज रेसलर जॉन सीना अपने लीजेंड्री करियर का जल्द ही अंत करने जा रहे हैं। WWE के सोशल मीडिया अकाउंट पर पोस्ट किए गए एक वीडियो में जॉन सीना ने इन-रिंग प्रतियोगिता से संन्यास की घोषणा की है। वह 2025 में WWE को अलविदा कहेंगे। जॉन सीना कनाडा के टोरंटो में डब्ल्यूडब्ल्यूई मनी इन द बैंक शो में लौटे। उन्होंने सभी फैंस को चौंकाते हुए अचानक एंट्री की। इसके बाद उन्होंने कहा, आज रात मैं आधिकारिक तौर पर WWE से अपनी रिटायरमेंट की घोषणा कर रहा हूं। जॉन सीन की इस घोषणा ने उनके प्रशंसकों को दुखी कर दिया है।

एक सोशल मीडिया यूजर ने कमेंट किया, आपको याद करेंगे चैंपियन। एक अन्य प्रशंसक ने लिखा- सीना के बिना डब्ल्यूडब्ल्यूई देखना मुश्किल होगा। सीना ने खुलासा किया कि वह फिलहाल मंडे नाइट रॉ में बने रहने की योजना बना रहे हैं। दरअसल, मंडे नाइट रॉ शो जनवरी 2025 में नेटफ्लिक्स पर लॉन्च होने जा रहा है। सीना ने कहा- मैं आज संन्यास नहीं लूंगा। यह विदाई, यह आज रात खत्म नहीं होती है। उन्होंने कहा, हर कोई मंडे नाइट रॉ को अगले साल इतिहास बनाते देखना चाहता है। जब यह शो नेटफ्लिक्स पर आएगा तो इतिहास रचा जाएगा। मैं कभी भी नेटफ्लिक्स पर रॉ का हिस्सा नहीं रहा, यह इतिहास है। यह पहली बार है, और मैं वहां रहूंगा। उस इतिहास का गवाह बनूंगा। सीना ने कहा- 2025 रॉयल रंबल मेरा आखिरी होगा। 2025 एलिमिनेशन चैंबर मेरा आखिरी होगा। और मैं आज रात यहां यह घोषणा करने के लिए हूं कि लास वेगास में रेसलमेनिया 2025 मेरा आखिरी रेसलमेनिया होगा जिसमें मैं मुकाबला करूंगा। सीना ने 2001 में WWE के साथ कॉन्ट्रैक्ट साइन किया और उसके बाद लगातार सफलता की सीढ़ियां चढ़ते गए। शुरुआत में उनकी और कर्ट एंगल की फ्यूड काफी चर्चा में रही थी। कर्ट ओलंपिक में गोल्ड मेडलिस्ट हैं।

2018 में वह WWE से दूर हो गए और कभी कभी दिखते रहे। उन्होंने अपने अभिनय करियर को आगे बढ़ाने के लिए इससे किनारा कर लिया। वह रिकॉर्ड 16 बार के WWE विश्व चैंपियन हैं। हाल ही में जॉन सीना फास्ट एंड फ्यूरियस, बार्बी जैसी कई सुपरहिट फिल्मों में नजर आ चुके हैं।

कपिल देव और एमएस धोनी की विरासत रोहित शर्मा ने आगे बढ़ाई: गावस्कर

नई दिल्ली,एजेंसी। भारत के दिग्गज बल्लेबाज सुनील गावस्कर ने टी20 विश्व कप 2024 जीतने के लिए रोहित शर्मा की प्रशंसा करते हुए कहा कि सलामी बल्लेबाज रोहित भी एमएस धोनी और कपिल देव की तरह ही लोगों के कप्तान हैं। रोहित टी20 विश्व कप 2007 और 2013 चैंपियंस ट्रॉफी जीतने वाली भारत की टीम के सदस्य थे। कप्तान के तौर पर वो वनडे विश्व कप 2023 और विश्व टेस्ट चैंपियनशिप में उपविजेता रहे। लेकिन रोहित को आखिरकार किस्मत का साथ तब मिला जब भारत ने पिछले महीने केंसिंग्टन ओवल में दक्षिण अफ्रीका को सात रन से हराकर टी20 विश्व कप जीता।

टी20 अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास की घोषणा के बाद रोहित ने टी20 विश्व कप 2024 जीत को अपने खेल करियर की सबसे बड़ी उपलब्धि बताया, जिसे भारत ने प्रतियोगिता में अजेय टीम के रूप में जीता। गावस्कर ने रविवार को मिड-डे के लिए अपने कॉलम में लिखा, रोहित शर्मा उन दो अन्य क्रिकेट दिग्गजों, कपिल देव और धोनी के साथ शामिल हो गए हैं, जिन्होंने भारत को विश्व कप ट्रॉफी दिलाई है। इन दोनों की तरह, रोहित भी लोगों के कप्तान हैं। न केवल उनकी टीम के सदस्यों द्वारा, बल्कि पूरे भारतीय क्रिकेट समुदाय में उन्हें खूब पसंद किया जाता है। क्रिकेट प्रशंसकों को उनकी नेतृत्व शैली भी पसंद है और रणनीति के मामले में, वे खेल में सबसे तेज हैं। उनके कुछ कदम आपको आश्चर्यचकित कर सकते हैं, लेकिन अंतिम परिणाम अक्सर वही होता है जिसकी टीम को उस समय जरूरत होती है। गावस्कर ने रोहित और राहुल द्रविड़ की कप्तान-कोच जोड़ी की भी सराहना की, जिन्होंने भारत को ट्रॉफी जीतने में अहम भूमिका निभाई।

राहुल द्रविड़ के नेतृत्व में सहयोगी स्टाफ ने भी जीत में अहम भूमिका निभाई। टूर्नामेंट में, रोहित ने 156.70 की स्ट्राइक रेट से 257 रन बनाए और भारत को बल्ले से तेज शुरुआत देने की जिम्मेदारी ली, जिसमें ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के खिलाफ उनके अर्धशतक महत्वपूर्ण थे।

विम्बलडन :

विम्बलडन का आनंद लेने पहुंचे क्रिकेट के भगवान

नई दिल्ली, एजेंसी। सचिन के अलावा इंग्लैंड के टेस्ट और सीमित ओवरों के कप्तान बेन स्टोक्स और जोस बटलर के साथ पूर्व कप्तान जो रूट भी विम्बलडन के मुकाबलों का लुत्फ उठाने के लिए पहुंचे।

क्रिकेट के भगवान सचिन तेंदुलकर शनिवार को विम्बलडन सेंटर कोर्ट पहुंचे। इस दौरान दर्शकों ने भारतीय दिग्गज को स्टैंडिंग ओवेशन दिया और तालियां बजाईं। वहीं, पूर्व बल्लेबाज ने हाथ हिलाकर प्रशंसकों को धन्यवाद कहा। सचिन के अलावा इंग्लैंड के टेस्ट और सीमित ओवरों के कप्तान बेन स्टोक्स और जोस बटलर के साथ पूर्व कप्तान जो रूट भी विम्बलडन के मुकाबलों का लुत्फ उठाने के लिए पहुंचे। अब विम्बलडन ने अपने सोशल मीडिया हैंडल से एक खास वीडियो साझा करते हुए सचिन का स्वागत किया। विम्बलडन ने एक्स पर डाले वीडियो के साथ लिखा, सेंटर कोर्ट पर फिर आपका स्वागत है सचिन।

इंडिया वर्सेस जिम्बाब्वे

काम खत्म नहीं हुआ है अभी सीरीज जीतनी है : सिकंदर रजा

हरारे, एजेंसी। जिमबाब्वे क्रिकेट टीम ने इतिहास रचते हुए हरारे के मैदान पर टीम इंडिया के खिलाफ पहला मुकाबला 13 रन से जीत लिया। सिंदर रजा की अगुवाई में जिमबाब्वे टीम ने पहले खेलते हुए महज 115 रन ही बनाए थे लेकिन लक्ष्य का पीछा करने उतरी टीम इंडिया को 102 रन पर ही ऑलआऊट कर दिया। मैच में सिकंदर ने तीन महत्वपूर्ण विकेट लिए और प्लेयर ऑफ द मैच भी बने। उन्होंने मैच खत्म होने के बाद कहा कि मैं जीत से बहुत खुश हूं। एक समय में एक खेल लेने की जरूरत है। काम खत्म नहीं हुआ, अभी सीरीज खत्म नहीं हुई है। विश्व चैंपियन विश्व चैंपियन की तरह खेलते हैं इसलिए हमें अगले गेम के लिए तैयार रहना होगा।

रजा ने कहा कि यह ऐसा विकेट नहीं है जहां आप 115 रन पर आउट हो जाएं। दोनों पक्षों के गेंदबाजों को श्रेय देना चाहिए। यह स्पष्ट रूप से एक संकेत है कि हमें अपने कौशल को बढ़ाने की जरूरत है। मैंने कहा कि जब तक हम भीड़ और चेंजिंग रूम के प्रति सच्चे रह सकते हैं, तब तक मुझे परिणाम की परवाह नहीं है। आज हम अपनी योजनाओं पर कायम रहे और हमने अपने लोगों का समर्थन किया। हमारी कैचिंग और ग्राउंड फील्डिंग अद्भुत थी लेकिन हमने कुछ गलतियां कीं, जिससे पता चलता है कि सुधार की गुंजाइश है। हम जानते थे कि प्रशंसक हमारा हौसला बढ़ाएंगे और हमें ऊर्जा देंगे, इसका श्रेय उन्हें जाता है, इससे हमें मदद मिली।

हार्दिक पांड्या पर बोले ईशान किशन

आपको कड़ी मेहनत, ईमानदारी का परिणाम मिला

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत के क्रिकेटर इशान किशन ने पिछले छह महीनों में सुस्त फॉर्म से जूझने के बावजूद अपने शांत और केंद्रि÷ दृष्टिकोण के लिए ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या की सराहना की। चोट लगने के बाद भारत का यह ऑलराउंडर वनडे विश्व कप 2023 से बाहर हो गया।

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2024 में भी, 30 वर्षीय खिलाड़ी मुंबई इंडियंस (एमआई) को टूर्नामेंट के नॉकआउट चरण में ले जाने में असफल रहे। लेकिन हार्दिक ने टी20 विश्वकप में अपनी उपयोगिता साबित कर टीम इंडिया को खिताब दिला दिया। हार्दिक ने बल्ले से 8 मैचों की 6 पारियों में 151.57 की स्ट्राइक रेट से 144 रन बनाए। इस बीच उन्होंने गेंद से भी शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने टूर्नामेंट में 8 मैच खेलकर 7.64 की इकॉनमी रेट से 11 विकेट लिए। उन्होंने बारबाडोस में दक्षिण अफ्रीका को सात रनों से हराकर टीम इंडिया को अपनी दूसरी टी20 विश्व कप

ट्रॉफी जीतने में मदद की।

बहरहाल, किशन ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर कहा कि हार्दिक को पिछले कुछ महीनों में कई चीजों का सामना करना पड़ा है। उन्होंने कहा कि ऑलराउंडर को उनकी कड़ी मेहनत का फल मिला। किशन ने लिखा- पिछले कुछ महीनों में आपने बहुत सी चीजों का सामना किया, फिर भी आप शांत और केंद्रित रहे। और आज भैया आपको अपनी कड़ी मेहनत, ईमानदारी और निष्ठा का परिणाम मिला।

मैं और भी बहुत कुछ महसूस करता हूं और कहना चाहता हूं लेकिन शब्द कम पड़ जाएंगे। किशन ने इंस्टाग्राम पर लिखा, आप एक चैंपियन हैं और आप दुर्लभ हैं। किशन ने टी20 विश्व कप जीत के बाद हार्दिक पंड्या से मुलाकात का एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर साझा किया। भारत के विकेटकीपर-बल्लेबाज ने ऑलराउंडर से मिलने के बाद उसे गले लगाया।

बैडमिंटन

प्रियांशु राजावत ने किया उलटफेर, डेनमार्क के इस खिलाड़ी को हराकर कनाडा ओपन के सेमीफाइनल में पहुंचे

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत के युवा बैडमिंटन खिलाड़ी प्रियांशु राजावत ने बड़ा उलटफेर करते हुए दुनिया के चौथे नंबर के खिलाड़ी डेनमार्क के एंडर्स एंटोनसेन को हराया। राजावत ने एंटोनसेन को हराकर अपने करियर की सबसे बड़ी जीत दर्ज की। राजावत शानदार लय में दिख रहे हैं और उन्होंने अपना प्रदर्शन इस शीर्ष वरीय खिलाड़ी के खिलाफ भी जारी रखा और कनाडा ओपन बैडमिंटन टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया।

विश्व में 39वें नंबर के खिलाड़ी राजावत ने एक घंटे 19 मिनट तक चले क्वार्टर फाइनल मैच में एंटोनसेन को 21-11, 17-21, 21-19 से हराया। यह पहला अवसर है जब इस 22 वर्षीय भारतीय खिलाड़ी ने शीर्ष 10 में शामिल किसी खिलाड़ी को हराया। राजावत दूसरी बार विश्व टूर सुपर 500 टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में पहुंचे हैं जहां उनका सामना फ्रांस के अलेक्स लेनियर से होगा। राजावत ने अच्छी शुरुआत की तथा पहले गेम में एक समय वह 7-4 से आगे थे। एंटोनसेन ने हालांकि जल्द ही स्कोर 9ङ्क9 से बराबर कर दिया। भारतीय खिलाड़ी ने इसके बाद लगातार पांच अंक बनाए। एंटोनसेन ने फिर वापसी की कोशिश की, लेकिन राजावत ने लगातार सात अंक बनाकर पहला गेम अपने नाम कर दिया।

महिला टी20 एशिया कप में हरमनप्रीत कप्तान, पहला मुकाबला होगा पाकिस्तान से

मुंबई, एजेंसी। हरमनप्रीत कौर 19 जुलाई से श्रीलंका में होने वाले महिला टी20 एशिया कप के लिए 15 सदस्यीय भारतीय टीम की अगुआई करेंगी।

हरमनप्रीत अभी चेन्नई में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ चल रही टी20 श्रृंखला में खेल रही हैं। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ श्रृंखला में शानदार फॉर्म में चल रही सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना को उप-कप्तान बनाया गया है। मुख्य टीम की 15 खिलाड़ियों के अलावा श्वेता सहरावत, साइका इशाक, तनुजा कंवर और मेघना सिंह को रिजर्व खिलाड़ियों के तौर पर शामिल किया गया है। भारत को टूर्नामेंट के ग्रुप ए में रखा गया है जिसमें चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान (19 जुलाई), संयुक्त अरब अमीरात (21 जुलाई) और नेपाल (23 जुलाई) शामिल हैं। सभी मैच रंगिरी दांबुला अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम में खेले जायेंगे।

भारत गत विजेता है और उसने रिकॉर्ड सात बार प्रतियोगिता जीती है।

भारतीय टीम:

हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना (उपकप्तान), शेफाली वर्मा, दीप्ति शर्मा, जेमिमा रोड्रिग्स, ऋचा घोष (विकेटकीपर), उमा छेत्री (विकेटकीपर), पूजा वस्त्रकार, अरुंधति रेड्डी, रेणुका सिंह ठाकुर, दयालन हेमलता, आशा शोभना, राधा यादव, श्रेयंका पाटिल और सजना सजीवन।

रिजर्व: श्वेता सहरावत, साइका इशाक, तनुजा कंवर और मेघना सिंह।

ओलंपिक से पहले विनेश फोगाट का दमदार प्रदर्शन, स्पेन ग्रां प्री के फाइनल में जीता स्वर्ण पदक

नई दिल्ली, एजेंसी। दो बार की विश्व चैम्पियनशिप कांस्य पदक विजेता विनेश ने फाइनल में मारिया तियुमेरेकोवा को 10-5 से हराकर पहला स्थान हासिल किया।

पेरिस ओलंपिक के लिए क्वलिफाई कर चुकी भारतीय पहलवान विनेश फोगाट ने शनिवार को स्पेन ग्रां प्री में महिलाओं के 50 किग्रा का स्वर्ण पदक जीता। दो बार की विश्व चैम्पियनशिप कांस्य पदक विजेता विनेश ने फाइनल में मारिया तियुमेरेकोवा को 10-5 से हराकर पहला स्थान हासिल किया। विनेश को बुधवार को आखिरी समय में शेंगेन वीजा मिला था और उन्होंने बिना किसी परेशानी के तीन मुकाबले जीतकर फाइनल में जगह बनाई थी।

29 वर्षीय विश्व चैंपियनशिप पदक विजेता ने पहले क्यूबा की युस्नेलिस गुजमैन को अंकों के आधार पर 12-4 से हराया।

इसके बाद उन्होंने क्वार्टर फाइनल में बर्मिंघम में 2022 राष्ट्रमंडल खेलों में रजत पदक विजेता कनाडा की मैडिसन पार्क्स के खिलाफ जीत दर्ज की। सेमीफाइनल में, विनेश ने एक अन्य कनाडाई केटी डचक को अंकों के आधार पर 9-4 से हराया।

संक्षिप्त समाचार

जहरीले कोबरा को शैंपू लगाया, यूं रगड़ रगड़कर नहलाया

लंदन , एजेंसी। सांपों का नाम सुनते ही लोगों के रोंगटे खड़े हो जाते हैं। यह ऐसे जीव है, जिसका इंसानों में खौफ बेहद ज्यादा है। वहीं किंग कोबरा का तो नाम सुनते ही लोग कांप जाते हैं। किंग कोबरा काट ले तो आधे घंटे से कम वक्त में इंसान मर सकता है, लेकिन एक शख्स किंग कोबरा को शैंपू से नहलाने का काम कर रहा है। जिसे देखकर हर कोई हैरान रह गया। ट्विटर अकाउंट पर अक्सर जानवरों से जुड़े वीडियोज पोस्ट किए जाते हैं। हाल ही में एक हैरान करने वाला वीडियो शेयर किया गया है जिसमें एक शख्स किंग कोबरा को नहलाता नजर आ रहा है। सांपों को नहलाया इस वजह से जाता है क्योंकि उनके अंदर दुर्गंध आने लगती है। इसके अलावा कई बार उन्हें गर्मी के दिनों में नहला दिया जाता है, जिससे उनका तापमान सामान्य रहे। वो अक्सर गंदी जमीनों पर रेंगते हैं तो उनके शरीर पर गंदगी जम जाती है। वीडियो में शख्स के सामने एक काफी बड़ा और मोटा किंग कोबरा सांप मौजूद है। उसने अपना फन उठाया हुआ है। शख्स उसके पास ही बैठा है। सबसे पहले वो शैंपू को हाथ में लेकर उसके ऊपर लगाता है। ऊपर से नीचे तक वो शैंपू लगा देता है। सांप उसे कुछ नहीं कर रहा है, शायद वो उसका पालतू होगा। फिर वो पानी से नहलाने लगता है। ये देखकर लोग काफी हैरान लग रहे हैं। वीडियो को 12 लाख व्यूज मिले हैं।

भारत ने श्रीलंका के स्कूलों को दान किए 30 करोड़ रुपए के डिजिटल उपकरण, राष्ट्रपति बोले- थैंक्यू मोदी जी

कोलंबो , एजेंसी। भारत ने शनिवार को श्रीलंका के दक्षिणी प्रांत के 200 स्कूलों के उपयोग के लिए 30 करोड़ रुपए मूल्य के 2,000 टैब सहित डिजिटल उपकरण दान किए और इसे भावी पीढ़ी के लिए एक परियोजना बताया। दक्षिणी जिले गाले में आयोजित एक समारोह में राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे और भारतीय उच्चायुक्त संतोष झा ने भाग लिया और शिक्षा के क्षेत्र में आधुनिकीकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया। समारोह में दक्षिणी प्रांत के 200 स्कूलों के लिए 2,000 टैब प्रदान किए गए। राष्ट्रपति के मीडिया प्रभाग (पीएमडी) की ओर से जारी एक बयान में कहा गया, स्वास्थ्य और उद्योग मंत्री डॉ. रमेश पथिराना के अनुरोध के बाद भारत सरकार ने इस परियोजना के लिए दक्षिणी प्रांतीय परिषद को 30 करोड़ रुपए आवंटित किए हैं। चयनित 200 स्कूलों में से 150 गाले जिले में हैं, जबकि शेष 50 हंबनटोटा और मटारा जिलों में हैं। बयान में कहा गया कि इसके अलावा 2,000 टैब वितरित किए गए, जिनमें से 200 कक्षाओं में से प्रत्येक को 10 टैब मिले। राष्ट्रपति ने कहा कि हम आधुनिक प्रौद्योगिकी को आगे बढ़ाने में पड़ोसी देश भारत द्वारा दिए गए सहयोग की गहराई से सराहना करते हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने श्रीलंका में भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान का कैम्पस स्थापित करने में रुचि व्यक्त की है, जिसकी अत्यधिक सराहना की जाती है। इसके अलावा, भारत के साथ ऊर्जा क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने के लिए बातचीत सफलतापूर्वक आगे बढ़ रही है।

सिडनी के एक घर में आग लगने से तीन बच्चों की मौत, पुलिस को हत्या की आशंका

सिडनी, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया के सिडनी शहर में एक बड़ा हादसा हो गया। देर रात सिडनी के एक घर में आग लगने से 10 महीने के बच्चे सहित तीन बच्चों की मौत हो गई। ऑस्ट्रेलियाई पुलिस ने इसकी जानकारी दी है, हालांकि ऑस्ट्रेलियाई पुलिस इस घटना को हत्या मान रही है। पुलिस ने इस घटना के बारे में आगे जानकारी देते हुए कहा, सिडनी के सिटी सेंटर से लगभग 35 किमी (20 मील) पश्चिम में लालोर पार्क पर देर रात 1 बजे आपातकालीन सेवाओं को बुलाया गया। पुलिस ने ये भी बताया कि दो और चार साल की उम्र के दो लड़कों का घटनास्थल पर ही इलाज किया गया, लेकिन अस्पताल ले जाने के तुरंत बाद उनकी मौत हो गई, जबकि आग बुझने के बाद 10 महीने की एक लड़की भी मृत पाई गई। बता दें कि अस्पताल में छह से 11 साल की उम्र के चार अन्य बच्चों की हालत स्थिर है, साथ ही बच्चों की मां 29 वर्षीय महिला का अस्पताल में इलाज किया जा रहा है। होमिसाइड स्क्वाड के कमांडर डिटेक्टिव सुपरिटेंडेंट डैनी डोहर्टी ने इस घटना को लेकर कहा कि होमिसाइड स्क्वाड के जासूसों ने जांच का कंट्रोल अपने हाथ में ले लिया है और इसे घरेलू-संबंधित मानवहत्या मान रहे हैं। बताया जा रहा है इस घटना के लिए 28 साल का युवक जिम्मेदार है, कहा जा रहा है सिडनी में आग लगने के पीछे इसी का हाथ है। 28 साल का ये शख्स युवा जिंदगियों की कई मौतों के लिए जिम्मेदार है।

रूस को पीएम मोदी की मॉस्को यात्रा को लेकर काफी उम्मीदें, क्रेमलिन प्रवक्ता ने कही ये बात

मॉस्को , एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के रूस दौरे को लेकर क्रेमलिन आशान्वित है। क्रेमलिन के प्रवक्ता दिमित्री पेसकोव ने शनिवार को कहा कि रूस को नरेन्द्र मोदी की मॉस्को यात्रा को लेकर उम्मीदें हैं, जो रूस-भारत संबंधों के लिए महत्वपूर्ण है। प्रधानमंत्री मोदी 22वें भारत-रूस वार्षिक शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के निमंत्रण पर आठ से नौ जुलाई तक मॉस्को में रहेंगे। रूस के सरकारी टेलीविजन चैनल वीजीटीआरके को दिए साक्षात्कार में पेसकोव ने कहा कि मॉस्को में प्रधानमंत्री मोदी का व्यापक कार्यक्रम होगा। रूस-भारत में रणनीतिक साझेदारी हैं। हमें उम्मीद है कि दोनों राष्ट्राध्यक्ष अनौपचारिक तरीके से भी बातचीत कर सकेंगे। पेस्कोव ने कहा कि क्रेमलिन में प्रतिनिधिमंडल स्तर की वार्ता भी होगी। यह लगभग पांच वर्षों में मोदी की पहली रूस यात्रा होगी। रूस की उनकी पिछली यात्रा 2019 में हुई थी।

किएर स्टार्मर के मंत्रिमंडल में भारतीय और पाक मूल की महिला सांसद

लंदन , एजेंसी। ब्रिटेन के आम चुनाव में लेबर पार्टी में धमाकेदार जीत हुई है। इस एकतरफा जीत में लेबर पार्टी को हाउस ऑफ कॉमंस की कुल 650 सीटों में से 412 सीटें मिली हैं। वहीं, कंजर्वेटिव पार्टी को मात्र 121 सीटें मिली। चुनाव में पूर्व पीएम ऋषि सुनक की भी हार हुई। वहीं, अब लेबर पार्टी के नेता किएर स्टार्मर ब्रिटेन के नए पीएम बन गए हैं। किएर ने कैबिनेट का भी गठन कर लिया है, जिसमें दो नाम सबसे ज्यादा चर्चा में हैं।

चौंकाने वाली बात ये है कि 19 भारतीय मूल के सांसद होने के बावजूद केवल एक भारतीय मूल की सांसद लिसा नंदी ही नए ब्रिटिश प्रधानमंत्री के मंत्रिमंडल में जगह बना पाई हैं। किएर की कैबिनेट बोरिस जॉनसन के मंत्रिमंडल से बिल्कुल अलग है, जो ब्रिटिश इतिहास में सबसे विविध थी। दूसरी ओर पीओके मूल की ब्रिटिश सांसद शबाना महमूद को किएर ने न्याय सचिव बनाया है। शबाना कश्मीर को लेकर भारत सरकार की कड़ी आलोचना करती रही हैं।

कौन है लिसा नंदी : मैनचेस्टर में जन्मी भारतीय मूल की 44 वर्षिय लिसा नंदी स्टारमर की कैबिनेट में संस्कृति, मीडिया और खेल मंत्री बनी हैं। इससे पहले वो शैडो कैबिनेट में शैडो विदेश मंत्री सहित कई भूमिकाएं निभा चुकी हैं। लिसा के पिता दीपक नंदी, कोलकाता में जन्मे शिक्षाविद हैं। ब्रिटेन के निवासी दीपक नंदी ने लेबर पार्टी की 1976 में नस्ल संबंध विधेयक का मसौदा तैयार करने में मदद की थी। उनकी मां एन लुइस बायर्स हैं, जो खुद लेबर पार्टी की बड़ी नेता रह चुकी हैं।

भारत के खिलाफ बयान दे चुकी महमूद : पाकिस्तान मूल की ब्रिटिश सांसद शबाना महमूद को ब्रिटिश पीएम किएर ने न्याय सचिव बनाया है। शबाना महमूद विपक्ष में शैडो न्याय सचिव भी थीं। शबाना ने 2019 में पूर्व पीएम बॉरिस जॉनसन को लिखे एक पत्र पर हस्ताक्षर किए थे, जिसमें उन्हें भारतीय सरकार के कार्यों की कड़ी निंदा करने और कथित रूप से कश्मीर के खिलाफ अनुच्छेद 370 को अवैध और असंवैधानिक रूप से हटाने का आह्वान किया था।

बर्मिंघम में पैदा हुई हैं शबाना : शबाना महमूद का जन्म बर्मिंघम में हुआ है और उनके माता-पिता पीओके के मीरपुर के बाब-ए-यम गांव में पैदा हुए थे। शबाना कई बार हाउस ऑफ कॉमन्स में कश्मीर का राग अलाप चुकी है। भारतवंशी इकबाल ने ब्रिटेन में जीता निर्दलीय चुनाव, आगरा में जन्मे आलोक अब हाउस ऑफ लार्ड्स में जमाएंगे धाक। ब्रिटेन में हुए चुनाव में गुजरात के भरूच के मूल निवासी इकबाल मोहम्मद अहमदाबादी ने निर्दलीय चुनाव जीता। वह वेस्ट यार्कशायर के ड्यूजबरी और बैटले निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव मैदान में थे। इकबाल मूल रूप से भरुच के टंकारिया गांव के रहने वाले हैं। उल्लेखनीय है कि 1907 के बाद पहली बार यार्कशायर में एक स्वतंत्र उम्मीदवार ने चुनाव जीता है। ड्यूजबरी और बैटले निर्वाचन क्षेत्र में इकबाल मोहम्मद की जीत शानदार रही। उन्हें वेस्ट यार्कशायर सीट पर 41 प्रतिशत वोट मिले। भारतीय मूल के कंजर्वेटिव पार्टी के पूर्व सांसद आलोक शर्मा अब हाउस ऑफ लॉर्ड्स में बैठेंगे। ब्रिटेन के राजा किंग चार्ल्स ने उन्हें उच्च सदन के लिए मनोनीत किया है। शर्मा ने हाल में संपन्न हुए चुनाव में इस बार एमपी का चुनाव न लड़ने का फैसला किया था। आगरा में जन्मे 56 वर्षीय शर्मा, दो साल पहले जलवायु शिखर सम्मेलन के अध्यक्ष के रूप में जलवायु परिवर्तन से निपटने के उपाय तैयार करने में योगदान दे चुके हैं। इसके लिए पिछले साल किंग चार्ल्स ने नववर्ष की सम्मान सूची में उन्हें सर आलोक के रूप में नाइट की उपाधि से नवाजा था। उन्हें अब लॉर्ड आलोक शर्मा के नाम से भी जाना जाता है। शर्मा, निवर्तमान प्रधानमंत्री ऋषि सुनक द्वारा पारंपरिक डिसोल्यूशन पीयरेज के लिए किए गए सात नामांकित लोगों में से एक थे। अन्य लोगों में पूर्व प्रधानमंत्री थेरेसा मे भी शामिल हैं।

सुनक सरकार की इस महत्वकांक्षी योजना को कीर स्टार्मर ने बंद करने का एलान किया

लंदन , एजेंसी। ब्रिटेन के नवनिर्वाचित प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर ने शनिवार को बतौर पीएम अपना कार्यभार संभाल लिया। अपने कार्यकाल के पहले ही दिन उन्होंने पूर्ववर्ती ऋषि सुनक सरकार की महत्वकांक्षी योजना रवांडा बिल को बंद करने का एलान कर दिया। उन्होंने कहा कि यह योजना शुरू होने से पहले ही खत्म हो गई है और इसे दफन कर दिया गया है। कीर स्टार्मर ने अपने दिन की शुरुआत कैबिनेट की बैठक के साथ की और अपनी सरकार की वित्त मंत्री रेसेल रीव्स और नए विदेश मंत्री डेविड लैमी के साथ बैठक की। इस दौरान उन्होंने कहा कि हमारे पास करने के लिए बहुत काम है, इसलिए अब हमें काम पर जुट जाना चाहिए। बैठक के बाद एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए कीर स्टार्मर ने रवांडा बिल योजना को बंद करने का एलान किया। उन्होंने कहा रवांडा योजना शुरू होने से पहले ही खत्म होकर दफन हो गई है। मैं इस नौटंकी को जारी रखने के पक्ष में नहीं हूं।

क्या थी रवांडा योजना ब्रिटेन में अवैध अप्रवासियों का आगमन एक बड़ी समस्या है और आम चुनाव के दौरान भी यह एक प्रमुख मुद्दा रहा। इस समस्या से निपटने के लिए सुनक सरकार ने रवांडा योजना पेश की थी। बता दें कि साल 2022 में तत्कालीन ब्रिटिश प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन ने ब्रिटेन और रवांडा के बीच पांच वर्षीय समझौता किया था। इस समझौते का मकसद असुरक्षित और अनधिकृत रास्तों से ब्रिटेन में हो रहे अवैध अप्रवासन को रोकना था। खासकर उस अप्रवासन को रोकना जो छोटी नावों के जरिए इंग्लिश चैनल (समुद्री मार्ग) के रास्ते से होता है। गैरकानूनी तरीके से ब्रिटेन में घुसने के लिए अत्यधिक जोखिम वाले रास्तों का सहारा लिया जाता है तो इससे कई बार मौतें भी होती हैं और इस क्षेत्र में मानव तस्करी को भी बढ़ावा मिलता है। यही वजह है कि रवांडा प्लान के तहत ब्रिटेन में गैरकानूनी तरीके से आ चुके लोगों को प्रवासन की प्रक्रिया के तहत शरण देने और कुछ को रंवाडा भेजने की योजना थी। रवांडा ने शुरुआती पांच साल तक पायलट प्रोजेक्ट के तौर पर हर साल 1,000 शरणार्थियों को लेने पर सहमति दी थी। हालांकि मानवाधिकार समूहों और वकीलों ने इस योजना का विरोध किया और इसे अदालत में चुनौती दी। सुप्रीम कोर्ट ने नॉन रिफॉलमेंट सिद्धांत के उल्लंघन पर चिंता जताई।

जंग के बीच हमास का रुख नरम, बिना शर्त स्थायी युद्ध विराम के लिए बातचीत को तैयार

यरुशलम, एजेंसी। हमास और इस्राइल बीते नौ महीने से जंग लड़ रहे हैं। इस्राइल द्वारा हमास को खत्म करने का संकल्प गाजा पट्टी के लोगों पर भारी पड़ रहा है। गाजा में पैदा हुई मानवीय परिस्थितियों को लेकर देशभर में आक्रोश बढ़ता जा रहा है। इस बीच, हमास का रुख कुछ नरम होता दिख रहा है। वह किसी भी समझौते पर पहुंचने से पहले इस्राइल पर लगातार स्थायी युद्धविराम के लिए दबाव डालने की अपनी जिद पर पुनर्विचार करने के लिए तैयार है। गाजा में युद्ध विराम तक पहुंचने के लिए चल रहे प्रयासों में यह बयान एक महत्वपूर्ण पल है। हमास लगातार कई मांगे रखता आ रहा है। हालांकि अब वह बिना किसी शर्त के एक अस्थायी युद्ध विराम पर बातचीत शुरू करने के लिए तैयार है। हमास के एक वरिष्ठ अधिकारी ने नाम न छापने की शर्त पर बताया कि संशोधित दृष्टिकोण से समझौते के प्रारंभिक चरण के दौरान स्थायी युद्धविराम पर बातचीत जारी रखने की अनुमति मिल जाएगी, जिसके छह सप्ताह तक चलने की उम्मीद है। महत्वपूर्ण बात यह है कि मध्यस्थ अस्थायी युद्धविराम के कार्यान्वयन को सुनिश्चित करेंगे, गाजा में मानवीय सहायता पहुंचाने में सुविधा प्रदान करेंगे, तथा वार्ता जारी रहने तक इस्राइली सैनिकों की वापसी की निगरानी करेंगे।

36 की उम्र तक महिला ने पैदा किए 44 बच्चे, बताया किस लिए उठाया ये कदम

लंदन , एजेंसी। वर्तमान में महंगाई के जमाने जहां महिलाएं एक या दो बच्चों से ज्यादा बच्चे नहीं पैदा करना चाहता है। लेकिन दुनिया में एक महिला ऐसी भी है जिसने महज 36 साल की उम्र में 44 बच्चों को पैदा किया। युगांडा की एक महिला है जो 44 बच्चों को जन्म देने के लिए जानी जाती है का नाम मरियम नबातनज़ी बबिरिए है। उसका जन्म साल 1980 में हुआ था। बबिरिये के अनुसार, उसकी मां ने उसके जन्म के तीन दिन बाद ही उसके परिवार और उसके पांच भाइयों को छोड़ दिया था। जब वह 7 साल की थी तब उसकी सौतेली मां ने उसके बड़े भाई-बहनों के भोजन में कटा हुआ गिलास मिला दिया जिससे वे सभी मर गए।

उस वक्त बबिरिए किसी रिश्तेदार से मिलने गई हुई थी इसलिए वह बच गई। महिला जब 12 साल की थी तब 40 साल के एक शख्स के साथ उसकी जबरन शादी करा दी गई। जिस शख्स से मरियम की शादी हुई थी उसने कई और शादियां भी की थी। मरियम उसकी पांचवी पत्नी है। 13 साल की उम्र में महिला ने बच्चों को पैदा करना शुरू किया। 36 साल की उम्र तक महिला ने कुल 44 बच्चों को जन्म दिया। फिलहाल महिला की उम्र 44 साल है और उसके 38 बच्चे अभी भी जिंदा है। जिनमें से 10 लड़कियां हैं और 28 लड़के हैं। महिला के सबसे बड़ी संतान की उम्र 31 साल है और सबसे छोटे की उम्र 6 साल है। मरियम ने अपनी छठी डिलीवरी के बाद, और बच्चे न हो इसके लिए एक डॉक्टर से संपर्क किया। लेकिन डॉक्टर ने उसे बताया कि अगर वह बच्चे पैदा करना बंद करने की कोशिश करेगी तो वह जल्द ही मर जाएगी इसलिए डॉक्टर ने उसे तब तक बच्चे पैदा करने की सलाह दी जब तक उसके अंडाशयों की संख्या कम न हो जाए। उस वक्त मरियम की उम्र 23 साल

थी और उसने तब तक 25 बच्चों को पैदा किया था। 2015 में, बबेरिय के पति ने 42 बच्चों का भरण-पोषण करने में असमर्थ होने के कारण परिवार को छोड़ दिया। लेकिन उससे पहले ही बबेरिये अपने जुड़वा बच्चों के साथ गर्भवती हो गई थी। बाद में अपने बच्चों को पालने के लिए उसने अपना घर बेच दिया। उनकी और उनके बच्चों की देखभाल उनकी दादी ने की थी, लेकिन जब उनकी दादी का निधन हो गया, तो उनके रिश्तेदारों ने उन्हें अपने बच्चों को रखने के लिए घर में रहने की अनुमति दे दी थी। मरियम ने सिर्फ 1 बच्चे को छोड़ अपने ज्यादातर बच्चों को घर पर ही जन्म दिया। मरियम ने 6 बार जुड़वां बच्चों को, 4 बार तिड़वां बच्चों को और 3 बार एक साथ 4-4 बच्चों को जन्म दिया। साल 2015 में महिला के पति ने उसे यह कहते हुए छोड़ दिया कि वह इतने बच्चों का पालन पोषण नहीं कर सकता। डॉक्टरों के मुताबिक, मरियम नबातनज़ी बबिरिये के अंडाशयों की संख्या समान्य महिलाओं के मुकाबले अधिक है। जिससे एक साथ उनके कई बच्चे होते हैं।

जेल से बड़ी साजिश रच रहे इमरान खान, पीएम के सलाहकार राणा सनाउल्लाह का दावा- अधिकारियों के पास इसके सबूत

रावलपिंडी, एजेंसी। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ के राजनीतिक मामलों के सलाहकार राणा सनाउल्लाह ने इमरान खान पर बड़ा आरोप लगाया है। राणा ने पूर्व पीएम इमरान पर जेल से पाकिस्तान में अराजकता फैलाने का आरोप लगाया।

अराजकता फैलाने का आरोप : राणा ने दावा किया कि जेल में बंद पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के संस्थापक इमरान खान राजनीतिक अराजकता फैलाने की साजिश रच रहे हैं। सनाउल्लाह ने कहा कि इमरान खान को जेल परिसर के अंदर राजनीतिक बैठकें करने से अदालत ने प्रतिबंधित कर दिया है। सनाउल्लाह ने कहा कि पीटीआई संस्थापक जेल में रहते हुए अराजकता फैलाने की योजना बना रहे थे। उन्होंने जेल अधिकारियों के पास इसके सबूतों होने का भी इशारा किया।

ऑडियो-वीडियो सबूत होने का दावा : इमरान खान की कथित गतिविधियों के सबूत के बारे में पूछे जाने पर सनाउल्लाह ने कहा कि हमारे पास खुद ऑडियो या वीडियो सबूत नहीं हैं, लेकिन जेल के अंदर सुरक्षा के लिए जिम्मेदार लोगों के पास ये सबूत हैं।

इमरान ने नेताओं को नहीं मिलने दिया : सनाउल्लाह की टिप्पणी पूर्व सत्तारूढ़ पार्टी के नेताओं की शिकायतों के बाद आई है, जिन्होंने दावा किया कि कई घंटों तक इंतजार करने के बावजूद उन्हें अदियाला जेल में इमरान खान से मिलने नहीं दिया गया। प्रधानमंत्री के सलाहकार ने मुहर्रम के पवित्र महीने के दौरान इस्लामाबाद में रैली करने के पीटीआई के फैसले की भी आलोचना की, उन्होंने सुझाव दिया कि इसका उद्देश्य राजनीतिक उथल-पुथल पैदा करना था। सनाउल्लाह ने कहा कि इमरान खान की गिरफ्तारी के बाद 9 मई 2023 को हुए दंगों के दौरान विदेशी तत्वों ने पाकिस्तान को अस्थिर करने के इरादे से पीटीआई का समर्थन किया। उन्होंने कहा दुश्मन देश पीटीआई के माध्यम से पाकिस्तान में अराजकता फैलाने का लक्ष्य रखे हुए है। उन्होंने यह भी कहा कि अगर रैली होने दी गई तो देश में अराजकता फैलने का खतरा होगा।

ईरान और पाकिस्तान ने फिर वापस भेजे 12 हजार अफगानी शरणार्थी; मानवीय संकट गहराया

काबुल , एजेंसी। पिछले चार दिनों में ईरान और पाकिस्तान ने लगभग 12,000 अफगान प्रवासियों को निर्वासित कर दिया है। तालिबान के शरणार्थी मंत्रालय ने एक बयान में कहा है कि 11,997 अफगान प्रवासियों को पाकिस्तान और ईरान की सरकारों ने अपने देश से निष्कासित कर दिया है। सभी शरणार्थी अफगानिस्तान लौट आए हैं। ईरान और पाकिस्तान से निष्कासित किए गए लोग 3 से 6 जुलाई के बीच तोरघुंडी, स्पिन बोल्डक, इस्लाम कला-हेरात और अब्रेशिम-निमरुज बॉर्डर से अफगानिस्तान में प्रवेश कर गए।

खामा प्रेस की रिपोर्ट के मुताबिक, अंतर्राष्ट्रीय प्रतिक्रिया के बावजूद मानवीय संकट के बीच ईरान और पाकिस्तान से अफगान प्रवासियों को निर्वासित करने का सिलसिला जारी है। इससे पहले ईरान और पाकिस्तान से 13,447 अफगान प्रवासियों को निष्कासित कर दिया गया था। अफगानिस्तान में मानवीय संकट गहराया बता दें कि ईरान और पाकिस्तान से अफगान शरणार्थियों को जबरन वापस भेजे जाने से अफगानिस्तान में मानवीय संकट गहरा गया है। दरअसल, जो प्रवासी निर्वासित किए गए हैं उनमें से कईयों को अफगानिस्तान लौटने के बाद अनिश्चित भविष्य का सामना करना पड़ रहा है, क्योंकि अफगानिस्तान इस समय आर्थिक अस्थिरता और जरूरी बुनियादी सेवाओं की कमी का सामना कर रहा है। मानवीय संगठनों के सामने मदद करने में मुश्किल आ रही उधर अफगानिस्तान वापस लौटने वालों शरणार्थियों की अचानक बढ़ोतरी से मानवीय संगठनों को सभी को एक साथ मदद करने में मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है। वहीं, दुनिया भर के मानवाधिकार समूहों और संगठनों ने बड़े पैमाने पर निर्वासन की निंदा की है और अफगान निर्वासितों की सुरक्षा के बारे में चिंता जताई है।

हमास ने गाजा में स्थायी युद्धविराम की शर्त छोड़ी, इजरायली बंधकों को रिहा करने को तैयार

काहिरा। , एजेंसी। हमास ने गाजा में स्थायी युद्धविराम की अपनी मांग छोड़ दी है और वह अस्थायी युद्धविराम के बीच इजरायली बंधकों को रिहा करने को तैयार है। हमास के अधिकारियों ने कहा है कि अमेरिका के शांति प्रस्ताव को स्वीकार करने पर संगठन सहमत है। इस बीच इजरायल के ताजा हमलों में 29 फलस्तीनियों के मारे जाने की सूचना है। इनमें पांच स्थानीय पत्रकार भी शामिल हैं। इन्हें मिलाकर गाजा युद्ध में मरने वाले पत्रकारों की संख्या 158 हो गई है।

अब गेंद इजरायल के पाले में : सूत्रों के अनुसार हमास ने छह हफ्ते के अस्थायी युद्धविराम की अमेरिकी प्रस्ताव की शर्त को मान लिया है और इसी दौरान इजरायली बंधकों और फलस्तीनी कैदियों की रिहाई के संबंध में वार्ता होगी। एक फलस्तीनी अधिकारी ने कहा है कि अब गेंद इजरायल के पाले में है। उसे नौ महीने से चले आ रहे गाजा युद्ध को रोकने के बारे में फैसला लेना है, हमास इजरायली बंधकों की रिहाई के लिए तैयार है।

इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने अभी इस पर कोई प्रतिक्रिया व्यक्त नहीं की है। इससे पहले वह गाजा में हमास को खत्म करने के बाद ही सैन्य कार्रवाई रोकने की बात कहते रहे हैं। इधर, अमेरिका में बाइडन प्रशासन की कोशिश है कि गाजा में जल्द से जल्द युद्ध रुक जाए और इजरायली बंधकों की रिहाई हो जाए जिससे नवंबर में होने वाले राष्ट्रपति चुनाव के लिए सत्तारूढ़ डेमोक्रेटिक पार्टी की स्थिति मजबूत हो सके। गाजा में इजरायली सेना के हमले जारी हैं। मिस्त्र सीमा पर बसे शहर रफाह में भीषण लड़ाई चल रही है। शनिवार को इन हमलों में 29 लोग मारे गए और 100 लोग घायल हुए। इन्हें मिलाकर बीते नौ महीनों में इजरायली हमलों में कुल 38,098 फलस्तीनी मारे गए हैं।

गाजा स्कूल पर इजरायली हमले में 16 लोग मारे गए : शनिवार को मध्य गाजा में विस्थापित फिलिस्तीनी परिवारों को आश्रय देने वाले एक स्कूल पर इजरायली हमले में कम से कम 16 लोग मारे गए। इसकी जानकारी फिलिस्तीनी स्वास्थ्य मंत्रालय ने दी। वहीं, इस हमले को लेकर इजरायल ने कहा कि उसने हमले में आतंकवादियों को निशाना बनाया था। स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा कि अल-नुसीरात में स्कूल पर हुए हमले में कम से कम 16 लोग मारे गए और 50 से अधिक घायल हो गए।

कई घायलों की हालत गंभीर : इज़रायली सेना ने कहा कि उसने नागरिकों के लिए जोखिम को कम करने के लिए सावधानी बरतने के बाद, आसपास के क्षेत्र में सक्रिय बंदूकधारियों को निशाना बनाया। गाजा सिविल इमरजेंसी सर्विस के प्रवक्ता महमूद बसल ने एक बयान में कहा कि मृतकों की संख्या बढ़ सकती है क्योंकि कई घायलों की हालत गंभीर है। उन्होंने कहा, इलाके में कोई भी जगह उन परिवारों के लिए सुरक्षित नहीं है जो आश्रय की तलाश में अपने घर छोड़ देते हैं।

सिटी टाइगर

विन्ध्य टाइगर | सीधी, सोमवार 08 जुलाई 2024 | 8

उप-मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ला ने आज केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने भोपाल स्थित आवास में सौजन्य भेंट की। उन्होंने उप मुख्यमंत्री से विभिन्न समसामयिक विषयों पर चर्चा की। खाद्य नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री गोविंद सिंह राजपूत उपस्थित थे।

मरीजों को सहज और गुणवत्ता पूर्ण स्वास्थ्य सेवाओं का प्रदाय सुनिश्चित करें : उप-मुख्यमंत्री

चिकित्सा महाविद्यालय के अधिष्ठाताओं ने विभाग के सशक्तिकरण के प्रयासों के लिए आभार व्यक्त किया

रीवा। उप-मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल से मध्यप्रदेश के चिकित्सा महाविद्यालयों के अधिष्ठाताओ ने भोपाल के निवास कार्यालय में सौजन्य भेंट की। अधिष्ठाताओं ने पे-प्रोटेक्शन, लीव-प्रोटेक्शन, सर्विस-प्रोटेक्शन और नॉन-प्रैक्टिसिंग एलाउंस के बारे में उप-मुख्यमंत्री श्री शुक्ल द्धारा किये जा रहे प्रयासों के लिये आभार व्यक्त किया और इन्हें शीघ्र लागू करने के लिये निवेदन किया। उप-मुख्यमंत्री श्री राजेंद्र शुक्ल ने निर्देश दिये कि चिकित्सा महाविद्यालयों में छात्रों की शिक्षा बेहतर करने के लिये प्रयास करें। समस्त अधिष्ठाता अस्पताल के अधीक्षकों के साथ समन्वय कर मरीजों को सहज और गुणवत्तापूर्ण चिकित्सकीय सेवाओं के प्रदाय के लिए व्यवस्थाएँ सुनिश्चित करें। अधिष्ठाताओं ने महाविद्यालय के संचालन, अधोसंरचना विकास एवं उन्नयन, प्रशासनिक व्यवस्था, वित्तीय आवश्यकता और मेंटेनेंस सहित अन्य महत्वपूर्ण आवश्यकताओं के संबंध में उप-मुख्यमंत्री श्री शुक्ल को अवगत कराया। उप-मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने शीघ्र आवश्यक सहयोग मुहैया कराने की बात कही। मेडिकल कॉलेज में प्रशासकीय अधिकारी (वित्त) की नियुक्ति, महाविद्यालयों के उन्नयन, हॉस्टल और अस्पतालों के सिविल और इलेक्ट्रिक उपकरणों के मेंटेनेंस, लेक्चर हॉल और प्रदर्शक रूम को स्मार्ट क्लास में विकसित करने के लिये बजट उपलब्ध कराने का अधिष्ठाताओं ने अनुरोध किया। राष्ट्रीय और अंतरर्राष्ट्रीय कांफ्रेंस मंल सहभागिता के लिये नीति बनाने का अनुरोध किया ताकि चिकित्सा शिक्षक और छात्र अपनी रिसर्च को विश्वस्तरीय प्लेटफार्म पर प्रस्तुत कर सकें। बैठक में डॉ प्रमेंद्र सिंह ठाकुर अधिष्ठाता बीएमसी सागर, डॉ कविता सिंह अधिष्ठाता जीएमसी भोपाल, डॉ धाकड अधिष्ठाता ग्वालियर, डॉ सुनील अग्रवाल अधिष्ठाता रीवा, डॉ परमहंस अधिष्ठाता शिवपुरी, डॉ मनीष निगम अधिष्ठाता विदिशा और डॉ मरावी अधिष्ठाता दतिया शामिल हुए।

प्लेसमेंट ड्राइव का आयोजन 10 जुलाई को

रीवा। शासकीय संभागीय आईटीआई रीवा में 10 जुलाई को प्रातः 10 बजे से प्लेसमेंट ड्राइव का आयोजन किया गया है। आईटीआई एवं 10वीं परीक्षा में 60 प्रतिशत अंकों के साथ प्रथम प्रयास में उत्तीर्ण युवक/युवतियाँ माइलान लेबोरेटरीज पीथमपुर इंदौर में भर्ती हेतु शामिल हो सकते हैं। प्राचार्य ने बताया कि फिटर, इलेक्ट्रीशियन, मैकेनिस्ट, टर्नर, वेंडर, एमएमव्ही के प्रशिक्षार्णिथी जिनकी आयु 18 से 25 वर्ष के बीच हो दस्तावेज व पासपोर्ट साइज के फोटोग्राफ्स के साथ नियत समय पर उपस्थित हो सकते हैं।

अवरूद्ध ईव्हीएम का निस्तारण आज

रीवा। उच्च न्यायालय में दायर प्रकरण के समाप्त होने पर अवरूद्ध ईव्हीएम का निस्तारण 8 जुलाई को शासकीय इंजीनियरिंग कालेज परिसर स्थिति ईव्हीएम वेयर हाउस में शाम 4 बजे किया जायेगा।

परीक्षा पूर्व प्रशिक्षण के लिये 10 जुलाई तक करें आवेदन

रीवा। अनुसूचित जाति एवं जनजाति वर्ग के विद्यार्थियों को मध्यप्रदेश राज्य सिविल सेवा मुख्य परीक्षा, बैंकिंग, रेलवे, एसएससी, बीमा तथा कर्मचारी चयन मंडल द्वारा आयोजित चयन परीक्षाओं के लिए प्रशिक्षण दिया जाएगा। परीक्षा पूर्व यह प्रशिक्षण ज्ञानोदय विद्यालय केन्द्रीय विद्यालय क्रमांक-एक के पास निःशुल्क दिया जायेगा। प्रशिक्षण में शामिल होने के लिए अनुसूचित जाति एवं जनजाति के पात्र आवेदक 10 जुलाई तक कार्यालय में उपस्थित होकर अथवा पंजीकृत डाक से आवेदन जमा कर सकते हैं। इसके लिए आवेदक की आयु 18 से 35 वर्ष तथा परिवार की वार्षिक आय 6 लाख रुपए कम होना आवश्यक है। आवेदक को न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता की परीक्षा में 55 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करना आवश्यक है। यदि आवेदकों की संख्या अधिक हुई तो अंकों के आधार पर सूची तैयार कर अधिकतम अंकों से क्रमशः चयन किया जाएगा। इस संबंध में संस्था के प्राचार्य ने बताया कि प्रशिक्षण के लिए चयन होने के बाद विद्यार्थी को पाँच सौ रुपए की सुरक्षा निधि तथा अनुबंध जमा करना आवश्यक होगा। सुरक्षा निधि प्रशिक्षण पूरा होने के बाद वापस की जाएगी। मध्यप्रदेश राज्य सिविल सेवा परीक्षा के लिए प्रशिक्षण की अवधि 12 माह की होगी। बैंकिंग, रेलवे, बीमा, एसएससी एवं कर्मचारी चयन मण्डल की परीक्षाओं के लिए प्रशिक्षण अधिकतम 6 माह का होगा। जिन परीक्षाओं में शामिल होने के लिए प्रवेश परीक्षा की अनिवार्यता है उनकी आवेदन के साथ ऑनलाइन पंजीयन का विवरण संलग्न करना अनिवार्य होगा। प्रशिक्षण के संबंध में अन्य विवरण टेलीफोन नम्बर 07662-299221 पर संपर्क करके प्राप्त किया जा सकता है। आवेदन पत्र आवश्यक दस्तावेजों के साथ ईमेल पीईटीसीआरईडब्ल्यूए एट द रेट जीमेल डॉट कॉम पर भी भेजे जा सकते हैं।

दुष्कर्म पीड़िता की इलाज के दौरान मौत, 2 दिन पहले खा लिया था जहर

रीवा। दुष्कर्म का शिकार हुई पीड़िता की हालत लगगातार बिगड़ने के बाद आज उसकी मौत हो गई। इलाज में जुटे चिकित्सकों की माने तो उसकी हालत अभी भी नाजुक बनी हुई थी और उसे ऑक्सीजन सपोर्ट पर रखा गया था। संजय गांधी अस्पताल के सीएमओ डॉक्टर अतुल सिंह ने बताया कि दुष्कर्म पीड़िता ने जहर खा कर आत्महत्या करने की कोशिश की थी, जिसे गंभीर अवस्था में संजय गांधी अस्पताल में भर्ती कराया गया था। फिलहाल पीड़िता 7 माह की गर्भवती भी थी, जिसने इलाज के दौरान आज दम तोड़ दिया।

बीती 4 जुलाई को मैहर जिले के मुकुंदपुर में नाबालिग युवती ने जहर खाकर आत्महत्या करने की नाकाम कोशिश की थी और उसे गंभीर अवस्था में संजय गांधी अस्पताल में भर्ती कराया गया था। दुष्कर्म का कथित आरोपी पीड़िता का रिश्तेदार बताया जा रहा है।

अस्पताल चौकी से मिली जानकारी के अनुसार, दुष्कर्म की घटना अप्रैल 2023 की बताई जा रही है। पीड़िता ने इसकी जानकारी पहले अपने घर वालों को भी नहीं दी थी। हालांकि गर्भ ठहरने के बाद शरीर में आ रहे परिवर्तन को देखते हुए पहली बार पीड़िता की मां को संदेह हुआ।

पूछे जाने पर उसने पूरे घटनाक्रम की जानकारी अपनी मां को दिया । हालांकि बदनामी के डर के कारण उसने जहर खाकर आत्महत्या करने की नाकाम कोशिश भी की।

ननि द्वारा 13 जुलाई को करों में दी जा रही छूट

रीवा। शासन द्वारा वर्ष 2024 में आयोजित होने वाली नेशनल लोक अदालतों में विभागीय समसंख्यक आदेश दिनांक 21.02.2024 द्वारा संपत्तिकर, जलकर, उपभोक्ता प्रभार एवं अन्य करों के मात्र अधिभार (सरचार्ज) में छूट प्रदान की गई है। संपत्तिकर, जलकर, उपभोक्ता प्रभार एवं अन्य करों के मात्र अधिभार (सरचार्ज) में देय छूट का लाभ नागरिकों को प्रदान किये जाने हेतु मध्यप्रदेश नगर पालिक निगम अधिनियम, 1956 की धारा 162 व 163 एवं मध्यप्रदेश नगरपालिका अधिनियम, 1961 की धारा 130, 131 तथा 132 में निहित शक्तियों को उपयोग में लाते हुये राज्य शासन एतद द्वारा सम्पत्तिकर, जलकर एवं उपभोक्ता प्रभार के मात्र अधिभार (सरचार्ज) में शर्तों के साथ दिनांक 13.07.2024 (एक दिन) की विशेष छूट प्रदान की गई है। निगम आयुक्त द्वारा शहरवासियों से अपील की गई दिनांक 13.07.2024 को प्रातः 10 बजे से सायं 6 बजे तक नगर निगम टाउन हॉल एवं नगर निगम के सभी जोन कार्यालयों में लगाये गये शिविर द्वारा संपत्तिकर, जलकर, उपभोक्ता प्रभार एवं अन्य करों के मात्र अधिभार (सरचार्ज) में मिलने वाली 25 प्रतिशत से 100 प्रतिशत की विशेष छूट का लाभ अवश्य उठायें।

अमरवाणी नाट्य समिति द्वारा संचालित मार्शल आर्ट क्लास का हुआ समापन

रीवा

अमरवाणी नाट्य समिति द्वारा बीते 15 दिनों से दिव्य स्नेह विवाहघर में मार्शल आर्ट का प्रशिक्षण छात्र और छात्राओं को दिया जा रहा था, जिसका समापन रविवार को हुआ। इसमें शहर के कई छात्र-छात्राओं ने बढ़ चढ़कर भाग लिया। यह कार्यशाला पूरी तरह से निःशुल्क थी। इस दौरान प्रशिक्षण में भाग लेने वाले सभी छात्र-छात्राएं और अमरवाणी नाट्य समिति के कलाकार उपस्थित रहे। साथ ही संस्था के सचिव व रंगकर्मी अमर द्विवेदी, बजरंग दल के बाल उपासना प्रमुख राजमणि तिवारी, अवधेश प्रताप सिंह

विश्वविद्यालय के योग विभाग के सहायक प्राध्यापक राजेश सिंह, अंकित तिवारी व योगेंद्र द्विवेदी उपस्थित रहे। इनके साथ-साथ दुर्गावाहिनी से आशा त्रिपाठी, ऋचा मिश्रा (जिला संयोजिका) और जलसा विश्वकर्मा (जिला सह संयोजिका) उपस्थित रहीं। सभी ने बारी-बारी मार्शल आर्ट के बारे में अपने विचार प्रस्तुत किया। प्रशिक्षण के समापन अवसर पर विद्यार्थियों द्वारा मार्शल आर्ट का प्रदर्शन भी किया गया। प्रशिक्षण में खुशी मिश्रा, शिवानी विश्वकर्मा, अंशिका तिवारी, कृष्णा मिश्रा, आरती पांडेय, अखिल तिवारी, श्रेया सोनी, पलक मिश्रा, शिवानी सेन, आशीष दाहिया, बादल सोनी, मुस्कान कनौजिया, राजनंदिनी कछवाहा, शिवाशीष तिवारी सहित कई छात्र-छात्राओं ने बढ़ चढ़कर भाग लिया। इस अवसर पर मार्शल आर्ट की प्रशिक्षक खुशबू गुप्ता को संस्था द्वारा सम्मान निधि प्रदान की गई। अमरवाणी नाट्य समिति द्वारा लगातार शहर में रंगमंचीय गतिविधियां एवं युवाओं को जागरूक करने के लिए ऐसी कार्यशालाओं का आयोजन होता रहता है।

पत्थर खदान के लिए जन सुनवाई 23 जुलाई को

रीवा। मऊगंज जिले के हनुमना तहसील के ग्राम बीरादेई में 1.091 हेक्टेयर जमीन में पत्थर उत्खनन के लिए आवेदन दिया गया है। इसमें कुल 12 खसरा नम्बर शामिल हैं। खदान की मंजूरी के पूर्व इसकी पर्यावरणीय जन सनुवाई के लिए 23 जुलाई 2024 की तिथि निर्धारित की गई है। कलेक्टर मऊगंज के प्रतिनिधि के रूप में अपर कलेक्टर अशोक ओहरी ग्राम पंचायत भवन परिसर बीरादेई में 23 जुलाई को सुबह 10.30 बजे से सुनवाई करेंगे। सुनवाई में क्षेत्रीय अधिकारी मध्यप्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड रीवा तथा खदान के लिए आवेदन करने वाली मेसर्स शिवकृपा एसोसिएट के प्रतिनिधि उपस्थित रहेंगे।

रीवा-भिंड समेत 13 जिलों में भारी बारिश का अलर्ट!

रीवा। मध्य प्रदेश में मानसूनी बारिश का दौर जारी है। रीवा-भिंड समेत 13 जिलों में भारी बारिश का अलर्ट जारी किया गया है। ग्वालियर में शुक्रवार सुबह रिमझिम बारिश हुई। मध्य प्रदेश में मानसूनी बारिश का दौर जारी है। ग्वालियर में शुक्रवार सुबह रिमझिम बारिश हुई। मौसम विभाग ने रीवा-भिंड समेत 13 जिलों में भारी बारिश का अलर्ट जारी किया है। भोपाल-इंदौर, नर्मदापुरम और रतलाम में बादल छाए हुए हैं। अशोकनगर में देर रात तेज बारिश से नाले उफान पर आ गए हैं। सावन और खजुरिया गांव की पुलिया के ऊपर पानी बह रहा है, जिसके कारण ट्रैफिक रुक गया है। शहर की शंकर कॉलोनी में एक घर की टीन की छत भी गिर गई है। भारी बारिश का अलर्ट- मौसम विभाग ने शुक्रवार को रीवा, नीमच, श्योपुरकलां, भिंड, शिवपुरी, रायसेन, सतना समेत 13 जिलों में भारी बारिश का अलर्ट जारी किया है।

अन्य जिलों में बारिश का अलर्ट- भोपाल, ग्वालियर, जबलपुर, उज्जैन समेत प्रदेश के अन्य जिलों में भी हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना है।

नगर निगम और यातायात पुलिस ने काटा एसपीएस मॉल और डोमिनॉज का चालान

रीवा। एसपीएस मॉल और डोमिनॉज के खिलाफ यातायात पुलिस और नगर निगम ने बुधवार को संयुक्त कार्रवाई की। दोनों के खिलाफ चालानी कार्रवाई की गई है। इनके कारण सड़क पर लंबा जाम लग गया था, जसके कारण कार्रवाई की गई।

ज्ञात हो कि इलाहाबाद मार्ग पर एसपीएस मॉल और डोमिनॉज पिज्जा शॉप मौजूद हैं। इनके पास पर्याप्त पार्किंग की व्यवस्था नहीं है। वाहन दुकान के बाहर खड़े होते हैं। सड़कों पर भी वाहन पार्क किए जाते हैं। सड़क पर वाहन पार्किंग के कारण बुधवार को लंबा जाम लग गया था।

इसकी जानकारी जब यातायात पुलिस और नगर निगम को हुई तो दोनों मौके पर पहुंच गए। एसपीएस मॉल पर नगर निगम ने 10 हजार और डोमिनॉज के खिलाफ 2 हजार रुपए की चालानी कार्रवाई की गई।

सदस्यता सूची प्रकाशित- दावे-आपत्तियाँ 12 जुलाई तक

रीवा

प्राथमिक कृषि साख सहकारी समिति देउरा पटेरा के संचालक मण्डल के सदस्यों के निर्वाचन की प्रक्रिया जारी है। सदस्यों के निर्वाचन के लिए सदस्यता सूची का प्रथम प्रकाशन 4 जुलाई को कर दिया गया है। इस संबंध में रजिस्ट्रीकरण अधिकारी विकास माठे ने बताया कि सदस्यता सूची का प्रकाशन सहकारी समिति के कार्यालय देउरा पटेरा में कर दिया गया है। सूची के संबंध में दावे एवं आपत्तियाँ 12 जुलाई को संस्था कार्यालय में दोपहर 12 बजे तक दर्ज कराई जा सकती हैं। दावे-आपत्तियों का निराकरण करने के बाद सदस्यता सूची का अंतिम रूप से प्रकाशन किया जाएगा।

श्री विधि से धान की रोपाई किसानों के लिये वरदान

रीवा

जिले में काफी बड़े क्षेत्र में धान की खेती की जाती है। अधिकतर किसान रोपा विधि से धान लगाते हैं। इसकी तुलना में मेडागास्कर विधि जिसे एस.आर.आई. श्री विधि कहा जाता है, से धान लगाना अधिक लाभकारी है। इसमें कम पानी, कम बीज और बिना खरपतवार के धान का अच्छा उत्पादन होता है। परम्परागत विधि से किसान को प्रति हेक्टेयर 20 से 25 क्विंटल धान की उपज मिलती है। इसकी तुलना में श्री विधि से धान लगाने पर प्रति हेक्टेयर 35 से 50 धक्कटल धान का उत्पादन होता है। उप संचालक यूपी बागरी कृषि ने किसानों से धान रोपण के लिये श्री विधि अपनाने की अपील की है। उन्होंने कहा कि यह तकनीक किसानों के लिये वरदान है।

उप संचालक यूपी बागरी ने बताया कि श्री विधि से प्रति हेक्टेयर केवल 6 से 8 किलो बीज की जरूरत होती है। इसे विशेष तरह की प्लेट अथवा पॉलीथीन में नर्सरी लगाकर तैयार किया जाता है। इसमें भुरभुरी मिट्टी तथा राख का होना आवश्यक है। इसके लिये 10 मीटर लम्बी तथा 5 से.मी. ऊंची क्यारी बनायें। इसमें 50 किलो नाडेप अथवा गोबर की खाद मिलाकर बीजों की बोनी करें। बोनी से पहले बीजों को थाईरम दवा से उपचारित करें। प्रत्येक क्यारी में 120 ग्राम बीज की बोनी करें। इन्हें ढंककर हल्की सिंचाई करें। धान रोपित करने के लिये खेत को गहरी जुताई करके उसके खरपतवार नष्ट करें। खेत में पर्याप्त पानी देकर रोपाई के लिये खेत तैयार करें। इसमें नर्सरी में तैयार धान के 15 से 21 दिन के पौधे रोपित करें। तैयार खेत में मार्कर हल की सहायता से 20-20 से.मी. दूरी पर निशान बनायें। इन निशानों पर धान का केवल एक पौधा रोपित करें।

उन्होंने किसानों को सलाह देते हुए कहा कि पौधे से पौधे तथा कतार से कतार की दूरी 2 से.मी. रखें। पौधों के बीच में पर्याप्त अंतर होने पर उन्हें पर्याप्त हवा तथा नमी प्राप्त होगी। कतार में पर्याप्त दूरी रहने पर खरपतवार होने की स्थिति में कोनावीडर की सहायता से इन्हें आसानी से निकालकर खाद बनायी जा सकती है। मृदा हेल्थ कार्ड में खेत की मिट्टी में पोषक तत्वों के अनुसार खाद का उपयोग करें।

एक पेड़ माँ के नाम अभियान में अधिकारियों ने किया पौधारोपण

रीवा। देश के प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने प्रत्येक व्यक्ति को पर्यावरण संरक्षण से जोड़ने के लिए एक पेड़ माँ के नाम का आवाहन किया है। रीवा जिला में भी एक पेड़ माँ के नाम अभियान के तहत लगातार वृक्षारोपण किया जा रहा है। जिले भर में 6 जुलाई और 7 जुलाई को वृहद वृक्षारोपण के प्रयास किए जा रहे हैं। विभिन्न शिक्षण संस्थानों तथा कार्यालयों में एक पेड़ माँ के नाम अभियान में अधिकारियों, शिक्षकों तथा विद्यार्थियों ने पौधे रोपित किए। शासकीय कन्या महाविद्यालय में कलेक्टर श्रीमती प्रतिभा पाल ने आम का पौधा रोपित करके अभियान का शुभारंभ किया। कार्यपालन यंत्री पीएचई संजय पाण्डेय ने अधीनस्थ कर्मचारियों के साथ सिरमौर कार्यालय परिसर में पौधे रोपित किए। उपायुक्त सहकारिता अशोक शुक्ला ने जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक परिसर में अधीनस्थ कर्मचारियों के साथ पौधारोपण किया। जिले भर में एक पेड़ माँ के नाम अभियान में लगातार पौधे रोपित किए जा रहे हैं।

डूडा दुआरी गांव में दूषित पानी पीने से 25 से ज्यादा लोग बीमार

मऊगंज। सीतापुर ग्राम पंचायत के डूडा दुआरी गाव में उस समय हड़कंप मच गया जब दूषित पानी पीने से गांव के 25 से ज्यादा लोग बीमार हो गए। उल्टी-दस्त की शिकायत होने पर सभी को सिविल अस्पताल मऊगंज में भर्ती कराया गया है।

ग्रामीणों की मानें तो करीब 3 दिन से गांव के लोगों को उल्टी-दस्त शुरू हुए थे। पहले तो लोग इसे हल्के में ले रहे थे जब गत शनिवार को सुबह से शाम तक 25 से ज्यादा लोग बीमार हो गए तो इसके बाद हड़कंप मच गया। ग्रामीण बीमार लोगों लेकर सिविल अस्पताल लेकर पहुंचे। इस मामले की जानकारी लगते ही प्रशासन में भी हड़कंप मच गया। सीएमएचओ रीवा भी सिविल अस्पताल

मऊगंज पहुंचे। स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को बीमारी के कारणों की जांच करने के आदेश दिए हैं। ग्रामीणों का कहना है कि गांव के समीप ही एक डामर प्लांट है। चार दिन से हो रही बारिश का डामर प्लांट का पानी गांव में स्थित हैंडपंप के समीप जमा होता है।

माना जा रहा दूषित पानी की वजह से यह घटना हुई है। बीमार लोगों में संदीप साकेत, अनिल कुमार, आरती साकेत, अनिकेश साकेत, जितेंद्र साकेत, लवकुश साकेत, वंदना साकेत, अर्चना साकेत, ओम प्रकाश साकेत, किरण साकेत, पूजा साकेत, लक्ष्मी साकेत, नीरज साकेत, बेबी साकेत, नीतू साकेत, भारती साकेत,राम निरंजन साकेत सुरेश साकेत शामिल हैं ।

स्वत्वाधिकारी प्रकाशक एवं मुद्रक राजेन्द्र तिवारी द्वारा एस आर के प्रिंटिंग प्रेस विवि रोड खुटेही रीवा से मुद्रित कर जीडीसी के सामने उत्तरी करौंदिया सीधी से प्रकाशित। संपादक-राजेन्द्र तिवारी , आर.एन.आई नं. 47589/88 , डाक पंजीयन : MP/SDL/DN/-30/2015-17, दूरभाष : 09424315633,7389444833